@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

रविवार, 6 अप्रैल 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 145 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

विपक्ष हमेशा जनता को गुमराह करता है: चिराग पासवान

पटना, 5 अप्रैल। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को वक्फ संशोधन विधेयक 2025 की आलोचना के लिए विपक्षी इंडिया गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता हमेशा जनता को सरकार के प्रति गुमराह करते हैं। चिराग पासवान ने कहा कि जब भी एनडीए सरकार कोई कानून, बिल या संशोधन लाती है, जिसकी मदद से हम कमजोर वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ सकते हैं, तब विपक्ष जनता

के सामने सरकार के प्रति गलत धारण पेश करने की कोशिश करता है। इसके साथ ही विपक्ष लोगों को गुमराह करने का असफल प्रयास करता है। चिराग पासवान ने आगे कहा कि हम उदाहरण के तौर पर देख सकते हैं कि जब सीएए लागू हुआ था, उस समय भी विपक्ष ने यही काम किया था। अनुच्छेद 370 हटाने के समय भी, राम मंदिर के निर्माण के वक्त भी विपक्ष ने लोगों को गुमराह करने की कोशिश की। अब वक्फ संशोधन विधेयक के समय भी विपक्ष वही काम कर रहा है। ऐसा करने से मुस्लिम सुमदाय के कल्याण में रुकावट आ सकती है। वक्फ संशोधन बिल 2025 राज्यसभा में पारित हो गया। राज्यसभा में बिल के पक्ष में 128 वोट पड़े। वहीं, 95 वोट विपक्ष में पड़े। इससे पहले लोकसभा में बिल के पक्ष में 288 वोट पड़े थे। कांग्रेस और एआईएमआईएम समेत कुछ विपक्षी दलों ने नए बिल के विरोध में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। जनता दल (यूनाइटेड) के कई नेताओं ने इस बिल और पार्टी को सर्मथन देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही कई नेताओं ने पार्टी से इस्तीफा भी दे दिया है। सरकार ने इस बिल को संयुक्त संसदीय समिति की सिफारिशों और सुझावों के बाद संसद में पेश किया है। इस विधेयक का उद्देश्य 1995 के अधिनियम में संशोधन करना और भारत के वक्फ संपत्तियों में प्रशासनिक और प्रबंधन में सुधार करना है। वक्फ बिल का उद्देश्य वक्फ बोर्ड में पिछले अधिनियम की कमियों को दूर करना है। पंजीकरण प्रकिया में सुधार करने के साथ वक्फ रिकॉर्ड में प्रौद्योगिकी की भूमिका को बढ़ावा देना है।

ट्रंप प्रशासन का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण, भारत के हित सर्वोपरि रखे सरकार: आनंद शर्मा

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 5 अप्रैल। वरिष्ठ कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने शनिवार को अमेरिकी टैरिफ को दुर्भाग्यपूर्ण और एकतरफा बताया। उन्होंने सरकार से अपील करते हुए कहा कि वह अमेरिकी टैरिफ पर रणनीति बनाते समय विभिन्न राजनीतिक दलों और हितधारकों को साथ लेकर चले। उन्होंने कहा कि सरकार को राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री शर्मा ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सरकार से अपील करते हुए कहा कि वह सभी हितधारकों के साथ बातचीत करे और उनके हितों की रक्षा करे। शर्मा ने कहा कि इस मुद्दे से निपटने के लिए विशेषज्ञों का एक टास्क फोर्स भी बनाया जाना चाहिए। शर्मा ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उठाया गया कदम दुर्भाग्यपूर्ण है और विश्व व्यापार के लिए एक बड़ा झटका है। कांग्रेस नेता शर्मा ने आगे कहा कि यह गंभीर चिंता का विषय है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एकतरफा तरीके से उच्च टैरिफ लगाए हैं। इससे वैश्विक व्यापार में बड़े पैमाने पर व्यवधान पैदा हुआ है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के टैरिफ से

सभी छोटी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ट्रंप के फैसले ने बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को उल्टा कर दिया है। इस फैसले ने विश्व व्यापार संगठन को भी बड़ा झटका दिया है, जिस पर नियम-आधारित वैश्विक व्यापार करने की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप ने सभी अंतरराष्ट्रीय समझौतों, नियमों और सिद्धांतों का उल्लंघन किया है। कांग्रेस नेता शर्मा ने सरकार से कहा कि टैरिफ लगाने के जवाब में कोई भी निर्णय लेते समय राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखा जाए। उन्होंने कहा कि निर्णय को किसानों और हितधारकों के हितों की रक्षा करते हुए लिया जाना चाहिए। शर्मा ने यह भी कहा ऐसा कोई भी निर्णय जल्दबाजी में नहीं लिया जाना चाहिए ताकि देश को इसके परिणाम न भुगतने पड़ें। आनंद शर्मा ने आगे कहा कि सरकार को इस मुद्दे पर संसद में चर्चा करनी चाहिए थी। हालांकि, अब सरकार को सभी राजनीतिक दलों से बात करके उन्हें विश्वास में लेना चाहिए। शर्मा ने यह भी कहा कि अभी तक सेवा क्षेत्र पर बात नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि भारत को सेवा क्षेत्र को केंद्र में रखकर कोई भी व्यापार समझौता स्वीकार नहीं करना चाहिए, क्योंकि देश की विश्व व्यापार में बहुत अधिक हिस्सेदारी नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर सेवाओं को शामिल नहीं किया जाता है तो यह देश हित में नहीं होगा।

मणिपुर पर चर्चा जल्दबाजी में की गई: जयराम रमेश

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 5 अप्रैल। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि संसद में मणिपुर पर चर्चा इसलिए जल्दबाजी में की गई, ताकि कोई असहज सवाल न उठें। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री के पास कुछ बुनियादी सवालों के जवाब नहीं थे। लोकसभा और राज्यसभा ने बृहस्पतिवार और शुक्रवार को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करने की पुष्टि करते हुए एक वैधानिक प्रस्ताव को पारित किया। दोनों सदनों ने रातभर चली कार्यवाही में विवादास्पद वक्फ (संशोधन) विधेयक को मंजूरी दी, जिसके बाद मणिपुर पर संक्षिप्त चर्चा की गई। इस संबंध में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय मंत्री शाह के पास कुछ बुनियादी सवालों के जवाब नहीं थे। इसलिए संसद में मणिपुर पर चर्चा जल्दबाजी में की गई। उन्होंने कहा कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा पर वैधानिक प्रस्ताव केवल एक घंटे की चर्चा के बाद पारित किया गया। जयराम रमेश ने मणिपुर को लेकर कई सवाल खड़े किए। उन्होंने पूछा कि भाजपा और उसके सहयोगियों को विधानसभा चुनावों में भारी जनादेश मिलने के महज 15 महीने बाद, मणिपुर क्यों जलने लगा? उन्होंने कहा कि क्या यह पीएम मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार के शासन की विफलता नहीं है। उन्होंने पूछा कि मोदी सरकार को राष्ट्रपति शासन लागू करने में 18 महीने क्यों लगे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 1 अगस्त 2023 को टिप्पणी की थी कि मणिपुर में सांविधानिक तंत्र पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है। जयराम रमेश ने जुलाई 2024 में मणिपुर के राज्यपाल को हटाने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि छह महीने तक पूर्णकालिक राज्यपाल की नियुक्ति क्यों नहीं की गई। रमेश ने कहा कि क्या ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि राज्यपाल तथाकथित डबल इंजन सरकार की नीतियों और कार्यों से असहमत थे। रमेश ने यह भी पूछा कि मई 2023 से प्रधानमंत्री ने मणिपुर का दौरा क्यों नहीं किया, जबकि वे अन्य राज्यों का दौरा करने के लिए समय निकाल रहे थे।

मनसे कार्यकर्ताओं से राज ठाकरे की अपील

मुंबई, 5 अप्रैल। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से बैंकों और अन्य प्रतिष्ठानों में मराठी भाषा के इस्तेमाल को लागू करने के लिए आंदोलन को फिलहाल रोकने को कहा, क्योंकि हमने इस मुद्दे पर पर्याप्त जागरूकता पैदा कर दी है। पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखे पत्र में राज ठाकरे ने कहा कि आंदोलन ने स्थानीय भाषा के इस्तेमाल पर भारतीय रिजर्व बैंक के मानदंडों का पालन न करने के परिणामों को दिखाया है। उन्होंने आगे कहा, इस आंदोलन को रोकने में अब कोई समस्या नहीं है, क्योंकि हमने इस मुद्दे पर पर्याप्त जागरूकता पैदा कर दी है। इसके साथ ही राज ठाकरे ने चेतावनी देते हुए कहा, आंदोलन को फिलहाल रोक दें, लेकिन इससे ध्यान न भटकने दें। मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि वह सुनिश्चित करे कि कानून का पालन हो। जहां भी कानून का पालन नहीं किया जाता है, जहां भी मराठी मानुष को हल्के में लिया जाता है या उसका अपमान किया जाता है, मनसे उनसे चर्चा करेगी। पार्टी कार्यकर्ताओं को दिए गए उनके निर्देश यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस की तरफ से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे गए पत्र के एक दिन बाद आए हैं, जिसमें कहा गया है कि मनसे कार्यकर्ता होने का दावा करने वाले लोग बैंक शाखाओं में जा रहे हैं और कर्मचारियों को धमका रहे हैं। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने फडणवीस को लिखे पत्र में कहा, उनकी मांग है कि सभी डिस्प्ले बोर्ड केवल मराठी में हों और सभी अधिकारी केवल मराठी में ही बोलें।

हैदराबाद यूनिवर्सिटी को दूसरी जगह शिफ्ट करने पर हो रहा विचार

हैदराबाद, 5 अप्रैल। तेलंगाना में कांचा गाचीबाउली गांव में 400 एकड़ इलाके में फैले जंगल की कटाई का मामला गरमाया हुआ है, इसके विरोध में हैदराबाद यूनिवर्सिटी के छात्र कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। इस विवाद के बीच दावा किया जा रहा है कि तेलंगान के सीएम रेवंत रेड्डी के एक प्रस्ताव मिला है, जिसमें हैदराबाद यूनिवर्सिटी को दूसरी जगह स्थानांतरित कर उसकी मौजूदा जगह पर 2000 एकड़ जमीन पर इको पार्क विकसित करने का सुझाव दिया गया है। हालांकि प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने इसे मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश करार देकर खारिज कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तेलंगाना सरकार के अधिकारियों ने यह दावा किया है कि सीएम को मिले प्रस्ताव में सुझाव दिया गया है कि यूनिवर्सिटी की जमीन सहित कुल 2000 एकड़ जमीन पर इको पार्क विकसित किया जाए। इस पार्क में दुनिया का सबसे ऊंचा वॉच टावर बनाने का भी सुझाव दिया गया है। इसके तहत यूनिवर्सिटी को किसी अन्य जगह पर स्थानांतरित किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार जमीन और फंड आवंटित करेगी। हालांकि यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने इको पार्क के प्रस्ताव पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि उन्हें इस मामले में राज्य सरकार से कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। तेलंगाना सरकार कांचा गाचीबाउली के 400 एकड़ इलाके में आईटी बुनियादी ढांचा बनाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई हो रही है। इस मामले पर तेलंगान उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। इसका विरोध कर रहे हैदराबाद यूनिवर्सिटी के छात्रों का दावा है कि 400 एकड़ का इलाका यूनिवर्सिटी का हिस्सा है, लेकिन तेलंगाना सरकार उसे अपना बता रही है। सीएम को मिले प्रस्ताव पर यूनिवर्सिटी छात्र परिषद के अध्यक्ष उमेश आंबेडकर ने कहा कि हम 400 एकड़ जमीन वापस पाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

निजी स्कूलों में फीस वृद्धि पर आप का भाजपा पर वार

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 5 अप्रैल। आम आदमी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार पर दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को शिक्षा माफिया के हवाले करने का आरोप लगाया है। आप ने आरोप लगाया कि बीजेपी निजी स्कूलों को मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने की अनुमति दे रही है। आम आदमी पार्टी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार पर तीखा हमला किया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आप के वरिष्ठ नेता और पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को शिक्षा माफिया के हवाले कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी निजी स्कूलों को मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने की अनुमति दे रही है। सिसोदिया ने कहा, जब से दिल्ली में भाजपा सरकार सत्ता में आई है, लोग परेशान हैं। अस्पतालों में दवाइयां उपलब्ध नहीं हैं, लंबे समय तक बिजली कटौती होती है और अब निजी स्कूल फीस बढ़ाकर अभिभावकों को लूट रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कई निजी स्कूलों ने फीस में 20 से 82 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की है, उन्होंने सरकार पर

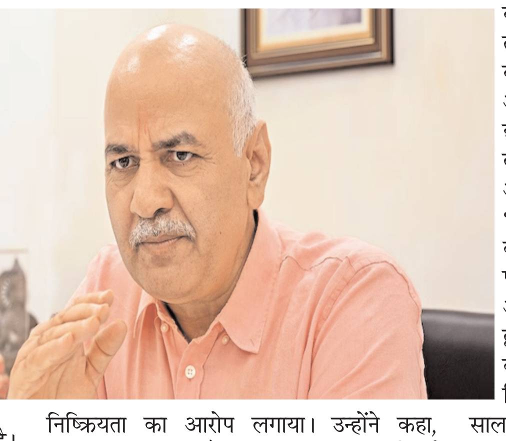

निष्क्रियता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, अभिभावक चिंतित हैं। अगर माता-पिता बढ़ी हुई फीस का भुगतान नहीं कर सकते हैं तो बच्चों को कक्षाओं से वंचित किया जा रहा है और स्कूल प्रशासन सुन नहीं रहा है। भाजपा सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। एक्स पर एक पोस्ट में आप मंत्री आतिशी ने आरोपों को दोहराया और केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच की मांग की। उन्होंने कहा, इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में देखिए कि 2015 में सत्ता में आने के बाद अरविंद केजरीवाल की सरकार ने किस तरह निजी स्कूलों को मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने से रोका था। लेकिन भाजपा सरकार आते ही इन स्कूलों को फिर से लूट की खुली छूट मिल गई। उन्होंने सवाल किया कि एक दशक में फीस नहीं बढ़ाने वाले निजी स्कूल अब भाजपा के सत्ता में आने के एक महीने के भीतर ही फीस कैसे बढ़ा रहे हैं? उन्होंने पूछा, क्या भाजपा सरकार इसमें शामिल है? इससे पहले शुक्रवार को आप के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी द्वारका के एक निजी स्कूल में फीस बढ़ोतरी के बारे में एक न्यूज क्लिपिंग शेयर करने के लिए एक्स का सहारा लिया। उन्होंने कहा, 10 साल में हमने दिल्ली के निजी स्कूलों को मनमाने ढंग से फीस नहीं बढ़ाने दी। हमने शिक्षा माफिया को खत्म कर दिया। उनकी (भाजपा) सरकार आने के एक महीने के भीतर ही शिक्षा माफिया वापस आ गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया नौसेना की परियोजनाओं का उद्घाटन

तेजिन्दर कौर बब्बर

कारवार, 5 अप्रैल। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे पर नौसेना की तमाम परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने हिंद महासागर पोत आईओएस सागर को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आईएनएस सुनयना से जुड़े इस जहाज में नौ देशों की नौसेनाओं के 44 कर्मी सवार हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हिंद महासागर पोत आईओएस सागर की यात्रा की शुरुआत पर ढेर सारी बधाई। मैं भारतीय नौसेना और हिंद महासागर क्षेत्र के हमारे सभी हितधारकों की सराहना करता हूं। आपके अथक प्रयासों और मेहनत से ही यह संभव हो पाया है। सभी मित्र देश जो सागर की यात्रा में विशेषज्ञता और अनुभव साझा करने आए हैं, उनका भी आभार। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि सागर पहल के 10 साल पूरे होने पर आईओएस सागर हिंद महासागर की यात्रा पर निकल रहा है। नौसैनिकों की यह तैनाती न सिर्फ भारत के बल्कि हिंद महासागर में हमारे सभी मित्र देशों के सहयोगात्मक प्रयास से हो रही है। आज ही के दिन लगभग एक सदी पहले पांच अप्रैल 1919 को सिंधिया स्टीम नेविगेशन कंपनी का एसएस लॉयल्टी नामक भारत का पहला व्यापारी जहाज मुंबई से लंदन के लिए रवाना हुआ था। उस दिन को याद रखने के लिए 1964 से ही हम पांच अप्रैल को राष्ट्रीय

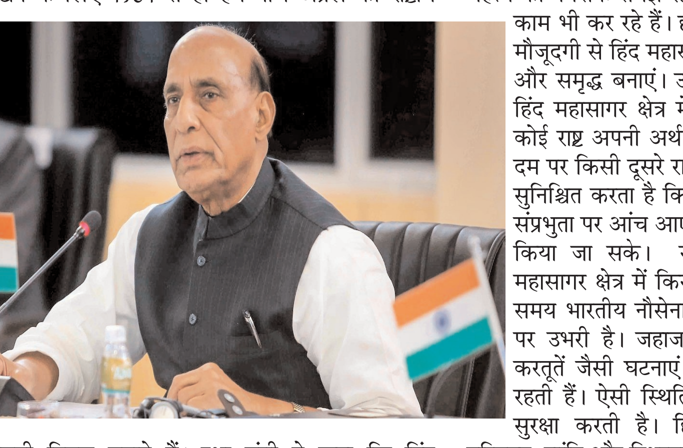

समुद्री दिवस मनाते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि हिंद महासागर की समुद्री सुरक्षा से भारत और तटवर्ती देशों का राष्ट्रीय हित भी बेहद घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। हमारे लिए हिंद महासागर क्षेत्र सिर्फ सुरक्षा की दृष्टि से ही अहम नहीं है, बल्कि यह हमारे व्यापार, अर्थव्यवस्था, पर्यटन, संस्कृति और राष्ट्रीय हित को प्रभावित करता है। हम इस महत्व को न सिर्फ समझ रहे बल्कि इस दिशा में मिलकर काम भी कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि हम अपनी मौजूदगी से हिंद महासागर क्षेत्र को और ज्यादा शांत और समृद्ध बनाएं। उन्होंने कहा कि हमारी नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में यह सुनिश्चित करती है कि कोई राष्ट्र अपनी अर्थव्यवस्था और सैन्य ताकत के दम पर किसी दूसरे राष्ट्र को दबा न सके। भारत यह सुनिश्चित करता है कि हिंद महासागर में किसी की संप्रभुता पर आंच आए बिना उनके हित को सुरक्षित किया जा सके। रक्षा मंत्री ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में किसी भी आपदा या मुसीबत के समय भारतीय नौसेना प्रथम प्रतिक्रियादाता के तौर पर उभरी है। जहाज हाईजैक, समुद्री लुटेरों की करतूतें जैसी घटनाएं हिंद महासागर क्षेत्र में होती रहती हैं। ऐसी स्थिति में हमारी सेना जहाजों की सुरक्षा करती है। हिंद महासागर क्षेत्र में मुक्त परिवहन, शांति और स्थिरता सुनिश्चित करना हमारा उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस की अपनी यात्रा के दौरान सागर पहल से भी आगे बढ़कर महासागर पहल की बात की।

धनंजय मुंडे को देना ही महिला को होगा भरण-पोषण

मुंबई, 5 अप्रैल। मुंबई की एक सत्र अदालत ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता धनंजय मुंडे को बड़ा झटका दिया है। इसके तहत कोर्ट ने मुंडे की अपील खारिज कर दी। यह अपील उन्होंने एक मजिस्ट्रेट अदालत के उस आदेश के खिलाफ दायर की थी, जिसमें उन्हें एक महिला को गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया गया था। बता दें कि महिला का दावा है कि वह उनकी पहली पत्नी हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शेख अकबर शेख जाफर ने धनंजय मुंडे की अपील को खारिज कर दिया, हालांकि इस मामले में विस्तृत आदेश अभी तक उपलब्ध नहीं हुआ है। जहां धनंजय मुंडे ने अपनी अपील में दावा किया था कि महिला करुणा मुंडे से उनकी कभी शादी नहीं हुई थी और मजिस्ट्रेट ने बिना उचित विचार के आदेश पारित किया। मामले में बांद्रा मजिस्ट्रेट अदालत ने बीते 4 फरवरी को करुणा मुंडे की याचिका पर आंशिक रूप से फैसला दिया था। अदालत ने धनंजय मुंडे को अंतरिम भरण-पोषण के रूप में करुणा मुंडे को 1,25,000 रुपये प्रति माह और उनकी बेटी को 75,000 रुपये प्रति माह देने का आदेश दिया था। गौरतलब है कि यह मामला 2020 से शुरू हुआ था, जब करुणा मुंडे ने धनंजय मुंडे के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया था।

दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू, 10 अप्रैल से मिलेगा कार्ड

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 5 अप्रैल। राजधानी में गरीबों के लिए आयुष्मान योजना लागू हो गई है। इस सुविधा के तहत पंजीकृत व्यक्ति दिल्ली सहित देशभर के निजी अस्पतालों में 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज करवा सकेंगे। इसको लेकर शनिवार को दिल्ली में आयुष्मान के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच समझौता हुआ है। दिल्ली के स्वास्थ्य सचिव और केंद्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के मुख्य सचिव धर्मेंद्र, स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह, सभी सातों सांसद सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार ने इस योजना को लागू करवाया और बढ़ा फंड दिया। केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार एक दिशा में काम न करें इसका उदाहरण है। दिल्ली को इस योजना का लाभ नहीं मिल रहा था। मंहगा इलाज होता था। निजी अस्पताल में मिल सकते थे। इस योजना के लागू होने पर मनपसंद अस्पताल में इलाज करवा सकेंगे। 1961 चिकित्सा बीमारी का इलाज करवा सकता है। 30957 देशभर के अस्पतालों में इलाज करवा सकते हैं। 2 लाख 35 हजार को पहले चरण में लाभ मिलेगा। 10 अप्रैल से कार्ड मिलेगा। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि ये एक ऐतिहासिक दिन है। इस दिन को मोदी जी ने 9 साल पहले सोचा था वो आज लागू हो रही है। 2009 में जेनेवा गया था।

क्या भारत में ऐसा सोच सकेगा। पीएम से बात की तो हेल्थ कवरेज के बारे में सोचा। तो एक लाख की स्कीम लेकर गए। दुनिया की सबसे बड़ी योजना है। ये पहली योजना है जो गरीब को जोड़ती है। हेल्थ कवर दिया गया। इस साल मोदी जी ने 70 साल अधिक के सभी को 5 लाख का इलाज दिया है। इसकी मदद से लोगों के इलाज में खर्च होने वाला पैसे में कमी आई है। 6 लाख लोग 70 से अधिक के होंगे। जबकि 30 लाख गरीब लोगों को इस योजना का फायदा होगा। 36 लाख लोगों को दिल्ली में इस योजना से सुविधा मिलेगी। आप के राष्ट्रीय संयोजनक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा 2018 से बोल रहे थे। योजना को लागू कर दो। आज दिल्ली वालों ने उन्हें घर बैठा दिया। मोदी जी चुनाव हराने के लिए दूसरा जन्म लेना होगा। दिल्ली सरकार के मुताबिक, समझौते के साथ ही योजना के तहत पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उम्मीद है कि अगले एक माह में एक लाख परिवारों को यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। योजना के पहले चरण के लिए एएवाई और पीआरएस कार्ड को चुना है। इसके अलावा दूसरे नियम भी बनाए जा रहे हैं। समझौते के साथ ही योजना में शामिल करने के लिए नियम और शर्त सार्वजनिक हो जाएंगे। इन्हीं नियमों के तहत दिल्ली के सभी लाभार्थियों को सुविधा मिलेगी। दिल्ली में स्वास्थ्य सुविधाएं दे रहे मैक्स, मेंदाता, अपोलो सहित बड़े अस्पतालों को आयुष्मान योजना के दायरे में लाने के लिए 30 फीसदी का टैरिफ दिया जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि सामान्य अस्पताल व नर्सिंग होम के मुकाबले इन्हें दी जाने वाली दर 25 से 35 फीसदी तक ज्यादा हो सकती है, जबकि अन्य अस्पतालों की दर देश के अन्य राज्यों की तरह होने का अनुमान है।

वक्फ विधेयक पर आखिरी वक्त तक समर्थन पाने के लिए कोशिश की: संजय राउत

मुंबई, 5 अप्रैल। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने दावा किया है कि वक्फ विधेयक पर उनकी पार्टी का समर्थन पाने के लिए भाजपा नेताओं ने आखिरी समय तक कोशिश की थी। संजय राउत ने कहा कि भाजपा के केंद्रीय और महाराष्ट्र के शीर्ष नेता उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के संपर्क में थे। शिवसेना यूबीटी नेता ने ये भी दावा किया कि ये विधेयक कानूनी ढांचे में भ्रष्टाचार को लाने और दो लाख करोड़ की जमीन भाजपा के करीबी उद्योगपतियों को देने के लिए लाया गया है। संजय राउत ने शनिवार को मीडिया से

बात करते हुए दावा किया कि भाजपा ने नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजद पर भी दबाव बनाया था और लोकसभा में वक्फ विधेयक पर बीजद का समर्थन मांगा था। हालांकि बीजद ने विधेयक का विरोध किया, लेकिन उन्होंने अपनी पार्टी के सांसदों को व्हिप जारी नहीं किया और सांसदों को अपने विवेक से वोट करने की सलाह दी थी। संजय राउत ने कहा कि ऐसा ही उन्होंने हमारे साथ किया, लेकिन हम नहीं माने। अंतिम समय तक भाजपा के महाराष्ट्र और दिल्ली के वरिष्ठ नेता शिवसेना यूबीटी के संपर्क में थे। वक्फ संशोधन विधेयक गुरुवार की रात राज्यसभा से पास हो गया। उससे एक दिन पहले ही लोकसभा से वक्फ विधेयक पारित हुआ था। राज्यसभा में इस विधेयक पर चर्चा के दौरान भी संजय राउत ने भाजपा पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि सरकार को मुसलमानों की इतनी चिंता हो रही है कि मोहम्मद अली जिन्ना ने भी इतनी चिंता नहीं की थी। जिन्ना की आत्मा कब्र से आकर आपके शरीर में आ गई। पहले लगता था कि हम सब मिलकर हिंदू राष्ट्र बना रहे हैं, ऐसा लगा आप हिंदू पाकिस्तान बना रहे हो। राउत ने इसे ट्रंप प्रशासन की तरफ से भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने से ध्यान हटाने की कवायद बताया।

यौन शोषण के आरोपित रोमन कैथोलिक चर्च के पूर्व प्रमुख अमेरिकी प्रीलेट थियोडोर ई. मैककैरिक का 94 वर्ष की आयु में निधन

वाशिंगटन। साल 2018 में लड़कियों के यौन शोषण के आरोपों से घिरने के बाद सुर्खियों में आए रोमन कैथोलिक चर्च के प्रमुख अमेरिकी कार्डिनल थियोडोर ई. मैककारिक का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। कदाचार के आरोपों से पहले वे रोमन कैथोलिक चर्च के सर्वोच्च पदों पर थे। एक जांच के बाद पोप फ्रांसिस ने उनसे उनकी उपाधि और पादरी का पद छीन लिया था। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, वाशिंगटन के पूर्व आर्कबिशप और रोमन कैथोलिक चर्च के सर्वोच्च अमेरिकी प्रीलेट थियोडोर ई. मैककैरिक पर नाबालिगों और सेमिनेरियन का यौन शोषण करने का आरोप लगाया गया था। इस आरोप से वेटिकन सिटी में हड़कंप मच गया। पोप फ्रांसिस की कड़ी कार्रवाई के बाद वह एक आम आदमी की तरह जीवन बसर करने लगे। वाशिंगटन के आर्कबिशप कार्डिनल रॉबर्ट डब्ल्यू. मैकलेरॉय ने एक बयान में उनकी मृत्यु की पुष्टि की गई, लेकिन अन्य कोई और विवरण नहीं दिया गया है। वेटिकन के बयान में कहा गया कि गुरुवार को मिसौरी में उनकी मृत्यु हो गई। मैककारिक के खिलाफ लगे आरोपों के बाद वेटिकन ने चर्च के यौन शोषण संकट से निपटने के लिए कई नीतियों को आकार दिया। जांच में साफ हुआ कि उन्होंने 1971 और 1972 में एक किशोरी से छेड़छाड़ की। वह तब न्यूयॉर्क में मोनसिग्नर थे। उनसे पहले भी हजारों पादरियों पर दुर्व्यवहार के आरोप लगे थे और चर्च ने पीड़ितों को समझौते के तौर पर करोड़ों डॉलर का भुगतान किया।

नेपाल के पूर्व उप-प्रधानमंत्री रवि लामिछाने आधी रात को गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने को आधी रात को उनके निवास से गिरफ्तार किया गया है। करोड़ों रुपये के सहकारी ठगी मामले में जिला अदालत के द्वारा जमानत पर बाहर रहे रवि लामिछाने की गिरफ्तारी हाई कोर्ट के आदेश के बाद किया गया है। शुक्रवार की शाम को हाई कोर्ट ने रवि लामिछाने की जमानत को रद्द करते हुए गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में रखने का आदेश दिया है। इस आदेश के साथ ही नेपाल पुलिस ने उनके निवास में पहुंचकर गिरफ्तार किया है। अपनी गिरफ्तारी से पहले इस पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व गृह मंत्री समेत रहे रवि लामिछाने ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश की कॉपी मिले बिना उन्हें गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की टीम उनके घर में उनके बेडरूम तक आ गई है। रवि लामिछाने ने कहा कि यह सब ओली सरकार के द्वारा उनके खिलाफ किया गया षडयंत्र है। उन्होंने कहा कि बिना प्रक्रिया पूरा किए और बिना अदालत के आदेश की कॉपी उन्हें दिए बिना ही गिरफ्तार किया जा रहा है यह राज्य आतंक है।

नेपाल के पूर्व उप-प्रधानमंत्री रवि लामिछाने की जमानत याचिका रद्द, गिरफ्तारी का आदेश

काठमांडू। नेपाल के उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने की जमानत याचिका उच्च अदालत ने रद्द कर दी है। सहकारी घोटाले में जमानत पर बाहर रहे रवि को फिर से जेल में भेजने का आदेश दिया गया है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रहे रवि लामिछाने के खिलाफ सहकारी घोटाले में जिला अदालत द्वारा जमानत दिए जाने के खिलाफ सरकार की तरफ से उच्च अदालत में चुनौती दी गई थी। इस मुद्दे पर सुनवाई करते हुए उच्च अदालत बुटवल ने जिला अदालत के जमानत देने के फैसले को रद्द करते हुए फिर से न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। रवि लामिछाने के साथ ही उनके व्यावसायिक साझेदार नेपाल पुलिस के अवकाश प्राप्त डीआईजी छबिलाल जोशी की जमानत यशिका भी खारिज कर दी गई है और उन्हें भी न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया गया है। रवि लामिछाने चने को जिला अदालत भैरव ने एक करोड रुपए की जमानत पर रिहा किया था। जिला अदालत के इस फैसले के खिलाफ में सरकारी वकील ने उच्च अदालत में अपील दायर की थी। रवि लामिछाने के खिलाफ पांच अलग-अलग जिला में करोड़ों रुपए के सहकारी घोटाले का मुकदमा चल रहा है। सभी जिला अदालत से रवि लामी चने को जमानत पर रहा किया गया है। उच्च अदालत की तरफ से रवि की जमानत याचिका रद्द होने और उन्हें गिरफ्तार करने का आदेश आने के साथ ही पार्टी की आपातकालीन बैठक हुई जिसमें आगे की रणनीति को लेकर चर्चा की गई।

चीन ने अमेरिका पर जवाबी 34 प्रतिशत टैरिफ लगाया, सहमे अमेरिकी और भारतीय शेयर बाजार

वाशिंगटन/नई दिल्ली/बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा टैरिफ के जवाब में बीजिंग ने अपने टैरिफ की घोषणा की। चीन ने कहा कि वह 10 अप्रैल से अमेरिका से आयातित सभी वस्तुओं पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। उधर, ट्रंप के 48 घंटे पहले लागू किए टैरिफ से अमेरिकी और भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई। भारत में बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। अमेरिकी मीडिया की खबरों के अनुसार टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद गुरुवार को अमेरिकी शेयर बाजार में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 1,400.87 अंक (3.32 फीसद लुढ़ककर 40,824.45 पर बंद हुआ। टेक हैवी नैसडाक 903.44 अंक (5.13 फीसद) गिरकर 16,697.60 और एसएंडपी 500 इंडेक्स 232.04 अंक (4.09 प्रतिशथ) गिरकर 5,439.73 पर आ गया।

इजरायली सेना का दावा, हमने हमास को पैसे ट्रांसफर करने वाले प्रमुख शख्स को मार गिराया

एजेंसी
यरूशलम। इजरायली सेना ने गाजा में हमास के प्रमुख मनी एक्सचेंजर को मार गिराया है। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा कि उसने सईद अहमद अबेद खुदारी को गाजा शहर में मार गिराया, जो कथित तौर पर हमास का एक प्रमुख मनी एक्सचेंजर था। आईडीएफ के अनुसार, खुदारी को गुरुवार को मार गिराया गया। वह हमास में आतंकियों को पैसे देने का एक प्रमुख सूत्रधार था। आईडीएफ ने बयान में कहा कि खुदारी ने एक मनी एक्सचेंजर के रूप में काम करते हुए अल वेफाक कंपनी फंड का प्रमुख था, जिसे इजरायली सरकार द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित किया गया था

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, आईडीएफ के अनुसार खुदारी ने कई सालों तक

हमास के सैन्य हिस्से को कई बार पैसे ट्रांसफर करने में मदद की, खास तौर पर 7 अक्टूबर, 2023 के हमले के बाद। आईडीएफ ने कहा कि खुदारी की भागीदारी 2019 में अपने भाई हामिद खुदारी की हत्या के बाद बढ़ गई, जो हमास के सैन्य अभियानों के लिए एक प्राथमिक वित्तीय चैनल के रूप में भी काम करता था। आईडीएफ ने दो अन्य बयानों में कहा कि उसने फिलिस्तीनी मुजाहिदीन आंदोलन के एक वरिष्ठ सैन्य कमांडर मोहम्मद हसन मोहम्मद अवद को मार गिराया है, जो कथित तौर पर इजरायलियों के अपहरण और हत्या में शामिल था। इजरायल ने 18 मार्च को हमास के साथ दो महीने का युद्धविराम समाप्त कर दिया। इसके बाद फिलिस्तीनी एन्क्लेव पर घातक हवाई और जमीनी हमले फिर से शुरू कर दिए। इजरायली सेना के प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने गुरुवार को कहा कि सेना ने गाजा में अपने हमले के एक नए चरण में प्रवेश किया है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि नए सिरे से किए गए इजरायली हमलों में अब तक कम से कम 1,249 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 3,022 अन्य घायल हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्र नारकोटिक ड्रग्स आयोग ने पाकिस्तान को सदस्य बनाया!

एजेंसी
न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र नारकोटिक ड्रग्स आयोग (सीएनडी) ने पाकिस्तान को चार साल के लिए सदस्य के रूप में चुना है। यह अवधि 2026 से 2029 तक रहेगी। यह चुनाव संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद में आयोजित मतदान के दौरान किया गया। पाकिस्तान के समाचार पत्र द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार, यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी मिशन ने अपने बयान में दी। बयान में कहा गया कि पाकिस्तान ने परिषद के सदस्य देशों से मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। आयोग में पाकिस्तान का चुनाव वैश्विक मादक पदार्थ नियंत्रण प्रयासों के प्रति देश की प्रतिबद्धता में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के विश्वास और भरोसे को दर्शाता है। मिशन ने बयान में कहा कि पाकिस्तान मादक पदार्थों की तस्करी, उत्पादन और उपयोग के खिलाफ वैश्विक प्रयासों में लगातार सबसे आगे रहा है। महत्वपूर्ण यह है कि संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ड्रग्स एंड क्राइम की इस संबंध में जारी 2013 की एक रिपोर्ट पाकिस्तान के इस दावे को झुठलाती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में नशीली दवाओं के आदी लोगों की कुल संख्या 7.6 मिलियन है। इनमें से 78 प्रतिशत पुरुष और शेष 22 प्रतिशत महिलाएं हैं। रिपोर्ट में चिंता जताई गई थी कि इनकी संख्या प्रति वर्ष 40,000 की दर से बढ़ रही है। इस वजह से पाकिस्तान दुनिया में सबसे अधिक नशीली दवाओं से प्रभावित देशों में से एक बन गया है। पाकिस्तान में हेरोइन, कोकीन और हशीश का भी जमकर प्रयोग होता है। पिछले साल पाकिस्तान की एंटी-नारकोटिक्स फोर्स ने तो गजब का खुलासा किया था। इसने कहा था कि भारत में हेरोइन की तस्करी करने वाला कोई और नहीं लाहौर पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स विंग का प्रमुख मजहर इकबाल है।

पीएम मोदी ने थाई राजघराने को भारतीय शिल्प का दिया भव्य तोहफा, कई अनमोल उपहार शामिल

एजेंसी
बैंकॉक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने थाईलैंड के दुसित पैलेस में थाई किंग महा वाजीरालोंगकोर्न और रानी सुथिदा बजरासुधाबिमललक्षणा को विशेष उपहार दिए। इन उपहारों में एक भव्य कांस्य मूर्ति और वाराणसी से लाई गई ब्रोकेड सिल्क शॉल शामिल हैं, जो भारतीय शिल्प और बौद्ध धर्म की गहरी भावना को व्यक्त करती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने थाई रॉयल्टी को जो कांस्य मूर्ति दी है, वह सारनाथ में भगवान बुद्ध की %ध्यान मुद्रा% की प्रतिकृति है। यह मूर्ति भारतीय शिल्पकला का अद्भुत उदाहरण है और यह बिहार की सारनाथ शैली से प्रेरित है। इस मूर्ति में भगवान बुद्ध की शांतिमय छवि और पदमासन की स्थिति में %ध्यान मुद्रा% दर्शाई गई है, जो ध्यान और आंतरिक शांति का प्रतीक मानी जाती है। मूर्ति के पीछे की आभा (प्रभावली) में देवताओं और पुष्प रूपी चित्रकला का उपयोग किया गया है, जो भगवान की दिव्यता को उजागर करती है। कांस्य की यह मूर्ति शांति और सादगी का प्रतीक है और ध्यान करने वालों के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक और मानसिक सहारा बन सकती है। इसके साथ ही, पीएम मोदी ने थाई रानी को वाराणसी (बनारस) से एक सुंदर ब्रोकेड सिल्क शॉल भी भेंट दी। यह शॉल भारतीय बुनाई कला का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें बारीक डिजाइनों और रंगों का सुंदर मेल दिखता है। शॉल पर ग्रामीण जीवन, दिव्य उत्सवों और प्राकृतिक दृश्यताओं को दर्शाते हुए शिल्पकला का इस्तेमाल किया गया है, जो भारतीय लघु चित्र और पिचवाई कला से प्रेरित है। शॉल के रंग लाल, नीले, हरे और पीले हैं, जो खुशी और शुभता का प्रतीक माने जाते हैं। शॉल के किनारों पर गहरे गुलाबी, मैजेंटा और सोने के रंग की सजावट इसे और भी राजसी बनाती है। इसके अलावा, शॉल की मुलायमता और भव्यता इसकी खूबसूरती को और बढ़ाती है। इसे बनाने में कारीगरों ने महीनों की मेहनत और निपुणता से काम किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा को एक डोकड़ा कांस्य हंस नाव की मूर्ति भी भेंट की। यह मूर्ति छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदाय की पारंपरिक धातुकला का उदाहरण है, जो खोए हुए मोम से ढलाई (लॉस्ट-वॉक्स कास्टिंग) की तकनीक से बनाई जाती है। इसमें हंस के आकार की नाव और उसके साथ एक आदिवासी नाविक दिखाया गया है, जो मानव और प्रकृति के बीच सामंजस्य का प्रतीक है। कांस्य की यह मूर्ति समय के साथ एक खूबसूरत पेटीना विकसित करती है, जिससे यह एक प्राचीन आकर्षण उत्पन्न करती है। यह मूर्ति भारतीय आदिवासी धरोहर को जीवित रखने के साथ-साथ सरलता, रचनात्मकता और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक है।

कनाडा में भारतीय नागरिक की चाकू घोंपकर हत्या

एजेंसी
ओटावा। कनाडा के ओटावा के निकट रॉकलैंड इलाके में एक भारतीय नागरिक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद स्थानीय अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की। कनाडा में भारतीय दूतावास ने शनिवार सुबह घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। भारतीय दूतावास ने एक बयान जारी कर घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और पीड़ित परिवार को सहायता देने का भी ऐलान किया। दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ÷ओटावा के निकट रॉकलैंड में चाकू घोंपने से एक भारतीय नागरिक की दुखद मौत से हम बहुत दुखी हैं। पुलिस ने बताया है कि एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। हम शोक संतप्त परिजनों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए स्थानीय सामुदायिक संघ के माध्यम से निकट संपर्क में हैं। हालांकि चाकू मारने की घटना का विवरण अभी भी अस्पष्ट है, लेकिन स्थानीय मीडिया रिपोर्टों से पता चलता है कि यह घटना सुबह-सुबह क्लेरेंस-रॉकलैंड क्षेत्र में हुई। अधिकारियों ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है कि क्या यह वही मामला है जिसका उल्लेख

भारतीय दूतावास ने किया है। सीबीसी न्यूज़ के अनुसार, हत्या की चल रही जांच के तहत ओन्टारियो प्रांतीय पुलिस (ओपीपी) ने क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बढ़ा दी है। पुलिस ने रॉकलैंड निवासियों को भी चेतावनी जारी की है, जिसमें उन्हें सलाह दी गई है कि वे कानून प्रवर्तन की गतिविधियों में वृद्धि की अपेक्षा करें, जबकि अधिकारी अपराध से जुड़ी परिस्थितियों की जांच जारी रखेंगे। कनाडा स्थित दूतावास ने जनता को आश्वासन दिया कि वह इस कठिन समय में पीड़ित परिवार को सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहा है। चाकू घोंपने के पीछे का मकसद अभी भी स्पष्ट नहीं है और जांच जारी है। दूतावास ने स्थानीय अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखने का वादा किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि परिवार को उनकी ज़रूरत के मुताबिक सहायता मिले और मामले से जुड़ी आगे की कार्रवाई में मदद मिले।

पीएम मोदी के साथ अत्यंत फलदायी और सकारात्मक बैठक हुई - के पी शर्मा ओली

बैंकॉक। नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने कहा कि छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अत्यंत फलदायक और सकारात्मक चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ओली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ÷मैंने अपने प्रिय मित्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से एक सौहार्दपूर्ण बैठक की। हमारी बातचीत बेहद फलदायक और सकारात्मक रही। भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति के तहत नेपाल को एक प्रमुख साझीदार माना जाता है और शुक्रवार की बैठक दोनों देशों के बीच उच्च-स्तरीय संपर्कों की परंपरा को जारी रखते हुए, दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, बैंकॉक में प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली से एक सफल बैठक हुई।

भारत नेपाल के साथ अपने रिश्तों को बहुत प्राथमिकता देता है। हमने भारत-नेपाल दोस्ती के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की, विशेष रूप से ऊर्जा, कनेक्टिविटी, संस्कृति और डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में। हम इस साल के बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के कुछ प्रमुख सकारात्मक परिणामों पर भी चर्चा की, खासकर आपदा प्रबंधन और समुद्री परिवहन के क्षेत्रों में। भारत और नेपाल के बीच फिजिकल और डिजिटल कनेक्टिविटी, लोगों के बीच रिश्तों और ऊर्जा के क्षेत्र में हुई प्रगति से दोनों नेता संतुष्ट थे। दोनों नेताओं की यह मुलाकात पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा की 79वीं बैठक के दौरान न्यूयॉर्क में भी हुई थी। नेपाल के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने बैठक से पहले कहा था कि वे उम्मीद करते हैं कि यह बैठक प्रधानमंत्री ओली की भारत यात्रा का मार्ग प्रशस्त करेगी, जो लंबे समय से लंबित है। भारत और नेपाल के बीच प्राचीन सभ्यता और सांस्कृतिक संबंध हैं, जो दोनों देशों के बीच मजबूत लोगों-से-लोगों के संबंधों के रूप में प्रदर्शित होते हैं। भारत नेपाल का सबसे बड़ा विकासात्मक दाता भी है, और नेपाल के तेजी से विकास के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

गाजा में और 2,80,000 लोग हुए विस्थापित : संयुक्त राष्ट्र

एजेंसी
संयुक्त राष्ट्र। गाजा में दो सप्ताह पहले युद्ध बढ़ने के बाद से लगभग 280,000 गाजावासी और विस्थापित हुए। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायताकर्ताओं के अनुसार, इनमें से कुछ को भीड़भाड़ वाले, शेल्टर में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। द यूएन ऑफिस फॉर द कॉर्डिनेशन अफेयर्स (ओसीएचए) के मुताबिक, इजरायली की तरफ से और अधिक विस्थापन आदेश जारी किए गए हैं, जिससे लोगों को सुरक्षा की तलाश में फिर से पलायन करने को मजबूर होना पड़ा है। ओसीएचए के मुताबिक, लोग आश्रय गृहों में भी शरण लेने को मजबूर हैं, जहां पहले से ही लोगों की भीड़ है। इस वजह से लोगों में विभिन्न प्रकार के संक्रमण और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी देखने को मिल रही हैं। विभाग के मुताबिक, नाकेबंदी की वजह से समस्याओं का समाधान तलाशने में दिक्कत हो रही है, क्योंकि गाजा में स्वच्छता के लिए मौजूदा समय में कोई पर्याप्त साधान नहीं है। ओसीएचए ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और उसके मानवीय साझेदार परिस्थितियों के अनुसार आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए काम करना जारी रखेंगे।

सभी मानवीय सहायता और जरूरी सामानों के प्रवेश पर महीने भर की नाकेबंदी के कारण आबादी बुनियादी ज़रूरतों से वंचित है। गाजा के अंदर खाद्य सहायता तेजी से खत्म हो रही है। हालांकि, कार्यालय ने कहा कि खाद्य सुरक्षा साझेदार अब तक प्रतिदिन 9,00,000 से अधिक होट मील वितरित करने में सक्षम रहे हैं। गाजा में प्रवेश करने वाले माल और मानवीय सहायता के लिए क्रॉसिंग को तुरंत दोबारा खोलने का आग्रह किया।

भूकंप के तेज झटकों से दहला पापुआ न्यू गिनी, रिक्टर पैमाने पर तीव्रता 6.9 दर्ज

पोर्ट मोरेस्बी। पापुआ न्यू गिनी के न्यू ब्रिटेन क्षेत्र में शनिवार तड़के रिक्टर पैमाने पर 6.9 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी द्वारा एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किए गए एक पोस्ट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार भूकंप 5 अप्रैल, 2025 को महसूस किया गया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र वेस्ट न्यू ब्रिटेन प्रांत की राजधानी किम्बे से 194 किमी दक्षिण-पूर्व में था। भूकंप का केंद्र 6.23 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 151.64 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था, जिसकी गहराई 10 किलोमीटर थी। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि भूकंप का केंद्र 65 किमी (40 मील) की गहराई पर था। भूकंप का केंद्र पापुआ न्यू गिनी के न्यू ब्रिटेन क्षेत्र में था, जो प्रशांत रिंग

ऑफ फायर क्षेत्र में होने के कारण भूकंपीय गतिविधि के लिए जाना जाता है। भूकंप के कारण अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र ने प्रशांत द्वीप राष्ट्र के लिए सुनामी चेतावनी जारी की, जिसमें कहा गया, ÷कुछ तटों पर खतरनाक सुनामी लहरों का पूर्वानुमान है। प्रशांत महासागर के चारों ओर एक विशाल क्षेत्र को ÷रिंग ऑफ फायर÷ कहा जाता है। यह क्षेत्र लगभग 40,000 किलोमीटर लंबा है और इससे कई देशों की सीमाएं लगती हैं, जैसे जापान, इंडोनेशिया, फिलीपींस, न्यूजीलैंड, चिली, पेरू, और संयुक्त राज्य अमेरिका का वेस्ट कोस्ट। इसे ÷रिंग ऑफ फायर÷ इसलिए कहा जाता है क्योंकि यहां दुनिया का सबसे अधिक सक्रिय ज्वालामुखी और भूकंप क्षेत्र मौजूद है। राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन (एनओएए) और राष्ट्रीय मौसम सेवा ने सुनामी की धमकी जारी की। यूएसजीएस के अनुसार, लगभग 30 मिनट बाद लगभग उसी स्थान पर 5.3 तीव्रता का एक छोटा भूकंप आया। नुकसान या हताहतों के बारे में तत्काल कोई विवरण नहीं मिला। अधिकारी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं, और प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों को किसी भी झटके के लिए सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। जैसे-जैसे अधिक जानकारी उपलब्ध होगी, आगे के अपडेट की उम्मीद है।

थाईलैंड में पीएम मोदी ने भूटान के प्रधानमंत्री तोबगे से की मुलाकात

एजेंसी
बैंकॉक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने थाईलैंड के बैंकॉक में छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से मुलाकात की और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

इस अवसर पर पीएम मोदी ने भूटान के साथ सहयोग बढ़ाने के भारत के संकल्प को दोहराया और दोनों देशों के बीच दोस्ती और साझेदारी की स्थिरता को रेखांकित किया। पीएम मोदी ने अपनी मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मेरे अच्छे मित्र पीएम तोबगे के साथ शानदार बातचीत हुई। भारत-भूटान दोस्ती मजबूत है और हम कई क्षेत्रों में साथ मिलकर काम कर रहे हैं। तोबगे ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, ÷अपने बड़े भाई और मार्गदर्शक पीएम नरेंद्र मोदी जी से मिलकर हमेशा खुशी होती है। हमने बिम्सटेक, क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने और भूटान-भारत दोस्ती को मजबूत करने पर चर्चा की। इससे

पहले, दोनों नेता इसी साल फरवरी में भी मिले थे, जब तोबगे नई दिल्ली आए थे और स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (एसओयूएल) के पहले शिखर सम्मेलन में भाग लिया था। उस दौरान पीएम मोदी ने भारत-भूटान के बीच ऐतिहासिक और अनूठे संबंधों को और गहरा करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी। भारत और भूटान के संबंध विश्वास, सद्भावना और आपसी समझ पर आधारित मित्रता और सहयोग के अद्वितीय उदाहरण हैं। भूटान के प्रधानमंत्री की यह यात्रा भारत-भूटान के नियमित उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा का हिस्सा है, जो इस विशेष साझेदारी की विशेषता है। पिछले साल पीएम मोदी ने भूटान का दौरा किया था, जहां दोनों देशों के बीच गहरे मैत्रिपूर्ण संबंधों और सहयोग पर प्रकाश डाला गया। इस यात्रा के दौरान भारत और भूटान - प्रगति और विकास के लिए साथ शीर्षक से संयुक्त बयान जारी किया गया, जिसमें दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और भौगोलिक समानताएं तथा मजबूत आर्थिक और वित्तीय संबंधों को रेखांकित किया गया था।

पीटीआई नेताओं ने जेल में इमरान खान से मिलने की इजाजत नहीं देने पर जताई नाराजगी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं ने अदियाला जेल (रावलपिंडी सेंट्रल जेल) में इमरान खान से मिलने की इजाजत नहीं देने पर अधिकारियों की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें एक बार फिर जेल अधिकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से मिलने से रोक दिया, जो सरासर अदालत के आदेशों का उल्लंघन है। गुरुवार को अदियाला जेल पहुंचे नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब, सीनेटर शिबली फराज़, आलिया हमजा, नियाजुल्लाह नियाजी को बिना मुलाकात के ही लौटना पड़ा।

श्रीलंका के मंत्रियों, भारतीय प्रवासियों ने भारी बारिश के बीच कोलंबो में पीएम मोदी का किया भव्य स्वागत

एजेंसी
कोलंबो। सैकड़ों स्थानीय लोगों और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों ने भारी बारिश के बावजूद शनिवार देर शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोलंबो में भव्य स्वागत किया। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के निमंत्रण पर पीएम मोदी बैंकॉक से राजकीय यात्रा पर यहां पहुंचे हैं। श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ, स्वास्थ्य मंत्री नलिंदा जयतिसा, श्रम मंत्री अनिल जयंता, मत्स्य पालन मंत्री रामलिंगम चंद्रशेखर, महिला एवं बाल मामलों की मंत्री सरोजा सावित्री पॉलराज और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री क्रिशांथा अबेसेना सहित दिसानायके मंत्रिमंडल के शीर्ष मंत्रियों ने कोलंबो के भंडारनायके अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। इस दौरान श्रीलंका की राजधानी में भारी बारिश के बीच लोग हवाई अड्डे के बाहर और होटल में पीएम मोदी की एक झलक के लिए इंतजार करते रहे। प्रधानमंत्री मोदी बैंकॉक में बंगाल की खाड़ी बहुक्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद सीधे द्वीपीय देश की यात्रा पर पहुंचे हैं। वह 6 अप्रैल को स्वदेश लौटेंगे। कोलंबो पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, कोलंबो पहुंच गया हूं। हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने वाले मंत्रियों और गणमान्य व्यक्तियों का आभारी हूं। श्रीलंका में होने वाले कार्यक्रमों की प्रतीक्षा कर रहा हूं। कोलंबो ने कहा है कि पिछले साल दिसंबर में दिसानायके की भारत की राजकीय यात्रा श्रीलंका के राष्ट्रपति के रूप में उनकी पहली विदेश यात्रा द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण क्षण थी। दोनों पड़ोसियों के बीच मजबूत कूटनीतिक संबंधों को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। पीएम मोदी श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके के पदभार संभालने के बाद उनके आतिथ्य में आने वाले पहले विदेशी नेता होंगे। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान भारत और श्रीलंका के बीच रक्षा सहयोग पर समझौता होने की भी उम्मीद है। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री श्रीलंका के राष्ट्रपति के साथ चर्चा करेंगे और श्रीलंका के राष्ट्रपति की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान अपनाए गए साझा भविष्य के लिए साझेदारी को बढ़ावा देने के संयुक्त दृष्टिकोण में सहमत सहयोग के क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे।प्रधानमंत्री वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों और राजनीतिक नेताओं के साथ भी बैठक करेंगे। दोनों नेताओं के बीच ऊर्जा संपर्क, डिजिटलीकरण, रक्षा, स्वास्थ्य और बहुक्षेत्रीय अनुदान सहायता से संबंधित कई समझौतों का आदान-प्रदान भी होगा। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को भारतीय वित्तीय सहायता से क्रियान्वित विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के लिए दिसानायके के साथ अनुराधापुरा की यात्रा करने से पहले देश के अन्य राजनीतिक नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। अनुराधापुरा में दोनों नेता ऐतिहासिक जया श्री महाबोधि मंदिर परिसर में श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने 2015 में श्रीलंका की अपनी यात्रा के दौरान इस मंदिर का दौरा भी किया था, जिसका भारत-श्रीलंका सभ्यतागत साझेदारी में विशेष महत्व है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसके बाद 2019 में फिर से श्रीलंका का दौरा किया। अपनी चर्चाओं के दौरान दोनों नेता मछुआरों से संबंधित सभी मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे, जिसमें भारतीय मछुआरों और मछली पकड़ने वाली नौकाओं की शीघ्र रिहाई और प्रत्यावर्तन भी शामिल है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अंतर-संसदीय संघ की 150वीं सभा में शिष्टमंडल का नेतृत्व करेंगे लोक सभा अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला 5 से 9 अप्रैल तक ताशकंद में आयोजित हो रही अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की 150वीं सभा में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व करेंगे । भारतीय संसदीय शिष्टमंडल में राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश, संसद सदस्य भर्तृहरि महताब, अनुराग सिंह ठाकुर, विष्णु दयाल राम, अपराजिता सारंगी, डॉ. सस्मित पात्रा, अशोक कुमार मित्तल, किरण चौधरी, लता वानखेड़े, बिजुली कलिता मेधी तथा लोक सभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह और राज्य सभा के महासचिव पीसी मोदी शामिल हैं । बिरला 'सामाजिक विकास और न्याय हेतु संसदीय कार्रवाई' विषय पर आम चर्चा के दौरान सभा को संबोधित करेंगे। भारतीय संसदीय शिष्टमंडल के सदस्य शासी परिषद, कार्यकारी समिति, स्थायी समितियों सहित आईपीयू के विभिन्न निकायों की बैठकों तथा सभा के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न विषयगत पैनल चर्चाओं में भी भाग लेंगे। सभा में भाग लेने के साथ ही बिरला अन्य संसदों के समकक्ष पीठासीन अधिकारियों के साथ परस्पर हित के मामलों पर विचार साझा करेंगे। ताशकंद यात्रा के दौरान बिरला उज्बेकिस्तान में भारतीय समुदाय के लोगों और भारतीय छात्रों के साथ भी बातचीत करेंगे।

गृहमंत्री अमित शाह ने वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 मंजूर करने के कैबिनेट के फैसले को सराहा

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 को मंजूरी दिए जाने का स्वागत किया। उन्होंने इस ऐतिहासिक पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक आभार व्यक्त किया। शाह ने एक्स पोस्ट में कहा कि वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम हमारे सीमावर्ती गांवों को विकास और प्रगति के मुख्य केन्द्र के रूप में बदलने का एक गेम-चेंजिंग माध्यम रहा है। इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए मोदी सरकार ने आज 6,839 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 को मंजूरी दी है। यह प्रोग्राम अंतरराष्ट्रीय भूमि सीमाओं के पास बसे गांवों को स्थायी आजीविका, उच्च जीवन स्तर और अधिक पुख्ता सुरक्षा की पर्याप्त सुविधाओं के साथ व्यापक विकास मॉडल में बदल देगा।

राज्यसभा में दो सदस्यों को दी गई विदाई

नई दिल्ली। राज्यसभा में दो सदस्यों को विदाई दी गई। राज्यसभा में बजट सत्र के आखिरी दिन दो सदस्यों वीरेंद्र प्रसाद वैश्य तथा मिशन रंजन दास को विदाई दी गई। इनका कार्यकाल जून में समाप्त होने जा रहा है। सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया कि वीरेंद्र प्रसाद वैश्य तथा मिशन रंजन दास उच्च सदन में असम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और जून 2025 में दोनों का कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है।

राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे सहित अन्य कांग्रेसी नेताओं ने बाबू जगजीवन राम को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को बाबू जगजीवन राम की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। देश में 5 अप्रैल को बाबू जगजीवन राम की जयंती को समता दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। यह दिन वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी, समाजवादी प्रतीक और सामाजिक न्याय के प्रणेता के जीवन और योगदान को याद दिलाता है। इस अवसर पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की समाधि पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, बाबू जगजीवन राम जी को उनकी जयंती पर सादर श्रद्धांजलि। बाबू जी ने अपना पूरा जीवन वंचितों, शोषितों और दलितों के अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने उनके अधिकारों और भागीदारी को मजबूत करके देश के लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत किया। उन्होंने कहा, ÷उनके विचार और संघर्ष हमें सदैव प्रेरित करते रहेंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने समता दिवस पर महान स्वतंत्रता सेनानी, सामाजिक न्याय के प्रणेता एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम जी को उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

खड़गे ने आगे कहा, समानता के महान नायक बाबू जी ने न्याय के लिए और समाज के कमजोर, उत्पीड़ित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए निस्वार्थ भाव से लड़ाई लड़ी और संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में अविस्मरणीय योगदान दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, बाबू जगजीवन राम जी एक महान व्यक्तित्व थे, जिन्होंने शोषित वर्गों के अधिकारों और जातिगत भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में पांच दशक समर्पित कर दिए। सामाजिक न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पूर्ण थी। एक स्वतंत्रता सेनानी और एक कुशल प्रशासक के रूप में उन्होंने 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दूसरे पोस्ट में उन्होंने लिखा, समता दिवस पर महान स्वतंत्रता सेनानी, सामाजिक न्याय के पुरोधा व पूर्व उपप्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम जी की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि।

रेखा गुप्ता का दिल्ली विवि में अभिनंदन

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के वाइस रीगल लॉज में स्थित कन्वेंशन हॉल में अभिनंदन किया गया। विद्यार्थी जीवन की यादों को ताजा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें लीडर बनाने वाला डीयू के नॉर्थ कैंपस में ही स्थित दौलत राम कॉलेज है। उन्होंने कहा कि कभी सोचा नहीं था कि जिस वीसी ऑफिस पर धरना देते थे, उसमें सम्मान और मंच से संबोधन का मौका मिलेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने लीडर बनने की कहानी बताते हुए कहा कि जब वह 1993 में दौलत राम कॉलेज में प्रथम वर्ष में आईं तो पूरे साल कॉलेज में हड़ताल चलती रही। इसी कारण उनका डूसू प्रतिनिधियों से संपर्क बढ़ा और फिर एबीवीपी के संपर्क में आईं और फ़ाइनल इयर में डूसू अध्यक्ष बनीं। उन्होंने बताया कि एक स्कूटी पर चलकर उन्होंने डीयू व कॉलेजों और दिल्ली में राजनीतिक कार्यक्रम किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तब उन्होंने सोचा भी नहीं था कि दिल्ली की जिन सड़कों पर घूम रही हूं, इन सड़कों को कभी ठीक करवाने की जिम्मेदारी उनकी ही होगी। कभी यह नहीं सोचा था कि जिस वीसी ऑफिस पर धरना देते थे, कभी उसमें सम्मान मिलेगा और वहां के मंच से बोलना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि डीयू की पूर्व स्टूडेंट होने के नाते जो फर्ज है, उसे पूरी जिम्मेवारी से निभाऊंगी। डीयू का कोई भी काम हो वो दिल्ली सरकार की वजह से रुकने वाला नहीं है।

रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में पर्यटन स्थलों के साथ ही एजुकेशनल टूरिजम भी बढ़े, इस पर काम होगा। मुख्यमंत्री ने डीयू की गलियों से जुड़ी यादों को ताजा करते हुए दौलत राम कॉलेज के सामने वाली दीवार, भेलपूरी और लैमन सोडे को भी याद किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का अभिनंदन करते हुए कहा कि अपने बच्चों की तरक्की से जैसे अभिभावक और शिक्षक खुश होते हैं वैसे ही यूनिवर्सिटी और कॉलेज भी खुश होते हैं। डीयू की पूर्व विद्यार्थी रेखा गुप्ता का दिल्ली की मुख्यमंत्री बनना हम सबके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि डीयू को आप पर गर्व है। आपने डीयू को एक छात्रा के रूप में देखा, डूसू अध्यक्ष के रूप में देखा, एक निगम पार्षद के रूप में देखा और अब एक मुख्यमंत्री के रूप में देखने की बारी है।

जूनोटिक संक्रमण के जोखिमों को कम करने के लिए शुरू होगा वैज्ञानिक अध्ययन

एजेंसी

नई दिल्ली । पशुओं से मानव में होने वाली बीमारियां यानि जूनोटिक संक्रमण के जोखिमों को कम करने के लिए एक अग्रणी अंतर-मंत्रालयी वैज्ञानिक अध्ययन शुरू होने जा रहा है। इस व्यापक शोध का उद्देश्य पक्षी अभयारण्य के कर्मचारियों और आस-पास के निवासियों में जूनोटिक रोगों का पता लगाना है। इसके साथ उनका निदान करने के लिए वास्तविक समय निगरानी मॉडल विकसित करना है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के मुख्यालय में वन हेल्थ दृष्टिकोण का उपयोग करके पक्षी-मानव संपर्क से जूनोटिक संक्रमण का पता लगाने के लिए एक निगरानी मॉडल का निर्माण-स्टडी एट सिलेक्टिड बर्ड सेंचुरिज एंड वेटलैंड्स शीर्षक से अध्ययन शुरू करने की घोषणा की गई। यह अनूठा अध्ययन सिक्किम, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में चुनिंदा पक्षी अभयारण्यों और आर्द्रभूमि में किया जाएगा। इस अवसर पर भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने कहा कि जिस तरह समय पर और सटीक कार्रवाई के लिए एक मजबूत रडार प्रणाली आवश्यक है, उसी तरह उभरते स्वास्थ्य खतरों का शीघ्र पता लगाने और रोकथाम के लिए मजबूत निगरानी प्रणाली महत्वपूर्ण है। इस निगरानी रडार को मजबूत करने के लिए अनुसंधान को आगे बढ़ाने में वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। नेशनल वन हेल?थ मिशन (एनओएचएम) सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिमों का अनुमान लगाने और उन्हें कम करने के लिए विश्व के अत्याधुनिक विज्ञान का लाभ उठाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

बंदरगाहों की क्षमता 2047 तक चार गुनी बढ़ाकर 10,000 एमटीपीए करने का लक्ष्य

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने देश की बंदरगाह क्षमता को मौजूदा 2,600 एमटीपीए (मीट्रिक टन प्रति वर्ष) से बढ़ाकर 2047 तक 10,000 एमटीपीए करने का लक्ष्य रखा है। सरकार की इस रणनीतिक पहल का उद्देश्य भारत को एक अग्रणी समुद्री शक्ति के रूप में स्थापित करना है। यह जानकारी केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में दी। इसमें बताया गया कि गहरे जल वाले बंदरगाहों के साथ नए बंदरगाहों का विकास करना, मौजूदा बंदरगाहों की गहराई को बढ़ाना, बंदरगाह क्लस्टर और ट्रांसशिपमेंट हब स्थापित करना, स्वचालित बंदरगाहों का विकास करना, निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाना और नीति समर्थन को बढ़ाना इस रणनीति की कुंजी है। केंद्र सरकार ने भारत की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाने के लिए कई विधायी सुधार पेश किए हैं। इनमें प्रमुख बंदरगाह प्राधिकरण अधिनियम, 2021, नौवहन के लिए समुद्री सहायता अधिनियम, 2021, अंतर्देशीय पोत अधिनियम, 2021, तटीय व्यापार नियमों (कैबोटेज) में ढील, 2018, जहाजों का पुनर्चक्रण अधिनियम, 2019, राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016, बंदरगाह पर निर्भर उद्योगों को जलक्षेत्र और संबद्ध भूमि देने की नीति (कैप्टिव नीति), 2016 और प्रमुख बंदरगाहों पर संकटग्रस्त सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजनाओं से निपटने के लिए दिशानिर्देश शामिल हैं। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम (जीटीटीपी) शुरू किया है। इसका उद्देश्य पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ टगबोट संचालन को अपनाने को प्रोत्साहित कर कार्बन उत्सर्जन और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना है। इसके अतिरिक्त, सरकार ने प्रमुख बंदरगाहों के लिए हरित सागर दिशा-निर्देश और अंतर्देशीय जहाजों के लिए हरित नौका दिशा-निर्देश शुरू किए हैं, जिनका उद्देश्य हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाने को बढ़ावा देना है।

देश में एक विश्व स्तरीय उड़ान प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की तत्काल आवश्यकताः डॉ. जितेन्द्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि भारत में तेजी से बढ़ते भारतीय वायु परिवहन क्षेत्र की मांग को पूरा करने के लिए एक बड़े और विश्व स्तरीय उड़ान प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास की आवश्यकता है। इस दिशा में वैज्ञानिक तथा एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद(सीएसआईआर)के स्वदेशी हंसा-3 (एनजी) विमान की उपलब्धता भारत के वायु परिवहन उद्योग को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत इस दशक के अंत तक एक प्रमुख वायु परिवहन केंद्र के रूप में विकसित होगा। डॉ जितेन्द्र सिंह राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित एक समारोह में सीएसआईआर द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित हंसा-3(एनजी) प्रशिक्षण विमान की प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की औपचारिकता पूरा करने के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने स्टार्टअप्स और एमएसएमई के लिए बड़े अवसर का संकेत देते हुए कहा कि वायु परिवहन प्रौद्योगिकियों के स्वदेशीकरण के माध्यम से इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण रोजगार सृजन क्षमता है। उन्होंने ÷आत्मनिर्भर भारत÷ पहल के तहत स्वदेशी छोटे विमानों के निर्माण पर जोर दिया, जो अवसंरचना के विकास और भारत में विमानों के निर्माण में छोटे और मध्यम आकार के निजी उद्यमियों को बढ़ावा देगा। डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्वदेशी हंसा के सफल प्रदर्शन और व्यावसायीकरण के लिए सीएसआईआर के वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की। केन्द्रीय राज्य मंत्री डॉ. सिंह ने कहा कि निजी क्षेत्र के साथ सहयोग करके अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भी सफलता हासिल की जाएगी।

भारत को अगले 15-20 वर्षों में 30,000 पायलटों की आवश्यकता होगी, जो वर्तमान 6,000-7,000 पायलटों से अधिक है। भारत का वाणिज्यिक विमानन बेड़ा 800 से अधिक है। सामान्यत÷ प्रत्येक विमान के लिए संकीर्ण शरीर वाले विमानों के लिए 15-20 पायलट और लंबी दूरी के चौड़े शरीर वाले जेट के लिए 25-30 पायलटों की आवश्यकता होती है। इसलिए, देश में एक विश्व स्तरीय उड़ान प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की तत्काल आवश्यकता है।

संसद के बजट सत्र का अवसान, वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 बड़ी उपलब्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र-2025 अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। पहले यह सत्र 31 जनवरी को शुरू हुआ और 13 फरवरी को मध्यावकाश के लिए स्थगित किया गया और बाद में 10 मार्च को दोनों सदन पुनः समवेत हुए। पहले सत्र के पहले भाग के दौरान लोकसभा और राज्यसभा की कुल 9 बैठकें हुई और दूसरे भाग के दौरान दोनों सदनों की 17 बैठकें हुईं। इस तरह पूरे बजट सत्र के दौरान कुल 26 बैठकें हुईं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आज यहां पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 31 जनवरी को राष्ट्रपति ने दोनों सदनों की समवेत बैठक को संबोधित किया था। इस मद पर लोकसभा में 12 घंटे के आवंटित समय के मुकाबले 17 घंटे 23 मिनट चर्चा हुई, जिसमें 173 सदस्यों ने भाग लिया। राज्यसभा में 15 घंटे के आवंटित समय के मुकाबले 21 घंटे 46 मिनट तक चर्चा हुई, जिसमें 73 सदस्यों ने भाग लिया। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट 01 फरवरी को पेश किया गया। सत्र के पहले हिस्से में दोनों सदनों में बजट पर सामान्य चर्चा हुई। लोकसभा में 16 घंटे 13 मिनट चर्चा हुई, जिसमें 169 सदस्यों ने हिस्सा लिया तथा

राज्यसभा में 17 घंटे 56 मिनट चर्चा हुई, जिसमें 89 सदस्यों ने हिस्सा लिया। सत्र के दूसरे भाग में रेल, जलशक्ति और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालयों की अनुदान मांगों पर चर्चा और मतदान किया गया। विनियोग विधेयक भी 21 मार्च को ही लोकसभा में पारित किया गया। 2024-25 के लिए अनुपूरक अनुदान मांगों के अंतिम बैच, 2021-22 के लिए अतिरिक्त अनुदान मांगों और मणिपुर राज्य के संबंध में 2024-25 के लिए अनुपूरक अनुदान मांगों तथा 2025-26 के लिए लेखानुदान मांगों संबन्धी विनियोग विधेयकों को भी लोकसभा में पारित किया गया। वित्त विधेयक 2025 भी लोकसभा द्वारा 25 मार्च को पारित किया गया। राज्यसभा में शिक्षा, रेल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा की गई। सदन ने 2024-25 के लिए अनुपूरक अनुदान मांगों के दूसरे और अंतिम बैच 2021-22 के लिए अतिरिक्त अनुदान मांगों और मणिपुर राज्य के संबन्ध में 2024-25 के लिए अनुपूरक अनुदान मांगों तथा वर्ष 2025-26 के लिए लेखानुदान मांगों से संबन्धित विनियोग विधेयकों को 18 मार्च को लौटा दिया। 2025-26 के लिए केंद्र की अनुदान मांगों संबन्धी विनियोग विधेयक और वित्त विधेयक 2025 को भी राज्यसभा ने 27 मार्च को लौटा दिया। इस तरह दोनों सदनों में वित्तीय कार्य 31 मार्च से पहले पूरा कर लिया गया। मणिपुर के सम्बन्ध में 13 फरवरी को लगाए गए राष्ट्रपति शासन अनुच्छेद 356 (1) की उद्घोषणा का अनुमोदन करने वाले सांविधिक संकल्प को भी दोनों सदनों ने 3 और 4 अप्रैल को स्वीकृत कर दिया। वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 को भी दोनों सदनों से पारित किया गया तथा मुसलमान वक्फ अधिनियम 1923 को भी निरस्त किया गया।

अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे गांवों के विकास के लिए वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम -II को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने सीमाओं पर बसे गांवों के विकास के लिए वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम -ढ्ढ को मंजूरी दी है। इसमें 6,839 करोड़ रुपये का कुल परिव्यय आयेगा, जिसे

शत-प्रतिशत केंद्र सरकार वहन करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इसे मंजूरी प्रदान की गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे ब्लॉक स्थित गांवों के व्यापक विकास को सुनिश्चित करेगा। इसे अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के चुनिंदा रणनीतिक गांवों में लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य इन गांवों में बेहतर जीवन स्थितियां और पर्याप्त जीवन-यापन के अवसर पैदा करना, उचित और आरामदायक सीमा सुनिश्चित करना, सीमापार अपराध को नियंत्रितत करना, सीमा पर रहने वाले लोगों को राष्ट्र के साथ जोड़ना और उन्हें सीमा सुरक्षा बल की आंख और कान के रूप में इस्तेमाल करना शामिल है।

कांग्रेस ने डॉ. मनमोहन सिंह फेलोशिप कार्यक्रम शुरू किया

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के नाम पर कांग्रेस ने आज फेलोशिप कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके तहत हर साल 50 मिड-करियर पेशेवरों को चुना जाएगा, जिनका मार्गदर्शन पेशेवर पृष्ठभूमि वाले पार्टी के वरिष्ठ नेता करेंगे। इसका उद्देश्य एक आधुनिक और प्रगतिशील भारत का निर्माण करना है।प्रोफेशनल्स कांग्रेस के अध्यक्ष एवं डेटा एनालिटिक्स प्रवीण चक्रवर्ती ने कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि डॉ मनमोहन सिंह फेलोज कार्यक्रम के तहत हर साल देशभर से 50 मिड-करियर पेशेवरों की पहचान की जाएगी और उनका चयन किया जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एससी विभाग के राष्ट्रीय समन्वयक के. राजू और एआईसीसी मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा भी मौजूद रहे। चक्रवर्ती ने कहा कि हम यह भी जानते हैं कि गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि और परिवारों से आने वाले लोगों के लिए राजनीति और राजनीतिक पार्टी की संस्कृति में बदलाव करना कितना मुश्किल हो सकता है। पेशेवर होने के नाते मुझे यकीन है कि राजू मुझसे सहमत होंगे, इसलिए हम अपने अनुभवों और सीख का उपयोग डॉ. मनमोहन सिंह

फेलो के इस नए समूह के लिए राजनीति और सार्वजनिक जीवन में बदलाव को आसान बनाने के लिए करेंगे। चुने गए फेलो को गहन और निरंतर प्रशिक्षण दिया जाएगा और वरिष्ठ नेताओं के निरंतर मार्गदर्शन में कांग्रेस के भीतर वास्तविक समय के असाइनमेंट और प्रोजेक्ट दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील राजनीति के लिए पूर्ण विश्वास के साथ राजनीति में प्रवेश करने की एक पूर्णकालिक प्रतिबद्धता है। यह प्रवेश स्तर का न तो इंटर्नशिप कार्यक्रम है, न ही यह केवल इसके अंत में एक प्रमाण पत्र के साथ समयबद्ध है। यह सार्वजनिक सेवा के लिए गंभीर इरादे वाले गंभीर लोगों के लिए एक गंभीर कार्यक्रम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह पूर्व प्रधानमंत्री की विरासत के लिए एक उपयुक्त श्रद्धांजलि होगी।

माफिया मुक्त हुआ वक्फ, मुसलमानों को मिली नई आजादी : मुस्लिम राष्ट्रीय मंच

एजेंसी

नई दिल्ली । मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) ने वक्फ संशोधन विधेयक के संसद के दोनों सदनों से पारित होने पर खुशी जाहिर की है और इसे एक ऐतिहासिक कदम करार दिया है। मंच ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, विधेयक की समीक्षा करने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के चेयरमैन जगदंबिका पाल और अपने हजारों कार्यकर्ताओं के प्रयासों की प्रशंसा की है।

मंच के राष्ट्रीय संयोजक और राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शाहिद सईद ने मुस्लिम समाज से अपील की है कि वे इस ऐतिहासिक क्षण को हर्ष और उल्लास से मनाएं। यह कानून किसी मजहब या पंथ के खिलाफ नहीं है, बल्कि पारदर्शिता, न्याय और विकास का प्रतीक है। यह यतीमों, विधवाओं, गरीबों और जरूरतमंदों को उनका अधिकार दिलाने वाला कानून है। मंच ने देशवासियों से अपील की है कि देश को तोड़ने, लड़ाने, भड़काने और बहकाने वाली विकृत मानसिकता वाले दलों और संगठनों से सचेत रहें। मंच ने कहा है कि भारत को अंग्रेजों से आजादी 1947 में मिली, लेकिन वक्फ को माफियाओं और भूमि जेहादियों से आजादी आज मिली है। इस दिन और प्रधानमंत्री का नाम स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाना चाहिए। मंच ने कहा है कि यह कानून मुस्लिम समाज को कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल जैसी तथाकथित मुस्लिम हितैषी पार्टियों की सियासी गुलामी से भी मुक्त करता है। मंच ने कहा कि अब समय आ गया है कि मुसलमान डर, भ्रम और कट्टरता से बाहर निकलें और विकास के साथ आगे बढ़ें। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने बताया कि इस विधेयक के समर्थन में मंच के हजारों कार्यकर्ताओं ने देश के कोने-कोने में जाकर 5000 से ज्यादा जनसभाएं, संवाद, गोष्ठियां, लेख अभियान और टीवी डिबेट आयोजित कीं, जिससे समाज में जागरूकता फैली।

बजट सत्रः कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया सदन नहीं चलने देने का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। बजट सत्र के दौरान लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने को लेकर कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने कुछ हालिया घटनाओं का जिक्र करते हुए भाजपा पर लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों को तोड़ने का आरोप लगाया है। पार्टी सांसद एवं राज्यसभा में उपनेता विपक्ष प्रमोद तिवारी ने आज कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लोकसभा और राज्यसभा में बजट सत्र का दूसरा भाग खत्म हुआ है। आज हम इंजतार कर रहे थे कि लोकसभा में अध्यक्ष और राज्यसभा में चेयरमैन सदन को शुरू करें लेकिन इससे पहले ही भाजपा सदस्यों ने सत्ता पक्ष में होते हुए सदन में हंगामा शुरू कर दिया। इस तरह भाजपा लोकतंत्र का बेसिक प्रिंसिपल तोड़ रही है तिवारी ने एक समय पर प्रधानमंत्री के थाइलैंड और गृहमंत्री के छत्तीसगढ़ के दौरे पर जाने पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मणिपुर में पिछले दो साल से हिंसा हो रही है, जब मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने जा रहे हैं तो इस पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए। राज्यसभा में मणिपुर पर चर्चा के

लिए तीन घंटे निर्धारित थे, लेकिन सिर्फ 50 मिनट में ही चर्चा को खत्म कर दिया गया। ऐसे में आप सभी अंदाजा लगा लीजिए कि मणिपुर पर क्या चर्चा हुई होगी। उन्होंने कहा कि यह एक परंपरा है कि लोकसभा में राज्यसभा के सदस्यों का जिक्र नहीं होता है। कोई इल्जाम नहीं लगाया जाता है, क्योंकि वो खुद के बचाव के लिए वहां उपस्थित नहीं होते हैं। इस परंपरा की अनदेखी करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे पर आधारहीन आरोप लोकसभा में लगाए गए। उसका हमारे सदस्यों ने विरोध किया तो उसे कार्यवाही से निकालना पड़ा। राज्यसभा में खरगे ने इस बात को चुनौती दी, तो सभी ने गलत माना। भाजपा अगर परंपरा नहीं निभा सकती, तो कम से कम नियम तो फॉलो करे। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने कहा कि अमेरिका ने जो 27त्न टैरिफ भारत के एक्सपोर्ट पर लगाया है, उसे लेकर हम एडजर्नमेंट मोशन की मांग कर रहे थे। एक बार भी माइक की अनुमति नहीं मिली, हम अपनी बात रिकॉर्ड पर नहीं ला पाए। आज लोकसभा में कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी की चेयरपर्सन सोनिया गांधी का उल्लेख किया गया।

दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों की फीस वृद्धि को लेकर 'आप' ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली में सत्ता परिवर्तन के बाद प्राइवेट स्कूलों की फीस वृद्धि को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तीखा हमला बोला है। आप नेताओं का कहना है कि भाजपा सरकार बनते ही शिक्षा माफिया एक बार फिर सक्रिय हो गया है और प्राइवेट स्कूलों ने 20 से 82 प्रतिशत तक फीस बढ़ा दी है। इससे सबसे ज्यादा मार मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ी है। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार के दस सालों में प्राइवेट स्कूलों पर सख्त नियंत्रण था। किसी भी स्कूल को मनमाने तरीके से फीस बढ़ाने की इजाजत नहीं थी। जरूरत पड़ने पर ऐसे स्कूलों को नोटिस जारी कर उनके रजिस्ट्रेशन रद्द तक किए गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बनते ही प्राइवेट स्कूल माफिया को खुली छूट मिल गई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के नामी स्कूलों ने फीस में भारी इजाफा किया है। द्वारका, वसंत कुंज और रोहिणी स्थित एक प्रतिष्ठित स्कूल में 7वीं और 10वीं के उन छात्रों को क्लास में नहीं जाने दिया गया, जिनके माता-पिता ने बढ़ी हुई फीस नहीं जमा की। इन बच्चों को पूरे दिन लाइब्रेरी में बैठा कर रखा गया और टॉयलेट जाने तक के लिए अटेंडेंट साथ भेजा गया। बच्चों को शर्मिंदा किया जा रहा है, जिससे उनका मानसिक उत्पीड़न हो रहा है। उन्होंने कहा, मयूर विहार फेस-3 के सालवान पब्लिक स्कूल ने 82 प्रतिशत फीस वृद्धि की घोषणा की है। यहां बच्चों के रिजल्ट तक रोक दिए गए हैं। वहीं, प्रीतमपुरा के महाराजा अग्रसेन स्कूल और बसंत कुंज के पर्जना स्कूल ने भी भारी फीस बढ़ोतरी की है, जिसके खिलाफ अभिभावक प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन भाजपा सरकार मौन है और स्कूल प्रबंधन के साथ खड़ी नजर आ रही है।

नूंह जिले के तीन गांवों में गेहूं की फसल में लगी आग

नूंह। नूंह जिले के तीन गांवों में गेहूं की कटी हुई फसल में अज्ञात कारणों से आग लगने का मामला सामने आया है। आग लगने से किसानों का लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। आग उस समय लगी जब गेहूं की फसल को काटकर किसानों ने एक जगह इकट्ठा किया हुआ था। तीनों ही जगह सूचना पाकर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक पूरी फसल जलकर राख हो चुकी थी। किसानों की एक साल की मेहनत पर कुछ ही मिनटों में ही पानी फिर गया, जिससे किसानों ने अब सरकार से आर्थिक मदद की मांग की है। नूंह जिले के गांव घासेड़ा में जहां बुधवार को गेहूं की फसल में आग लगी थी, वहीं गांव बैंसी और जाड़ोली में आग लगने से किसानों की 2 एकड़ फसल जलकर राख हुई है। जानकारी के मुताबिक इन दिनों गेहूं की फसल की कटाई जोरों पर चल रही है। किसान अपनी फसल को काटकर सुखाने के लिए खेत में ही लगा देते है। नूंह के गांव बैंसी, जाड़ोली में अचानक गेहूं की कटी हुई पुलिया में आग लग गई। किसानों को आग लगने की सूचना जब मिली तब उनके खेतों से धुएं उठ रहे थे। आग बुझाने के लिए ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और बर्तनों में पानी भरकर आग पर काबू पाने का प्रयास करने लगे। लेकिन आग पूरे खेत में फैल चुकी थी। गांव बैंसी के रहने वाले किसान ने बताया कि उन्होंने अपनी फसल को दो दिन पहले भी काटकर एक जगह इकट्ठा किया था।

हरियाणा भाजपा सरकार की नजर अब केवल और केवल लोगों की जेब पर : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने वाली जनता को कोई राहत प्रदान करने के बजाए हरियाणा सरकार लगातार लोगों की जेब काटने में लगी हुई है, सरकार की निगाह लोगों की समस्याओं से ज्यादा उसकी जेब पर लगी हुई है कि किस बहाने से पैसा जनता की जेब से बाहर निकाला जाए। अब सरकार ने गार्बेज क्लेक्शन चार्ज (कचरा संग्रह शुल्क) वसूलने का फरमान जारी कर दिया है और इस बारे में प्रदेश की सभी नगर पालिका, नगर परिषद और नगर निगमों को पत्र लिखकर सचेत कर दिया गया है। झूठे वायदे करने वाली भाजपा की जुमलेबाज सरकारी को जनता कभी माफ नहीं करेगी। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि डेढ़ साल पहले प्रदेश सरकार ने गार्बेज क्लेक्शन चार्ज बंद कर दिया था तब जनता को लगा कि उसे राहत प्रदान की गई है पर ऐसा चुनाव को ध्यान में रखकर ही किया होगा, काम होने के बाद फिर से भाजपा अपने तेवर दिखाने लगी है। अप्रैल माह नवरात्रा में सरकार जनता को कोई अच्छी खबर देने से तो रही पहले टोल टैक्स बढ़ाकर वाहन चालकों की कमर तोड़ डाली, इस प्राइवेट वाहनों ने किराया तक बढ़ा दिया है।

मुख्य सचिव रस्तोगी ने की सीडीएस तथा एनडीए परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आगामी 13 अप्रैल को जिला फरीदाबाद और गुरुग्राम में होने वाली सीडीएस परीक्षा-1, 2025 तथा एनडीए एवं एनए-परीक्षा-1, 2025 के आयोजन सम्बन्धी तैयारियों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि इन परीक्षाओं के प्रदेश के जिला फरीदाबाद में 12 और गुरुग्राम में 27 केन्द्र बनाए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परीक्षा स्थलों, खास तौर पर एंट्री गेट, पिछले गेट और पार्किंग में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। परीक्षा स्थल के पास किसी भी प्रकार के व्यवधान या आंदोलन की अनुमति न दी जाए। संवेदनशील सामग्री लाने-ले जाने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा, प्रत्येक परीक्षा स्थल पर महिला पुलिसकर्मियों समेत कम से कम 10 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जानी चाहिए। श्री अनुराग रस्तोगी निर्देश दिए कि परीक्षाओं के लिए उम्मीदवारों तथा परीक्षा से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों को आने-जाने में किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उनके आने-जाने के लिए पर्याप्त संख्या में बसों की व्यवस्था की जाए। परीक्षा के निर्बाध संचालन के लिए सभी केन्द्रों में पर्याप्त बिजली आपूर्ति भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा स्थलों पर मोबाइल फोन, ब्लूटूथ और अन्य आईटी/संचार उपकरणों का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित है। व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए प्रत्येक स्थल पर जैमर लगाए जा रहे हैं।

डेरा/ढ़ाणियों क्षेत्र के उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता - अशोक कुमार मीणा

चण्डीगढ़। हरियाणा के उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार के निर्देशानुसार हरियाणा बिजली वितरण निगमों द्वारा डेरा/ढ़ाणियों में रहने वाले उपभोक्ताओं के लिए 24 घंटे बिजली आपूर्ति हेतु ढ़ांचागत संरचना को सुदृढ़ किया जा रहा है। इस योजना के अनुसार गांव की फिरनी के तीन किमी के दायरे में आने वाले डेरा/ढ़ाणियों को बिजली कनेक्शन (नजदीकी बिजली आपूर्ति फीडर से) बिजली निगमों द्वारा जारी किए जा रहे हैं। उत्तर हरियाणा बिजली निगम के प्रबंध निदेशक श्री अशोक कुमार मीणा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि जहां लाइन की लंबाई फिरनी से 300 मीटर तक होगी वहां उपभोक्ता को केवल सर्विस कनेक्शन चार्ज ही देने होंगे । तथा बाकि का खर्चा निगम द्वारा वहन किया जाएगा। 300 मीटर से अधिक दूरी पर कनेक्शन जारी करने में एलटी/एचटी लाइन की वास्तविक लागत का 50 प्रतिशत उपभोक्ताओं द्वारा वहन किया जाएगा और शेष 50 प्रतिशत निगम द्वारा वहन किया जाएगा।

डीसी ने 200 लाभार्थियों को सौंपी राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना के स्वीकृति पत्र

- एक सप्ताह में लाभार्थियों के खाते में पहुंच जाएगी 20-20 हजार रुपए की अनुदान राशि
- प्रशासन समयबद्धता के साथ लाभार्थियों तक पहुंचा रहा योजनाएंः डीसी

एजेंसी

नारनौल। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने आज डीआरडीए हाल में राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना के तहत 200 लाभार्थियों को 20-20 हजार रुपए की अनुदान राशि के स्वीकृति पत्र वितरित किए। यह राशि अब सभी लाभार्थियों के बैंक खाते में एक सप्ताह के अंदर-अंदर पहुंच जाएगी। सेवा विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में लाभार्थियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने कहा कि सरकार अंत्योदय के भाव के साथ इन योजनाओं के माध्यम से गरीब लोगों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। जिला प्रशासन सभी योजनाओं को लाभार्थियों तक समयबद्धता से पहुंचा रहा है। सरकार का मकसद है कि ऐसे परिवारों को आर्थिक सहायता देकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए सहारा दिया जाए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार विधवा महिला के दो बच्चों तक प्रत्येक बच्चे को 2100 रुपए मासिक पेंशन देती है। अगर किसी लाभार्थी ने इस योजना का फायदा नहीं उठाया है तो जिला समाज कल्याण अधिकारी से संपर्क करके योजना का लाभ उठाएं। इस मौके पर जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा ने सभी का स्वागत करते हुए विभाग की योजनाओं के बारे में विस्तार के साथ जानकारी दी। कार्यक्रम में मंच संचालन डा. ममता शर्मा ने किया। इस अवसर पर जिला कल्याण अधिकारी अनिल यादव तथा जिला खजाना अधिकारी विपिन यादव के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने किया उपमंडल सचिवालय फिरोजपुर-झिरका का निरीक्षण

- फिरोजपुर झिरका तहसील के सभी पटवारियों को उपमंडल सचिवालय में बैठने के दिए निर्देश
- कामकाज में तत्परता लाने व फाइलें लंबित न रखने के दिए निर्देश

एजेंसी

फिरोजपुर-झिरका। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बुधवार को उपमंडल सचिवालय फिरोजपुर-झिरका स्थित एसडीएम, तहसील, अंत्योदय सरल केंद्र, महिला एवं बाल विकास विभाग, उप-कोषाधिकारी सहित अन्य कार्यालयों का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कार्यालयों के रिकॉर्ड का बारीकी से निरीक्षण किया, जिसमें कोर्ट केस, इंतकाल व अन्य रिकॉर्ड के रखरखाव व कार्यालयों की साफ-सफाई आदि शामिल हैं। उपायुक्त ने इस अवसर पर समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं भी सुनी और संबंधित अधिकारियों को उचित व त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। उपायुक्त ने निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बातचीत में बताया कि अब तक जो अलग अलग गांवों के पटवारी सचिवालय से कहीं बाहर बैठते थे, उन्हें उपमंडल सचिवालय में एक छत के नीचे ही बैठाया जाएगा ताकि आमजन को सभी सुविधाएं एक स्थान पर ही उपलब्ध हो सकें। उसी प्रकार परिवार पहचान-पत्र व आधार अपडेशन के लिए द्वितीय मंजिल पर जो कंप्यूटर आपरेटर बैठे थे, उन्हें भूमि तल पर स्थित अंत्योदय सरल केंद्र में बैठाया जाएगा, ताकि आमजन को उन्हें ढूंढने में परेशानी न हो। उपायुक्त ने कहा कि निरीक्षण के दौरान रेवेन्यू विभाग की इंतकाल दर्ज करने संबंधी व अन्य जो भी मामले अभी तक लंबित हैं, उन सभी का निपटान आगामी 15 अप्रैल तक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों का अगर जल्द समाधान नहीं किया गया तो संबंधित कर्मचारियों, अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने कामकाज में तत्परता लाएं और लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करना सुनिश्चित करें। कोई भी कार्य अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने उपमंडल फिरोजपुर झिरका में आयोजित समाधान शिविर में सुनी जनसमस्याएं

समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को दिए उचित कार्यवाही के निर्देश

एजेंसी

फिरोजपुर-झिरका। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने उपमंडल सचिवालय फिरोजपुर झिरका में आयोजित समाधान शिविर में आठ शिकायतें सुनी और उनके जल्द समाधान के लिए बैठक में मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसी कड़ी में जिला स्तर पर लघु सचिवालय नूंह में आयोजित समाधान शिविर में पांच शिकायतें प्राप्त हुई हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार ही प्रत्येक कार्य दिवस पर सुबह 10 बजे से 12 बजे तक जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री स्वयं भी समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों पर की गई कार्यवाही की समीक्षा करते हैं और सीधे लोगों से भी बात करते हैं। उन्होंने बताया कि समाधान शिविर का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनता की शिकायतों का त्वरित व उचित समाधान हो। समाधान शिविर के माध्यम से लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों से जुड़ी सेवाएं और जानकारी मिलती है। समाधान शिविर जनता की समस्याओं को हल करने के साथ-साथ सरकारी योजनाओं की पहुंच को और अधिक प्रभावी बना रहे हैं। शिविर के माध्यम से ही जनता का सीधा तालमेल प्रशासनिक अधिकारियों से हो रहा है। अब उन्हें अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर भी नहीं काटने पड़ रहे। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में कोई भी व्यक्ति सुबह 10 बजे से 12 बजे तक उपस्थित होकर अपनी शिकायत दे सकता है। उन्होंने बताया कि समाधान शिविर में आज उन्हें पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा कुछ किसानों की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित समस्याएं प्राप्त हुई। इन सभी समस्याओं का समाधान करने के लिए संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जनता की सभी जायज समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करवाया जाएगा।

तावडू में आगामी 9 अप्रैल को खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खेलो मेवात प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया जाएगा

एजेंसी

तावडू। उपमंडल के गांव झामुवास में आगामी 9 अप्रैल को खेलों को बढ़ावा देने तथा युवाओं की ऊर्जा का सकारात्मक दिशा में उपयोग करने के उद्देश्य से खेलो मेवात प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया जाएगा। जिला उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि जिला नूंह में पहली बार खेलों को बढ़ावा देने तथा युवाओं की ऊर्जा का सकारात्मक दिशा में उपयोग करने के उद्देश्य से खेलो मेवात प्रतियोगिताओं का शुभारंभ आगामी 9 अप्रैल को किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं में पांच तरह के खेल होंगे। जिसमें क्रिकेट, वॉलीबॉल, कुश्ती, रस्साकशी व एथलेटिक्स शामिल हैं। इन खेलों में जिला की सभी 384 ग्राम पंचायतों व शहरी क्षेत्रों के सभी 59 वार्डों के खिलाड़ियों व टीमों को मौका दिया जाएगा। इसके लिए ग्राम पंचायतों के माध्यम से आने वाली सभी टीमों का पंजीकरण करवाया जाएगा तथा एथलेक्टिस व व्यक्तिगत खेल के लिए खिलाड़ी व्यक्तिगत रूप से भी पंजीकरण कर सकते हैं। इन खेलों में विजेता टीमों व खिलाडियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। उन्होंने जिलावासियों को आहवान किया कि वह खेलो मेवात स्पर्धा में सभी ग्राम पंचायतों व शहरी क्षेत्रों के खिलाड़ी बढ़-चढ़कर भाग लें। खेलो मेवात में भाग लेने के लिए इस लिंक httà;s://khelàæmewat.càæm पर पंजीकरण जरूर करें।

> 'जिलावासियों को आहवान किया कि वह खेलो मेवात स्पर्धा में सभी ग्राम पंचायतों व शहरी क्षेत्रों के खिलाड़ी बढ़-चढ़कर भाग लें। '

यातायात जागरूकता पाठशाला आयोजित करके स्कूल के छात्रों को किया जागरूक

एजेंसी

गुरुग्राम। पुलिस आयुक्त गुरुग्राम विकास अरोड़ा के निर्देशानुसार में कार्य करते हुए सहायक पुलिस आयुक्त यातायात मुख्यालय हाईवे सत्यपाल यादव की देखरेख में यातायात निरीक्षक सुरेश कुमार, यातायात पुलिस कर्मचारियो और रवि शर्मा हीरो मोटोकॉर्प द्वारा सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा के तहत क्राउन प्लाजा स्थित हीरो पार्क में यातायात नियमों की जागरूकता पाठशाला लगाई गई। इस ट्रैफिक पार्क में प्रतिदिन अलग अलग स्कूलों के छात्र लाए जाते हैं और उनको यातायात नियमों बारे निरन्तर जागरूक किया जा रहा है। पालम विहार के 22 छात्रों और 01 अध्यापक को यातायात नियमों और यातायात चिन्हों बारे जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस दौरान मौजूद सभी चालकों, छात्रों और अध्यापकों को यातायात नियमों जैसे दुपहिया वाहन चालक हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें ,वाहन चलाते समय किसी भी प्रकार का नशा ना करें, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग ना करें।

निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने निगम अधिकारियों, उद्योगपतियों व नागरिकों के साथ मिलकर पौधारोपण करके तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। यह कार्यक्रम राहगिरी फाउंडेशन ने सेफ एक्सप्रेस द्वारा सेक्टर-18 स्थित उद्योग विहार की लेन नंबर-7 में आयोजित किया गया था। इस मौके पर निगमायुक्त ने कहा कि लेन नंबर-7 का पुर्नविकास इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि कैसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी हमारे नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ सकती है। यह परियोजना ना केवल टिकाऊ गतिशीलता और हरित बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देती है, बल्कि हमारे समुदाय के लिए एक सुरक्षित और सुलभ स्थान भी बनाती है। उन्होंने गुरुग्राम को और अधिक बेहतर शहर बनाने की प्रतिबद्धता के लिए राहगिरी फाउंडेशन और सेफ एक्सप्रेस की सराहना की। नागरिकों से अनुरोध करते हुए उन्होंने कहा कि हम सभी को स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। यह हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है कि हम अपने आसपास के क्षेत्र, गली-मोहल्ले, सडक तथा शहर के अन्य सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता का ध्यान रखें। ना तो स्वयं इधर-उधर कूड़ा फैलाएं और ना ही दूसरों को फैलाने दें।

कला के क्षेत्र में भी हरियाणा स्थापित करेगा नए कीर्तिमान : गौरव गौतम

कहा, हरियाणवी फिल्मों से समाज के सभी वर्गों को मिलेगी नई प्रेरणा

- खेल के साथ-साथ कला के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहा है हरियाणा

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा फिल्म महोत्सव एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आयोजन है, जो न केवल हरियाणा की संस्कृति और भाषा को बढ़ावा देगा, बल्कि प्रदेश की प्रतिभाओं को भी नई पहचान देगा। यह उद्गार हरियाणा के युवा सशक्तिकरण और उद्यमिता, खेल मंत्री गौरव गौतम ने आज महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर सभागार में हरियाणा फिल्म महोत्सव 2025 का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। खेल मंत्री गौरव गौतम ने बतौर मुख्यातिथि सिने फाउंडेशन, हरियाणा (विश्व संवाद केन्द्र) तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस दो दिवसीय फिल्म महोत्सव का उद्घाटन हुए हरियाणा की फिल्म इंडस्ट्री के विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम हरियाणवी फिल्म इंडस्ट्री को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाने की राह प्रशस्त करेंगे और इससे जुड़े फिल्म कलाकार, निर्माता, निर्देशक समेत अन्य लोगों को भी रोजगार के अधिक अवसर मिलेंगे। खेल मंत्री गौरव गौतम ने इस अवसर पर युवाओं को नशे से बचने के लिए खेल व कला से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने इस अवसर पर एमडीयू में खेल मंत्रालय द्वारा एक्सीलेंस सेंटर बनाने की घोषणा करते हुए कहा कि यह सेंटर आने वाले समय में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने इस फिल्म महोत्सव के लिए भी 5 लाख रुपए देने की घोषणा की । खेल मंत्री ने इस फिल्म महोत्सव की स्मारिका का विमोचन करते हुए अपनी शुभकामनाएं दी। अध्यक्षीय संबोधन में एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि फिल्में न केवल मनोरंजन का साधन हैं, बल्कि वे समाज में सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम हैं। कुलपति ने इस अवसर पर एमडीयू की उपलब्धियों का ब्यौरा देते हुए बताया कि एमडीयू के मंच से राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंच पर अनेक कलाकार अपने अभिनय से प्रदेश और विश्वविद्यालय को गौरवान्वित कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचार प्रमुख अनिल कुमार ने सकारात्मक फिल्में बनाने पर फोकस करने की बात कही। उन्होंने कहा कि फिल्मों के जरिए समाज की समस्याओं के समाधान को खोजें।

उन्होंने हरियाणा के इतिहास से जुड़े अहम पहलुओं व घटनाओं को सिनेमा के द्वारा सामने लाने की बात पर बल दिया। प्रतिष्ठित पटकथा लेखिका अद्वैता काला ने अपने संबोधन में कहा कि फिल्मों के जरिए पटकथा को मंच पर ला सकते हैं और दर्शकों के साथ अपने विचार साझा कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के निदेशक चितरंजन त्रिपाठी ने कहा कि नाटक समाज को आईना दिखाता है और सिनेमा को संवेदनशील बनाता है। विशिष्ट अतिथि राजेश जैन ने कहा कि फिल्में कल्पनाओं को आकार देती हैं और समाज पर गहरी छाप छोड़ती हैं। विश्व संवाद केन्द्र, हरियाणा के अध्यक्ष डा. मार्कण्डेय आहूजा ने अंत में आभार प्रदर्शन करते हुए कहा कि यह फिल्म उत्सव हरियाणवी फिल्म इंडस्ट्री को नई दृष्टि देने का कार्य करेगा। कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्व संवाद केन्द्र के सचिव राजेश कुमार ने इस दो दिवसीय फिल्म महोत्सव की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। प्रतिष्ठित हरियाणवी संस्कृतिकर्मी पद्मश्री महावीर गुड्डू ने कार्यक्रम के प्रारंभ में शंखनाद किया। एमडीयू के संस्कृत विभाग के प्राध्यापक डा. रवि प्रभात ने अतिथियों का परिचय दिया। इस अवसर पर भारतीय चित्र साधना के सचिव अतुल गंगवार, हरियाणा फिल्म आयोजन समिति के अध्यक्ष चन्द्रशेखर, उपाध्यक्ष हरिओम कौशिक, सचिव डा. राकेश योगी समेत अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण, एमडीयू के डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. ए.एस. मान, कुलसचिव डा. कृष्णकांत, डीन, स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. रणदीप राणा, निदेशक युवा कल्याण डा. प्रताप राठी, पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार समेत अन्य अधिकारी, प्राध्यापक, विद्यार्थी, हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी, प्रतिष्ठित हरियाणवी संस्कृति कर्मी डा. महासिंह पूनिया, रघुवेन्द्र मलिक, मनीष सैनी समेत हरियाणा के कलाकार, निर्माता-निर्देशक एवं फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग, शहर के गणमान्यजन उपस्थित रहे।

वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 एक प्रगतिशील और बहुत जरूरी सुधार : किरण चौधरी

एजेंसी

भिवान। राज्यसभा सांसद श्रीमती किरण चौधरी ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 एक प्रगतिशील और बहुत जरूरी सुधार है जो देश भर में वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में अधिक पारदर्शिता, दक्षता और समावेशिता लाने का प्रयास करता है। यह विधेयक हम सभी को प्रगति के पथ पर अग्रसर करेगा। उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक कानून है, उन्होंने सभी सदस्यों से पार्टी लाइन से ऊपर उठकर इसका समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और यहां संविधान के साथ कानून का एक मजबूत शासन है। उन्होंने कहा कि वक्फ अधिनियम में संशोधन के पीछे सबसे बड़ा उद्देश्य इसे संविधान के साथ तालमेल में लाना है। इसका उद्देश्य उन गलतियों को दूर करना है जो लंबे समय से चली आ रही हैं। उन्होंने कहा कि यह विधेयक धर्म के बारे में नहीं है, यह प्रगति के बारे में एक कानून है और यह परिवर्तन के बारे में है जिसे समय के साथ तालमेल में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वक्फ व्यवस्था मुख्य रूप से एक मध्ययुगीन अवधारणा है, जो मुहम्मद गौरी और अन्य जैसे आक्रमणकारियों की नीतियों से उत्पन्न हुई है। अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति को भी एक तरह से ऐसे विचार से बढ़ावा मिला, जिसके तहत औपनिवेशिक प्रशासन ने मुसलमानों को खुश करने की कोशिश की। भले ही वक्फ प्रशासन अधिनियम 1954 में तैयार किया गया था और बाद में 1995 में संशोधित किया गया था, लेकिन वे उन/अन्य-धर्मनिरपेक्ष लोगों की विभाजनकारी और सांप्रदायिक योजनाओं के साथ किए गए थे। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि किस तरह सामुदायिक कल्याण के लिए बनाई गई वक्फ संपत्तियों को राजनीतिक हथियार बना दिया गया।

मेवात में नशाखोरी से बर्बाद होते घरों को बसाने का काम कर गया पुलिस का नशे के खिलाफ अभियान

एजेंसी

नूंह। नूंह जिले में मेवात पुलिस कप्तान द्वारा नशे के खिलाफ चलाया गया अभियान मेवात में नशे से उजड़ते हुए परिवारों को बचाने का काम किया है। जिससे मेवात के सामाजिक लोगों ने एसपी विजय प्रताप द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान की जमकर सराहना की है वहीं इस अभियान में शामिल होकर मेवात के लोगों ने नशे के खिलाफ पुलिस द्वारा चलाए जा अभियान को जन आंदोलन का रूप दे दिया है। जिले के सभी गांवों में लोग अपने-अपने गांवों में पंचायत कर नशे के खिलाफ और जिले में फैल रही सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाकर पुलिस का सहयोग कर इन बुराइयों को खत्म करने का प्रण ले रहे हैं। मेवात पुलिस कप्तान विजय प्रताप द्वारा नूंह जिले में लगभग दो माह पहले चलाया गया नशे के खिलाफ अभियान अब जन आंदोलन बन चुका है। इस अभियान में जिले के सभी गांवों के लोग बढ़-चढ़कर पुलिस का सहयोग कर रहे हैं। इतना ही नहीं अब तक लगभग एक दर्जन गांवों में जिले के लोग महापंचायत बुलाकर पुलिस कप्तान विजय प्रताप के नेतृत्व में गांव-गांव में कमेटी बना रहे है। जिससे नशे के खिलाफ काफी हद तक सफलता भी मिल रही है। इस अभियान से मेवात में नशे के खिलाफ काफी बदलाव आ रहा है, जिसका सारा श्रेय मेवात के पुलिस कप्तान विजय प्रताप को जाता है। जिनकी मेहनत और लगन से मेवात के युवाओं को नशे से बचाने का काम किया जा रहा है। नशा तस्करों के खिलाफ नूंह पुलिस जहां लगातार कार्रवाई कर रही है वहीं नूंह सीआईए प्रभारी जंगशेर सिंह ने अपनी टीम के साथ नशा तस्करों की ताबड़तोड़ गिरफ्तारियों से जिले में नशे की जड़ों को खोखला करने का काम किया है। मेवात के वरिष्ठ समाजसेवी लाला यादराम गर्ग मेवाती ने कहा कि नशे के खिलाफ उठी आवाज से गांव-गांव में जागरूकता फैली है और लोग अब नशे के खिलाफ आवाज उठाने लगे हैं। उन्होंने कहा कि पहले नशा तस्करी करने वाले दबंग लोगों के खिलाफ आवाज उठाने से ग्रामीण लोग डरते थे और उनके खिलाफ कोई आवाज नहीं उठाता था।

जेएम फाइनेंशियल एसेट मैनेजमेंट लि. ने राइट्स निर्गम से जुटाए 100 करोड़ रुपये

एजेंसी

मुंबई। जेएम फाइनेंशियल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने कहा कि उसने राइट्स इश्यू के जरिए 100 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई है। कंपनी की जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह पूंजी आंशिक रूप से भुगतान किए गए राइट्स इश्यू के जरिए जुटाई गयी है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस निर्गम में से 50 करोड़ रुपये की पहली किस्त पहले ही जुटाई जा चुकी है और शेष 50 करोड़ रुपये जरूरत के हिसाब से कॉल पर जुटाए जाएंगे। इस पूंजी का उपयोग जेएम फाइनेंशियल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के विस्तार किया जाएगा।

ट्राई की वर्ष 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट

नयी दिल्ली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) की वर्ष 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट जिसमें प्राधिकरण की गतिविधियों का विवरण, प्रमाणित लेखा और उसके ऑडिट रिपोर्ट को संसद में पेश किया गया है।ट्राई ने यहां जारी बयान में बताया कि लोकसभा के पटल पर 12 मार्च 2025 को एवं राज्यसभा के पटल पर 20 मार्च 2025 को इस रिपोर्ट को रखा गया। ट्राई की वार्षिक रिपोर्ट में नीतियों और कार्यक्रमों का विवरण, दूरसंचार एवं प्रसारण क्षेत्र के सामान्य वातावरण की समीक्षा, भादूविप्रा के कार्य एवं संचालन की समीक्षा, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण अधिनियम 1997 की धारा 11 में निर्दिष्ट मामलों और वित्तीय मामलों सहित संगठनात्मक विषय शामिल है।

आरबीआई ने विदेशी व्यापार के लिए नए मसौदा विनियम और निर्देश जारी किए

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देना और सभी नियमों को एक ही दस्तावेज में समाहित करने के उद्देश्य से विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत निर्यात और आयात के लिए नए मसौदा विनियम और निर्देश जारी किए हैं। आरबीआई ने बताया कि उसने 02 जुलाई, 2024 को जनता से मसौदा विनियमों और निर्देशों पर टिप्पणियां और सुझाव मांगे थे। विभिन्न हितधारकों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं और चर्चा के आधार पर इन मसौदा विनियमों और निर्देशों को और बेहतर बनाया गया है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि इसका उद्देश्य व्यापार प्रक्रिया को सरल बनाना, सभी दिशा-निर्देशों को एक समेकित दस्तावेज में शामिल करना और अधिकृत डीलरों के लिए निर्यात और आयात से संबंधित लेनदेन की प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना है। आरबीआई ने सभी संबंधित पक्षों से 30 अप्रैल, 2025 तक 'फेमा के तहत निर्यात और आयात पर मसौदा विनियमों और निर्देशों पर प्रतिक्रिया' विषय पंक्ति के साथ ईमेल के माध्यम से टिप्पणियां और सुझाव भेजने का आग्रह किया है।

विदेशी मुद्रा भंडार 6.6 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 665.4 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और स्वर्ण भंडार में जबरदस्त बढ़ोतरी होने से 28 मार्च को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.6 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 665.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.5 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 658.8 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 28 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी

मुद्रा परिसंपत्ति 6.2 अरब डॉलर की मजबूती के साथ 565.01 अरब डॉलर पर पहुंच गई। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 51.9 करोड़ डॉलर उछलकर 77.8 अरब डॉलर हो गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 6.5 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 18.2 अरब डॉलर रह गया। इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 1.6 करोड़ डॉलर लुढ़ककर 4.41 अरब डॉलर पर आ गई।

उप्र के ग्रेटर नोएडा में बड़े निवेशकों ने जताई निवेश की इच्छा

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में कुछ बड़े उद्योग, शिक्षण संस्थान और हॉस्पिटल खुल सकते हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में कई बड़े निवेशकों के साथ बैठक हुई, जिसमें निवेशकों ने ग्रेटर नोएडा में निवेश की इच्छा जताई। अब प्राधिकरण इनके लिए जमीन उपलब्ध कराने की कोशिश में जुट गया है। दरअसल, कई बड़े निवेशकों ने उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए शासन से संपर्क साधा है। शासन के निर्देश पर ही इन निवेशकों के साथ प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव और एसीईओ प्रेरणा सिंह ने बोर्ड रूम में बैठक की। इन निवेशकों में एफओईआईआई यूनिवर्सिटी, चंदन हॉस्पिटल, इंद्रप्रस्थ कैंसर हॉस्पिटल, स्वराज एग्रीकल्चर, एसएसजी फर्निसिंग सहित 10 से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल रहे। इन निवेशकों को ग्रेटर नोएडा और आईआईटीजीएनएल की इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप के इंफ्रास्ट्रक्चर

के बारे में बताया गया। एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने कहा कि प्राधिकरण की औद्योगिक भूखंड योजना शीघ्र आने वाली है। उद्यम लगाने के इच्छुक निवेशक इसमें आवेदन कर सकते हैं। एसीईओ प्रेरणा सिंह ने आईटी व संस्थागत भूखंडों के बारे में भी इन निवेशकों को जानकारी दी। इसके साथ ही इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप में उपलब्ध भूखंडों से भी अवगत कराया। निवेशकों के साथ बैठक में ओएसडी अर्चना द्विवेदी, प्रबंधक स्नेहलता, प्रबंधक अरविंद मोहन सिंह, प्रबंधक प्रमोद कुमार, प्रबंधक प्रिंसिका सिंह, आईआईटीजीएनएल की प्रभारी उद्योग प्रीति शर्मा व उद्यमी मित्र के सहयोगी मौजूद रहे।

एसीईओ ने इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप का लिया जायजा-

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ और आईआईटीजीएनएल की निदेशक प्रेरणा सिंह ने इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप का निरीक्षण किया। अब तक जिन उद्योगों को आवंटन किया गया है, उन्होंने काम शुरू किया कि नहीं, इसका भी जायजा लिया।

एसीईओ आईआईटीजीएनएल की टीम को निर्देश दिए कि आवंटियों से संपर्क कर निर्माण कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए, ताकि लोगों को रोजगार के अवसर मिल सके। इस दौरान सीनियर मैनेजर वैभव चौधरी, मैनेजर महेश यादव भी मौजूद रहे।

ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की आंच से झुलसा विश्व, दुनिया के 500 अमीरों को लगा 17.73 लाख करोड़ रुपये का चूना

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी के कारण दुनिया भर के स्टॉक मार्केट में हड़कंप मचा हुआ है। अमेरिका समेत विश्व के ज्यादातर देशों के स्टॉक मार्केट बड़ी गिरावट का शिकार हो गए हैं, जिसकी वजह से दुनिया के सबसे अमीर 500 लोगों को भी बड़े नुकसान का सामना करना पड़ा है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार ग्लोबल लेवल पर बाजारों में आई जोरदार गिरावट के कारण विश्व के टॉप 500 अमीरों की दौलत में 20.80 हजार करोड़ डॉलर यानी करीब 17.73 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई। बताया जा रहा है कि कोरोना महामारी के बाद एक दिन में दौलत में आई ये सबसे बड़ी गिरावट है, जबकि पिछले 13 साल के इतिहास में एक दिन में ये चौथी सबसे बड़ी गिरावट है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार बाजार में आई जोरदार गिरावट के कारण सबसे अधिक नुकसान मेटा (फेसबुक) के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग को हुआ है। उनकी दौलत 1 दिन में ही करीब 17.9 अरब डॉलर यानी करीब 9 प्रतिशत घट कर 189 अरब डॉलर के स्तर पर आ गई। इस साल जनवरी से लेकर फरवरी के मध्य तक मेटा के मार्केट कैप में करीब 35 हजार डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी, लेकिन फरवरी के दूसरे पखवाड़े से लेकर अभी तक यह कंपनी लगातार गिरावट का सामना कर रही है। इस अवधि में मेटा के शेयर करीब 28 प्रतिशत तक टूट चुके हैं। दुनिया भर के बाजारों में आई गिरावट के कारण नुकसान झेलने वालों में दूसरा स्थान अमेजॉन के फाउंडर जैफ बेजॉस का है। अमेजॉन के शेयर गुरुवार के कारोबार में 9 प्रतिशत से अधिक की गिरावट का शिकार हो गए। अप्रैल 2022 के बाद अमेजॉन के शेयर में एक दिन में ये सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

स्वचालित व्हील प्रोफाइल मापन प्रणाली को लेकर रेलवे और डीएमआरसी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने स्वचालित व्हील प्रोफाइल मापन प्रणाली (एडब्लूपीएमएस) की खरीद और स्थापना के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके रोलिंग स्टॉक रखरखाव में स्वचालन और दक्षता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। नई दिल्ली स्थित रेल भवन में इस समझौते को औपचारिक रूप दिया गया।

रेल मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि एडब्लूपीएमएस एक उन्नत प्रणाली है जो ट्रेन के पहियों की प्रोफाइल को स्वचालित, गैर-संपर्क माप की अनुमति देती है, जिससे पहियों की ज्यामिति और घिसाव का वास्तविक समय पर आकलन सुनिश्चित होता है। लेजर स्कैनर और हाई-स्पीड कैमरों का उपयोग करते हुए यह प्रणाली बिना किसी मैनुअल हस्तक्षेप के सटीक और तेज माप प्रदान करती है। विचलन के मामले में स्वचालित अलर्ट समय पर सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे, जिससे सुरक्षा और परिचालन

दक्षता दोनों में वृद्धि होगी। एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान ट्रैक्शन और रोलिंग स्टॉक सदस्य बीएम अग्रवाल, अतिरिक्त सदस्य (उत्पादन इकाइयां) एसके पंकज, अतिरिक्त सदस्य (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) आशीष शर्मा और डीएमआरसी के निदेशक (व्यवसाय विकास) परमीत गर्ग सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस साझेदारी के तहत डीएमआरसी रेलवे के लिए चार एडब्ल्यूपीएमएस इकाइयों की खरीद, आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग की जिम्मेदारी लेगी।

एलआईसी ने यूएसटीआर के दावों को किया खारिज, कहा- सरकार से नहीं मिलता अनुचित प्रतिस्पर्धी लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की रिपोर्ट को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वह 25 वर्षों से प्रतिस्पर्धी बाजार में काम कर रही है, उसे सरकार से कोई भी विशेष लाभ नहीं मिला है। एलआईसी ने जारी एक बयान में कहा, ''हमारा दृढ़ विश्वास है कि यूएसटीआर के विचार भारतीय बीमा विनियमन और एलआईसी के कामकाज की अधूरी समझ पर आधारित हैं।'' बीमा कंपनी के मुताबिक पिछले 25 वर्षों से एलआईसी 24 निजी जीवन बीमा कंपनियों के साथ पूरी तरह प्रतिस्पर्धी बाजार में काम कर रही है। यह भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) एवं भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से विनियमित है और इसे सरकार या किसी नियामकीय प्राधिकरण से कोई विशेष लाभ नहीं मिलता है। एलआईसी ने जारी बयान में स्पष्ट किया कि सरकार और नियामक उसके साथ किसी भी अन्य बीमा कंपनी की तरह ही व्यवहार करते हैं। एलआईसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) सिद्धार्थ मोहंती ने बयान में कहा, 'एलआईसी संचालन, सेवा और ग्राहक विश्वास के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।' दरअसल यूएसटीआर ने एक रिपोर्ट में कहा है कि भारत कृषि वस्तुओं, दवा निर्माण और मादक पेय पदार्थों जैसे कई अमेरिकी सामानों पर 'उच्च' आयात शुल्क लगाने के साथ गैर-शुल्क बाधाएं भी लगाता है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एलआईसी को सरकार से विशेष लाभ मिलता है, जिससे विदेशी बीमा कंपनियां भारतीय बाजार में अप्रतिस्पर्धी हो जाती हैं। यूएसटीआर की रिपोर्ट कहती है, 'कई ग्राहक निजी बीमा कंपनियों द्वारा पेश की जाने वाली पॉलिसी लेने के बजाय एलआईसी की पॉलिसी खरीदना ही पसंद करते हैं, जिससे एलआईसी को अनुचित प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलता है।'

भारत में निवेश बढ़ाने पर विचार कर रहा दक्षिण कोरिया : राजदूत

एजेंसी

नई दिल्ली । दक्षिण कोरिया आने वाले वर्षों में भारत में अपने निवेश और व्यावसायिक गतिविधियों को दोगुना करने या इससे भी ज्यादा बढ़ाने पर विचार कर रहा है। यह जानकारी नई दिल्ली में कोरियाई गणराज्य के राजदूत ली सेओंग-हो द्वारा दी गई। हरियाणा के मॉडल इकोनॉमिक टाउनशिप (एमईटी सिटी) में बॉडिटेक मेड के नए मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के उद्घाटन के अवसर पर राजदूत ने भारत के विस्तारित औद्योगिक और स्वास्थ्य सेवा इकोसिस्टम में कोरियाई कंपनियों के बीच बढ़ती रुचि पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा, ÷मुझे कोरियाई कंपनियों द्वारा यहां अपने कारोबार का विस्तार करने की बढ़ती इच्छा के संकेत मिल रहे हैं। हमें उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भारत में कोरियाई निवेश और व्यावसायिक गतिविधि दोगुनी या तिगुनी हो जाएगी। उन्होंने कहा, भारत में कोरिया-भारत संबंध तेजी से बढ़ रहे हैं। हमारी सरकार इस संबंध को आगे बढ़ाने और इसके विकास को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पॉइंट-ऑफ-केयर

(पीओसी) डायग्नोस्टिक्स में दुनिया में अग्रणी कंपनी बॉडिटेक मेड ने हरियाणा के झज्जर में अपनी भारतीय शाखा बॉडिटेक मेड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के तहत 50 करोड़ रुपये की लागत से अपना प्लांट शुरू किया। कुल 10,032 वर्ग मीटर मेंफैला यह नया प्लांट न केवल भारतीय बाजार की जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि इस संयंत्र से वैश्विक स्तर पर उत्पादों का निर्यात भी किया जाएगा। एक बार पूरी तरह से चालू हो जाने के बाद, बॉडिटेक का लक्ष्य भारत के इन विट्रो डायग्नोस्टिक्स (आईवीडी) बाजार के पांच प्रतिशत से अधिक हिस्से पर कब्जा करना है और अकेले भारतीय बाजार से 650 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त करना है। मेट सिटी के अनुसार, बॉडिटेक मेड के आने से टाउनशिप में 10 देशों से संचालित कंपनियों की संख्या 580 से अधिक हो गई है, जिनमें दक्षिण कोरिया की छह कंपनियां शामिल हैं। यह विकास 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहलों के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को मजबूत करना और आयात पर निर्भरता कम करना है। बॉडिटेक मेड के चेयरमैन और सीईओ यूई यूल चोई ने भारत को वैश्विक विनिर्माण के लिए एक रणनीतिक स्थान बताया। उन्होंने कहा, भारत का सहायक नीतिगत माहौल और स्वास्थ्य सेवा का इंफ्रास्ट्रक्चर इसे हमारे विस्तार के लिए एकदम सही जगह बनाता है। हम भारत के मेडिकल डिवाइस इकोसिस्टम में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश 31 प्रतिशत बढ़कर 1.3 अरब डॉलर पर

एजेंसी

कोलकाता। वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच निवेशकों के बढ़ते भरोसे की बदौलत इस वर्ष की पहली तिमाही में रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया। कोलियर्स की जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि इस अवधि में वाणिज्यिक ऑफिस स्पेस में सबसे अधिक निवेश हुआ, जो कुल निवेश का 48 प्रतिशत यानी 62.4 करोड़ डॉलर है। औद्योगिक और वेयरहाउसिंग क्षेत्र में 27 प्रतिशत अर्थात 35.1 करोड़ डॉलर का निवेश हुआ। इसी तरह आवासीय क्षेत्र में कुल निवेश का 15 प्रतिशत यानी 19.5 करोड़ डॉलर रहा। रिपोर्ट के अनुसार, कुल निवेश का 72 प्रतिशत विदेशी संस्थागत निवेशकों से आया, जिसमें सिंगापुर, कनाडा और अमेरिका के निवेशक सबसे आगे रहे। घरेलू निवेशकों की भागीदारी भी बढ़ी, जो पिछले साल के 22 प्रतिशत से बढ़कर 28 प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) ने कुल निवेश का 19 प्रतिशत यानी 24.7 करोड डॉलर निवेश आकर्षित किया, जो पिछले साल की तुलना में 45 प्रतिशत अधिक है। ग्रेड-ए कार्यालय स्पेस की मांग में वर्ष 2025 तक 18-20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद है, जिसमें गुरुग्राम और नोएडा का बड़ा योगदान रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, प्रीमियम वाणिज्यिक भवनों में औसत किराया रिटर्न सात से आठ प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। आवासीय बाजार में भी तेजी, खासकर मिड और लक्जरी होम्स की मांग में।

अमेरिकी टैरिफ भारत के स्टार्टअप विकास को धीमा नहीं करेंग : पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उदयोग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वे भारतीय स्टार्टअप्स द्वारा किए गए काम को देखकर बहुत खुश हैं। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ भारत के स्टार्टअप विकास को धीमा नहीं करेंगे। केंद्रीय वाणिज्य एवं उदयोग मंत्री ने यंहा स्टार्टअप महाकुंभ में पत्रकारों को संबोधित करते हुए घरेलू स्टार्टअप्स के नवाचारों की तुलना कानों को सुकून देने वाले संगीत से की। पीयूष गोयल ने स्टार्टअप महाकुंभ 2025 में अमेरिकी टैरिफ पर भारतीय व्यवसायों की रक्षा के लिए व्यापार वार्ता का आश्वासन दिया। पीयूष गोयल ने स्टार्टअप महाकुंभ के भव्य उद्घाटन के दूसरे दिन संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा, मुझे जो स्वाद मिला, हमारे युवा पुरुषों और

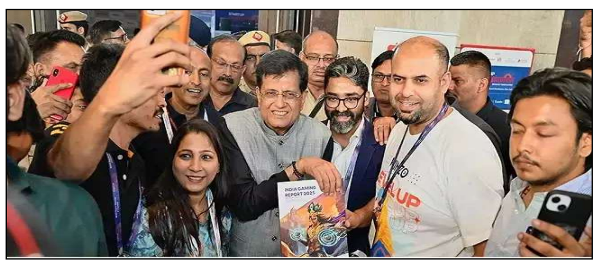

महिलाओं ने अपनी दृढ़ता, कड़ी मेहनत, खोज, अनुसंधान और नवाचार की भावना के माध्यम से जो अभिनव कार्य किया है, उसका स्वाद कानों को सुकून देने वाला है। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें पूरा भरोसा है कि भारत नवाचार और प्रौद्योगिकी-संचालित विकास में वैश्विक नेता के रूप में उभरेगा। यह वह आधार है, इसके नींव जिस पर मुझे पूरा भरोसा है कि भारत नवाचार की दुनिया में बहुत बड़े पैमाने पर आगे बढ़ेगा। हम वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्टार्टअप महाकुंभ में दिए गए अपने बयान की गलत व्याख्या करने का कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्षी दल ने भारतीय स्टार्टअप जगत को गुमराह करने का काम किया है। उन?होंने कहा कि केवल कांग्रेस और उसके इकोसिस्टम को ही मेरी बात समझ नहीं आईज। कांग्रेस ने कभी स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहन देने के बारे में सोचा भी नहीं होगा, इसलिए उन्हें केवल आलोचना करनी आती है। उल्लेखनीय है कि स्टार्टअप महाकुंभ में 3,000 से अधिक स्टार्टअप, 1,000 से अधिक निवेशक और इनक्यूबेटर, तथा 50 से अधिक देशों के 10,000 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

सर्राफा बाजार में बड़ी गिरावट, 1,190 रुपये तक सस्ता हुआ सोना, चांदी 4,900 रुपये टूटी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी में जबरदस्त गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,090 रुपये से लेकर 1,190 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 4,900 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 91,640 रुपये से लेकर 91,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 84 हजार रुपये से लेकर 84,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आई गिरावट के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 99 हजार रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 91,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 84,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 84 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 91,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 84,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 84 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 84,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 91,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 84,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 91,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 84,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 91,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 84,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है।

अमेरिका ने भारत पर 26 नहीं 27 फीसदी का लगाया है टैरिफ

नई दिल्ली। अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी का असर आज घरेलू शेयर बाजार पर भी नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से कुछ रिकवरी भी होती हुई नजर आई, लेकिन पहले 20 मिनट के कारोबार के बाद ही चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरते चले गए। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.04 प्रतिशत और निफ्टी 1.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एचडीएफसी बैंक, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और नेस्ले के शेयर 1.98 प्रतिशत से लेकर 0.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर ओएनजीसी, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, सिप्ला, टाटा मोटर्स और टाटा स्टील के शेयर 6.27 प्रतिशत से लेकर 5.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,404 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी।

मुख्यमंत्री योगी ने 6500 करोड़ की एलडीए की आवासीय योजना का किया शुभारम्भ

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की अभी तक की सबसे बड़ी अनंत नगर आवास योजना में भूखण्डों के लिए पंजीकरण का शुभारम्भ किया। छह हजार पांच सौ करोड़ की लागत से 785 एकड़ में प्रस्तावित एलडीए की अनंत नगर योजना के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज के दौर में ऊंची इमारतों के निर्माण में पांच से दस वर्ष लगते थे लेकिन उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग करके कुछ ही महीनों में निर्माण कार्य पूरा किया जा सकता है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि इस परियोजना में आधुनिक प्रौद्योगिकी को भी शामिल किया जाए। ताकि हरित और आध्यात्मिक माहौल के साथ किफायती और उच्च गुणवत्ता वाले आवास उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री योगी अपने सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि लोगों को बेहतर आवास विकल्प और जीवन जीने की सुगमता में सुधार हो। इस दिशा में बीते दस वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को श्रेय जाता है। आवास क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकी लाना और समय से पहले परियोजनाएं पूरी करना समय की मांग है। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने इस दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। लगभग सात हजार करोड़ रुपये के निवेश से विकसित 785 एकड़ की अनंत नगर परियोजना के निकट में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक्सप्रेस वे और लखनऊ रिंग रोड है। इस योजना में

शैक्षणिक संस्थानों, ऊंची आवासीय इमारतों और किफायती आवास भूखंडों के लिए जगहों को एलडीए ने चिन्हित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना में डेढ़ लाख लोगों को आवास उपलब्ध कराने की योजना है। दस हजार फ्लैटों और भूखंडों वाले सात सेक्टर का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और निम्न आय वर्ग (एलआईजी) श्रेणियों में पांच हजार आवास इकाइयां 25 हजार से अधिक लोगों को लाभान्वित करेंगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत तीन हजार मकान उपलब्ध कराए जाएंगे। टाउनशिप के हिस्से के रूप में 130 एकड़ का पार्क और एडुटेक सिटी बनाने की भी योजना बनाई गई है। वहीं भूखंडों और आवासों के आवंटन में मध्यस्थ या दलाल को शामिल नहीं किया जाना चाहिए। लखनऊ विकास प्राधिकरण परियोजना के पारदर्शी कार्यान्वयन की देखरेख करेगा। अर्थव्यवस्था के लिए अनंत योजना को आवश्यक बताते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बड़े स्तर पर आवास योजना से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। उत्तर प्रदेश राज्य को एक हजार अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है। आशा है कि ये पहल लोगों के जीवन में बदलाव भी लाएगी, उन्हें बेहतर आवास और अधिक आरामदायक जीवन शैली प्रदान करेंगी। इस योजना के अत्यधिक लोकप्रिय होने की उम्मीद है।

गर्मी में रोजाना कितने कप कॉफी पीना है सही एक्सपर्ट से जानें

दुनियाभर में कई लोगों की सुबह की शुरुआत कॉफी के साथ होती है. ये कई तरह से सेहत के लिए फायदेमंद होती है. कॉफी में कैफीन होता है, जो थकान को कम करने, एनर्जी प्रदान करने और एक्टिव रहने में मदद करता है. इससे वजन को नियंत्रित रखने में भी मदद मिल सकती है. अगर इसे सही तरीके और सीमित मात्रा में पिया जाए तो ये कई तरह से हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होती है.

कई लोग तो कॉफी पीने के इतने शौकीन होते हैं कि वह दिन में तीन से चार बार इसे पीते ही हैं. कॉफी कई तरह की होती है एस्प्रेसो, कैपुचिनो, लैटे सबसे आम हैं, जिसे हर कोई अपनी पसंद के मुताबिक पीना पसंद करता है. कई लोग इसमें दूध मिलाकर, तो वहीं कई लोग ब्लैक कॉफी पीना पसंद करते हैं. इसकी तासीर गर्म मानी जाती है, ऐसे में गर्मी के मौसम में एक दिन में कितनी कॉफी पीनी चाहिए. आइए जानते हैं इसके बारे में एक्सपर्ट से

एक दिन में कितनी कॉफी पिएं?

दिल्ली के श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट के इंटरनल मेडिसिन एंड इंफेक्शन डिजीज में कंसल्टेंट डॉक्टर अंकित बंसल का कहना है कि गर्मी में कॉफी एक सीमित मात्रा में पीनी चाहिए, क्योंकि इसमें कैफीन होता है जो शरीर को डिहाइड्रेट कर सकता है और इस मौसम में कॉफी ज्यादा पानी से शरीर में डिहाइड्रेशन, एसिडिटी और नींद न आने जैसी समस्या हो सकती है.

डॉक्टर का कहना है कि गर्मी के मौसम में एक दिन में 1 से 2 कप कॉफी पीना काफी होती है, खासकर वो लोग जिन्हें बहुत ज्यादा पसीना आता है या फिर बाहर ज्यादा समय बिताते हैं. ब्लैक कॉफी कैफीन ज्यादा स्ट्रांग होती है, जिससे पसीना ज्यादा आ सकता है और शरीर में पानी की कमी हो सकती है, जबकि दूध वाली कॉफी थोड़ी हल्की होती है और पेट पर नरम असर डालती है.

अगर आपको कॉफी पीना बहुत पसंद है तो गर्मी के मौसम में इसे पीते समय पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है, ताकि शरीर हाइड्रेट रहे. यदि कॉफी पीने से चक्कर, घबराहट या पेट में जलन जैसी दिक्कतें होती हैं, तो तुरंत इसकी मात्रा कम कर देनी चाहिए या डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए.

किन लोगों को नहीं पीनी चाहिए कॉफी?

जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर, एसिडिटी, डिहाइड्रेशन, नींद न आने या हार्ट से जुड़ी समस्या है, उन्होंने कॉफी पीने से परहेज करना चाहिए या एक सीमित मात्रा में ही इसे पीना चाहिए. गर्भवती महिलाओं को भी कम मात्रा में ही कॉफी पीने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इसमें मौजूद ज्यादा कैफीन बच्चे के विकास पर असर डाल सकता है.

ब्लैक या दूध वाली कॉफी, कौन-सी है सही?

कई लोग दूध वाली तो वहीं कुछ लोग ब्लैक कॉफी पीना पसंद करते हैं. लेकिन इन दोनों में से ब्लैक कॉफी को ज्यादा फायदेमंद माना जाता है. ब्लैक कॉफी एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है. वहीं दूध से बनी कॉफी में पोषक तत्व होते हैं, लेकिन इसमें कैलोरी भी ज्यादा होती है. ब्लैक कॉफी वजन कम करने, ब्लड शुगर लेवल को कम करने में फायदेमंद हो सकती है. लेकिन अपनी पसंद के साथ ही शरीर की जरूरत के मुताबिक ही इसका सेवन करना चाहिए.

नागरिकों के सिर की छत ऐसे नहीं गिराई जा सकती'

एक आठ साल की बच्ची बुलडोज़र से ढहते और जलते हुए घर से अपनी किताबें निकालकर दौड़ती है ताकि यह तबाही उसकी पढ़ाई को न रौंद दे

बुलडोज़र राज पर लौटते हैं। आखिर छह महीने पहले भी क्यों सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा था कि एक पखवाड़े तक बुलडोज़र नहीं चलेगा तो कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा? न्यायालय की टिप्पणी थी कि, %कानून दरअसल किसी के भी घर को महज इसलिए गिराए जाने की आज्ञा नहीं देता कि वे किसी मामले में आरोपी हैं; और ऐसा तो किसी दोषी के मामले में भी नहीं किया जा सकता।

एक आठ साल की बच्ची बुलडोज़र से ढहते और जलते हुए घर से अपनी किताबें निकालकर दौड़ती है ताकि यह तबाही उसकी पढ़ाई को न रौंद दे। यह दृश्य वाक़ई बहुत क्रूर है, संविधान के मौलिक अधिकारों का हनन है और भारत का कानून कभी इसकी अनुमति नहीं देता है। क़ानून इस बात की भी इजाज़त नहीं देता है कि पुलिस मुठभेड़ में मार दिए गए आरोपी के परिवार के घरों को शासन का अमला ज़मींदोज़ कर दे और फिर प्रचारित करे कि यह हमारा %बुलडोज़र जस्टिस% है। यह भारतीय संविधान की उस भावना की भी अवहेलना है जो मानती है कि अपराध साबित होने तक हर आरोपी निर्दोष है, किसी एक के अपराध की सज़ा उसके परिवार को नहीं दी जा सकती। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के दो जज जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की संयुक्त पीठ ने कहा- नागरिकों के सिर की छत ऐसे नहीं गिराई जा सकती।ये मामले हमारे विवेक को झकझोर देते हैं। यह क़ानून और मानवता के ख़िलाफ़ है।% कोर्ट ने बुलडोज़र न्याय को बुलडोज़र अन्याय साबित करते हुए प्रत्येक परिवार को दस-दस लाख रुपए मुआवज़ा देने का आदेश भी दिया। केवल आरोप और शक के आधार पर किसी का घर बुलडोज़ कर देने की यह बीमारी भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के साथ छूत की तरह अन्य राजनीतिक दलों को भी लग रही है। सवाल यह है कि यह लोकतांत्रिक ढंग से चुनी हुई सरकारें ऐसे तमाम फंडे क्यों अपनाने लग जाती हैं कि लगता है जैसे देश में क़ानून का राज समाप्त हो गया हो? उत्तर प्रदेश सरकार के वकील का तर्क था कि दस लाख के मुआवज़े की कोई ज़रूरत नहीं है क्योंकि अपील करने वालों के पास नए घर हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय ने लगभग फटकार लगाते हुए कहा कि %इससे प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को ग़लती का एहसास होगा और प्राधिकरण भविष्य में कानूनी प्रक्रिया का पालन करना याद रखेगा। वैसे देखने में यही आया है कि सरकारें ऐसी घटनाओं को ग़लत नहीं मानतीं। तभी प्रदेश के मुख्यमंत्री ने भी कह दिया है कि बुलडोज़र का उपयोग ज़रूरत है, कोई उपलब्धि नहीं।मामला करीब चार साल पुराना है। मार्च 2021 में प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने लूकरगंज क्षेत्र के मकानों को केवल एक दिन के नोटिस पर बुलडोज़र से ढहा दिया। इसका वायरल वीडियो, जिसमें एक आठ साल की बच्ची आग और बुलडोज़र से अपनी किताबों को बचा रही है, वह पिछले माह का है। दृश्य, जिसने सर्वोच्च अदालत की अंतरात्मा को झकझोर दिया था, उसमें उत्तरप्रदेश के अंबेडकर नगर के अरई गांव की बच्ची अनन्या यादव है। वह पहली कक्षा में पढ़ती है। उस दिन 24 मार्च को उसने रोज़ की तरह स्कूल से आकर अपने छप्पर में बस्ता रखा ही था कि आग लग गई। उस छप्पर में अनन्या का परिवार जानवरों को बांधता है। एक तरफ़ आग लगी थी, दूसरी ओर पुलिस तथा नगर निगम का अमा उसके घर को ज़मींदोज़ करने में लगा था।बच्ची ने एक रिपोर्टर को बताया कि उसे डर था कि अगर उसकी किताबें जल गईं तो दोबारा नहीं मिलेंगी। इसके लिए वह आग में भी चली गई। नाम के मुताबिक यह बच्ची अनन्या (उस जैसा कोई नहीं) ही है लेकिन यह कितना डरावना है कि सरकारें कोई भी हों, अतिक्रमण हटाने के नाम पर आए दिन घरों को उजाड़ती हैं। ये दस्ते जब इन जगहों पर पहुंचते हैं तो चीत्कार का आलम होता है। इनके बुलडोज़रों के आगे घर की महिलाएं लेट जाती हैं, हाथ जोड़ती हैं, आंसुओं से विनती करती हैं; लेकिन किसी का दिल नहीं पसीजता। ये सब जैसे एक राक्षस में तब्दील होकर हुकुम की तामील में लग जाते हैं। इन पीड़ितों के चेहरे उन चेहरों से कतई अलग नहीं होते जो युद्ध और दंगा पीड़ितों के होते हैं। इनकी आखों में उसी भय और पीड़ा को पढ़ा जा सकता है। अफ़सोस कि प्रशासन के दिल और दिमाग़ भी इन्हीं बुलडोज़रों जैसे सख़्त होते हैं और अब सख़्ती को ही उन्होंने अपना शगल बना लिया है। सवाल यही है कि इस शासन के पीछे जो नेता हैं वे क्यों जनता के समर्थन से जीतने के बाद जनता का ही दमन करने लगते हैं?पूछने पर इस सवाल का प्रभावी जवाब एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से आता है। उसके मुताबिक बहुत बार ऐसा होता है कि लोकतांत्रिक तरीके से ही तानाशाह भी सत्ता में आ जाते हैं। अपनी हार के डर से वे संवैधानिक संस्थाओं को कमज़ोर करते हैं, विपक्ष की आवाज़ को दबाते हैं और स्वतंत्र मीडिया को मौन कर देते हैं। आलोचकों और विरोधियों को चुप करने के लिए कानूनी पेंचों का इस्तेमाल करते हैं और कभी-कभार क़ानून बदलकर अपनी ताक़त बढ़ाते हैं। मकसद केवल एक होता है- सत्ता लंबे वक्त तक उनकी बनी रहे। कोई-कोई तो हमेशा के लिए। देशों की बात करें तो रूस और चीन के राष्ट्राध्यक्ष आजीवन पद पर बने रहने का इंतज़ाम कर चुके हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी अमेरिकी संविधान में संशोधन करना चाहते हैं ताकि तीसरी बार सत्ता संभाल सकें। क़ायदे से वहां एक व्यक्ति केवल दो बार राष्ट्रपति बन सकता है। यह अलग बात है

कि वहां के लोग अब पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को भी तीसरी बार पद पर देखने की ख्वाहिश ज़ाहिर कर रहे हैं।बुलडोज़र राज पर लौटते हैं। आखिर छह महीने पहले भी क्यों सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा था कि एक पखवाड़े तक बुलडोज़र नहीं चलेगा तो कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा? न्यायालय की टिप्पणी थी कि, %कानून दरअसल किसी के भी घर को महज इसलिए गिराए जाने की आज्ञा नहीं देता कि वे किसी मामले में आरोपी हैं; और ऐसा तो किसी दोषी के मामले में भी नहीं किया जा सकता।% न्यायपालिका उस राजनीतिक प्रतीकवाद से बेख़बर नहीं रह सकती जिसमें बुलडोज़र प्रशासन द्वारा दंगाई बताये गये लोगों को सामूहिक दंड देने का उपकरण बन गया है। बीते साल छह राज्यों में 1933 आरोपियों की संपत्ति पर बुलडोज़र चले हैं। इनमें सबसे ज़्यादा 1535 कार्रवाइयां उत्तरप्रदेश में हुई हैं। उसके बाद मध्यप्रदेश (259), हरियाणा (64), गुजरात (55), राजस्थान (10) और दिल्ली (10) हैं। उत्तरप्रदेश में 2017 में पहली बार बुलडोज़र चला था तब 13 बाहुबलियों के मकान ढहा दिए गए थे। इसके बाद 8 पुलिसकर्मियों की हत्या के गैंगस्टर विकास दुबे की 100 करोड़ से भी ज़्यादा की संपत्ति को मिट्टी में मिला दिया गया। त्वरित न्याय का चस्का सत्ता को ऐसा लगा कि फिर विकास दुबे को ही मुठभेड़ में मार दिया गया।

कानपुर के बाद यही प्रयागराज में हुआ। इस मामले में गैंगस्टर अतीक़ पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। एक पल के लिए मान भी लिया जाए कि वे दुर्दांत अपराधी रहे होंगे, लेकिन क्या फिर इसी न्याय व्यवस्था को हमारे गणतंत्र की व्यवस्था मान लिया जाए? आमजन में डर पैदा करना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार का मकसद कैसे हो सकता है? ऐसी व्यवस्था में बड़े हुए बच्चे कैसे नागरिक बनेंगे? अनन्या यादव अधिकारी बनना चाहती है लेकिन ऐसे हादसे कैसे उसे सहज और मज़बूत रखेंगे?

अच्छी बात यही है कि छह अपीलकर्ताओं को सुप्रीम कोर्ट ने मुआवज़े का निर्देश दिया है। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के उर्दू विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष अली अहमद फ़ातमी, जिनका घर बुलडोज़र से ढहा दिया था, उनकी लाइब्रेरी और सैकड़ों किताबें भी इस कार्रवाई में ज़मींदोज़ कर दी गई थीं, कहते हैं-%जिस घर में रह रहे थे, उसका गिरना बहुत दर्द भरा था लेकिन बहुत शुक्रगुज़ार हूं कि सुप्रीम कोर्ट ने इस दर्द को समझा।

संपादकीय

संविधान से बड़ी छेड़छाड़ का रास्ता खुला

अपनी संख्या बल के आधार पर चाहे भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) की सरकार ने देश के वक्फ़ कानून में अपनी मर्जी का बदलाव करने में सफलता पा ली हो, लेकिन जो संदेश इसे पारित करने के लिये, खासकर लोकसभा में हुए मतदान ने जनता को दिया है उससे सम्भवतः देश के अल्पसंख्यकों को यह जानने में मदद मिलेगी कि उनकी जगह क्या है, उनके खैरख्वाह कौन हैं और कौन अहित चाहते हैं। लोकसभा ने बुधवार को 288 के मुकाबले 232 वोटों के बहुमत से वक्फ़ संशोधन विधेयक, 2024 को पारित कर दिया तथा गुरुवार को राज्यसभा में दिन भर से इस पर चर्चा जारी है। इस सदन में 236 सदस्य हैं। बिल को पास करने के लिये 119 सदस्य चाहिये जबकि भाजपा के इसमें 98 सदस्य हैं। लोकसभा में इस विधेयक के पक्ष में विरोधी खेमे के 5 सदस्यों के वोट पड़े थे। राज्यसभा में भाजपा आवश्यक आंकड़ा प्राप्त करती है या नहीं, यह देखना होगा। हालांकि इस सदन में प्रस्ताव गिर भी जाये तो भी सरकार को फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि बाद में उसे दोबारा भेजकर संवैधानिक नियमों के तहत पारित करा ही लिया जायेगा। इसे उच्च सदन पूरी तरह से रोक नहीं पायेगा।इस कानून के एक तरह से अस्तित्व में आ जाने के बाद अब वक्त है कि अल्पसंख्यक, विशेषकर मुस्लिम सोचें कि उन्हें आगे क्या करना है। यह ऐसा समय है जब उन्हें समझना होगा कि कौन से राजनीतिक दल और व्यक्ति उनका वाकई भला चाहते हैं और किन दलों ने इस विधेयक को पारित कराने में सहयोग देकर उन्हें कमजोर करने का मार्ग प्रशस्त किया है। वैसे तो मतदान का जो पैटर्न दिखा तथा विधेयक के पक्ष-विपक्ष में जो तर्क दिये गये, वे बता देते हैं कि कौन सा दल उनके पक्ष में खड़ा है। कोई यह न सोचे कि यह पैटर्न वक्फ़ कानून पर मतदान तक ही सीमित रहेगा। पहली बार 8 अगस्त, 2024 को जब यह विधेयक संसद में पेश हुआ था, तब उस पर हुई चर्चा, तत्पश्चात उसे संयुक्त संसदीय समिति में भेजे जाने तक कुछ दलों का रवैया आश्चर्यजनक ढंग से तथा उम्मीदों के विपरीत भाजपा के प्रति सहयोगात्मक रहा। ये वे दल हैं जो वक्फ़ कानून पर सरकार से बात कर सकते थे। इनमें से कम से कम दो तो ऐसी पार्टियां हैं ही जो अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षक मानी जाती रही हैं और उन्हीं पर सरकार टिकी हुई है। यदि एक बार भी वे समर्थन वापसी की धमकी देते तो यह विधेयक भाजपा सरकार अलमारी में बन्द कर देती।

ये दोनों दल हैं- आंध्रप्रदेश की तेलुगु देसम पार्टी और बिहार की जनता दल यूनाइटेड जिसके क्रमशः 16 और 12 सदस्य हैं। दोनों ही अल्पसंख्यक समर्थक पार्टियां कहलाती हैं लेकिन इस विधेयक को उनके मिले समर्थन ने यह भरम तोड़ दिया।इस विधेयक पर चर्चा ने सियासी समीकरणों को तथा सत्ता के लिये विचारधारा की कुर्बानियों को और भी स्पष्ट कर दिया है। इस कानून को पारित कराकर भाजपा यह बताने में कामयाब रही है कि इस लोकसभा के चुनाव में उसे चाहे कम सीटें मिली हों लेकिन जनता अब भी उसके साथ है तथा एनडीए को कोई खतरा नहीं है। जेडीयू व टीडीपी के सांसदों के अलावा राष्ट्रीय लोक दल के जयंत चौधरी, हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा के जीतनराम मांझी एवं जनशक्ति पा (रामविलास) के चिराग पासवान से भी अल्पसंख्यक व धर्मनिरपेक्षता में यकीन करने वालों को उम्मीद थी कि वे उनके पक्ष वाली लाइन पर चलेंगे लेकिन वे भ सरकार के साथ रहे। इनमें से कई मंत्री व सांसद त अपने भाषणों में भाजपा ही नहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक सं को भी मात देते हुए नज़र आये।कोई यह न समझे कि संदेश केवल अल्पसंख्यकों से सम्बन्धित इस विधेयक तक ही सीमित है। यही हाल दलितों व ओबीसी स सम्बन्धित किसी भी फैसले के वक्त होगा- फिर चाहे व उनके खिलाफ ही क्यों न हो। यह अवसर न केवल अल्पसंख्यकों को राजनीतिक विचारधारा तथा सियास दलों के साथ अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने क है, बल्कि दलितों, अन्य पिछड़े वर्गों, अति पिछड़े वग और आदिवासियों के बारे में यह कहा जा सकता है सत्ता सुख के लिये ये पार्टियां वक्फ़ कानून को समर्थ दे सकती हैं

ट्रम्प के टैरिफ पर केनेडा, मैक्सिको और चीन से भारत सबक ले

डील के विपरीत, केनेडा को यूरोपीय संघ और चीन से दुर्लभ खनिज सामग्री मिलेगी। अमेरिकी टैरिफ नीति अंततः आर्थिक अलगाव की ओर ले जा सकती है और समय के साथ रणनीतिक खतरों के खत्म होने के बाद टैरिफ पर अंतिम विराम भी लग सकता है। वास्तव में, टैरिफ अमेरिका के लिए कभी काम नहीं किया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने चीनी आयात पर 20 प्रतिशत और केनेडाई और मैक्सिकन वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया। केनेडा ने 20.7अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के अमेरिकी निर्यात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाकर जवाबी कार्रवाई की। यदि 21 दिनों के बाद ट्रम्प टैरिफ में कटौती नहीं करते हैं, तो इस प्रतिशोध को 86.2अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के सामानों तक बढ़ाने की संभावना है। चीन ने पहले भी विभिन्न अमेरिकी निर्यातों पर 10 से 15 प्रतिशत टैरिफ लगाकर जवाबी कार्रवाई की है। भारत पर टैरिफ 2 अप्रैल, 2025 से शुरू होने वाले हैं। अमेरिका केनेडा का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। इसलिए, केनेडा अत्यधिक असुरक्षित है। विशुद्ध रूप से संख्याओं (विशेष रूप से जीडीपी के प्रतिशत के रूप में व्यापार) के आधार पर, यह स्पष्ट है कि केनेडा और मैक्सिको को ट्रम्प के टैरिफ से सबसे अधिक नुकसान होने की संभावना है। विशेष रूप से, स्टील पर 25 प्रतिशत टैरिफ और एल्युमीनियम उत्पादों पर 10 प्रतिशत टैरिफ के साथ-साथ विभिन्न अन्य वस्तुओं पर टैरिफ के कारण।यूनाइटेड स्टेट्स-मेक्सिको-केनेडा समझौते (यूएसएमसीए) के तहत, इन देशों को व्यापार में न्यूनतम बाधाओं के साथ अमेरिकी बाजार में अपेक्षाकृत खुली पहुंच प्राप्त थी। टैरिफ के कारण केनेडाई निर्माताओं की लागत बढ़ गयी, जिससे उनके ऑटोमोबाइल जैसे सामान अमेरिकी बाजार में कम प्रतिस्पर्धी हो गये।

जवाबी कार्रवाई में, केनेडा ने सोयाबीन, डेयरी उत्पाद, केचप, व्हिस्की और गद्दे जैसे उत्पादों सहित 12अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के अमेरिकी सामानों पर टैरिफ लगाया, जिससे केनेडाई निर्यात पर निर्भर अमेरिकी कंपनियों की लागत बढ़ गयी। केनेडा अमेरिकी ईवी निर्माता टेस्ला पर 100 प्रतिशत कर लगाने पर सक्रिय रूप से विचार कर रहा है। देश अमेरिकी ग्राहकों को बिजली पर अधभार लगाने की भी योजना बना रहा है।चीनी और केनेडाई निर्मित ऑटोमोबाइल घटकों पर टैरिफ लगाने के ट्रम्प के फैसले से अन्य अमेरिकी कार निर्माता भी प्रभावित हो रहे हैं। इसी तरह, मेक्सिको को भी महत्वपूर्ण व्यापार व्यवधानों का सामना करना पड़ा। विशेष रूप से स्टील और एल्युमीनियम पर टैरिफ ने मैक्सिकन उद्योगों को प्रभावित किया, ज इन कच्चे माल के

अमेरिकी निर्यात पर निर्भर हैं।दूसरी ओर, चीन ने रणनीतिक रूप से अपने उत्पादन आधार को मेक्सिको में स्थानांतरित कर दिया, जिससे उन पर लगाये गये टैरिफ के शुरुआती प्रभाव को प्रभावी ढंग से कम किया जा सका। चीन ने ट्रम्प 1.0 से अपने सबक सीखे। इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और उपभोक्ता उत्पादों सहित उद्योगों में सैकड़ों अरबों डॉलर के चीनी निर्यात पर 2018 में लगाये गये अमेरिकी टैरिफ से चीन बुरी तरह प्रभावित हुआ था।बदले में, चीन ने सोयाबीन, मांस और मुर्गी, कार और रसायनों जैसे अमेरिकी सामानों पर टैरिफ लगाकर जवाबी कार्रवाई की। इसके बजाय, वे अब अपने अधिकांश सूअर के मांस को स्पेन, जर्मनी और फ्रांस से खरीदते हैं, और ब्राजील और वेनेजुएला से सोयाबीन और कॉफी जैसी कृषि वस्तुओं की खरीद करते हैं।2018 में अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बढ़ने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह से बाधित हुई, खास तौर पर इन दोनों देशों से जुड़ी आपूर्ति श्रृंखला। तब से, चीन ने अपने उत्पादन आधार को रणनीतिक रूप से बदलना शुरू कर दिया। चीन ने अमेरिका पर अपनी व्यापार निर्भरता को सफलतापूर्वक कम कर दिया है।कुल अमेरिकी व्यापार में चीन की हिस्सेदारी- जिसे निर्यात और आयात के योग के रूप में मापा जाता है- 2018 में 15.7 प्रतिशत से घटकर 2024 में 10.9 प्रतिशत हो गयी। इसी अवधि में चीन के कुल व्यापार में अमेरिका की हिस्सेदारी 13.7 प्रतिशत से घटकर 11.2 प्रतिशत हो गयी।अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई ने चीन पर अपने स्टील उत्पादों को मैक्सिकन के रूप में फिर से भेजने का आरोप लगाया, ताकि अवैध रूप से अमेरिकी बाजार में प्रवेश किया जा सके। 2023 में मैक्सिकन वस्तुओं का कुल अमेरिकी आयात .475अरब था, जो 2022 के आंकड़े से लगभग .20अरब अधिक है। 2023 में चीन से अमेरिका द्वारा आयातित वस्तुओं की कुल मात्रा 427अरब अमेरिकी डॉलर थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर कम है।

कुल परिणामः कम से कम 30 चीनी फर्म वर्तमान में मेक्सिको से काम कर रही हैं, जिनमें बीवाईडी और चेरी इंटरनेशनल जैसी चीनी ऑटोमोबाइल प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। चीन ने पिछले कुछ वर्षों में मेक्सिको में 30 प्रतिशत अधिक एफडीआईडाला है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि चीनी अधिक आक्रामक हैं, खुले तौर पर कह रहे हैं कि वे व्यापार युद्ध में शामिल होने से डरते नहीं हैं।भारत के लिए, अमेरिका पर व्यापार निर्भरता केनेडा और मेक्सिको की अमेरिका के साथ व्यापार निर्भरता के स्तर की तुलना में उतनी अधिक नहीं है। अमेरिका को भारत द्वारा किये जाने वाले मुख्य निर्यात में परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद, रत्न और आभूषण, परिधान और वस्त्र, इंजीनियरिंग सामान और दवा उत्पाद शामिल हैं। इनमें से, ट्रम्प ने दवाइयों की वस्तुओं पर टैरिफ लगाने का उल्लेख किया, जो अंततः उल्टा पड़ सकता है क्योंकि इससे अमेरिका में दवा की लागत बढ़ जायेगी।

इस बार ट्रम्प का टैरिफ काम नहीं कर रहा है, इसके स्पष्ट संकेत हैं। नवीनतम अमेरिकी आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी में 4 प्रतिशत से फरवरी 2025 में अमेरिका में बेरोजगारी दर बढ़कर 4.1 प्रतिशत हो गयी। इस वृद्धि का श्रेय व्यापार नीतियों में अनिश्चितता और संघीय सरकार के व्यय में भारी कटौती को दिया जा सकता है।

वॉल स्ट्रीट तब से क्रैश हो गयी है। केनेडा अपने कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस चीन और यूरोपीय संघ को बेचने की उम्मीद कर रहा है, जो मूल रूप से अमेरिका के लिए निर्धारित था। मेक्सिको भी अमेरिकी रिफाइनरियों को भेजे जाने वाले कच्चे तेल की कीमतों पर अंकुश लगाने पर विचार कर रहा है।डील के विपरीत, केनेडा को यूरोपीय संघ और चीन से दुर्लभ खनिज सामग्री मिलेगी। अमेरिकी टैरिफ नीति अंततः आर्थिक अलगाव की ओर ले जा सकती है और समय के साथ रणनीतिक खतरों के खत्म होने के बाद टैरिफ पर अंतिम विराम भी लग सकता है।

वास्तव में, टैरिफ अमेरिका के लिए कभी काम नहीं किया। आंकड़े दिखाते हैं कि अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान ट्रम्प द्वारा प्रमुख टैरिफ घोषणा के बाद भी चीन के साथ अमेरिकी व्यापार घाटा बढ़ता रहा। बराक ओबामा के कार्यकाल (2009-2016) के दौरान हर साल चीन के साथ अमेरिका का औसत व्यापार घाटा 311अरब अमेरिकी डॉलर था। ट्रम्प के पहले कार्यकाल (2017-2020) में यह औसत व्यापार घाटा 361अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गया। इसके बाद जब जो बाइडेन राष्ट्रपति बने (2021-2024) तो यह घटकर 327अरब अमेरिकी डॉलर रह गया।भारत के लिए सबक बहुत स्पष्ट है। देश को ट्रम्प के साथ कड़ी बातचीत करनी होगी। आदर्श रूप से, भारत को ईवी पर भारतीय टैरिफ में एकतरफा कटौती करने या स्टारलिंक को देश में संचालन करने की पूरी छूट देने के बजाय भारत पर लक्षित ट्रम्प के टैरिफ को लागू होने देना चाहिए। अब यह स्पष्ट है कि ट्रम्प-मस्क की जोड़ी की अगुआई में अमेरिकी वार्ता, भारतीय बाजार में अधिक पहुंच के लिए प्रयास करेगी। हालांकि, यह तभी दिया जाना चाहिए जब भारतीय सेवा निर्यात को अमेरिकी बाजार में अधिक पहुंच मिले।इस बात के संकेत पहले से ही मिल रहे हैं कि ट्रम्प टैरिफ लगाने की अपनी योजना से पीछे हट रहे हैं, क्योंकि उन्होंने केनेडा के स्टील और धातु आयात पर अमेरिकी टैरिफ को दोगुना करके 50 प्रतिशत करने के प्रस्ताव को धमकी देने के कुछ ही घंटों बाद रोक दिया है। ट्रम्प बस स्थिति का जायजा ले रहे हैं, और एक सच्चे व्यवसायी के रूप में, अगर वे अपने व्यापारिक साझेदारों को आक्रामक तरीके से जवाब देते हुए देखेंगे तो वे अपना रुख नरम कर लेंगे।

पार्वती घाटी में घूमने की हैं कई बेहतरीन जगहें

पार्वती घाटी के दूर के छोर पर स्थित, तोश को सुंदर घाटी का अंतिम गाँव माना जाता है जो हिप्पी और साहसिक उत्साही लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय है। तोश की सड़क लंबी और घुमावदार है। तोश अन्य शहरों के विपरीत है जो मणिकरण या कसोल जैसे पार्वती नदी के साथ स्थित हैं।

भारत अपनी भौगोलिक विविधता के लिए जाना जाता है और यही कारण है कि यहां के हर राज्य में आपको प्रकृति का एक अलग सौंदर्य देखने को मिलेगा। ऐसा ही एक स्थान हिमाचल प्रदेश में भी स्थित है। भुंतर से स्पीति तक फैली, पार्वती घाटी हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में स्थित है। घाटी के पास घूमने के लिए कई आकर्षक स्थान हैं। रुद्र-नाग, सर्प के आकार का झरना, खिरगंगा के देवदार के जंगल जहाँ भगवान शिव का ध्यान किया जाता है, पांडु पुल का चट्टान का निर्माण और पिन-पार्वती दर्रा कुछ लोकप्रिय पर्यटन आकर्षण हैं। पिन वैली नेशनल पार्क एक अन्य पर्यटक आकर्षण है और यह हिम तेंदुए सहित वन्यजीवों की आबादी के लिए जाना जाता है। तो चलिए आज हम आपको पार्वती घाटी के आसपास घूमने की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बता रहे हैं-

कसोल

हिमाचल प्रदेश में मिनी इज़राइल के रूप में जाना जाता है, कसोल पार्वती घाटी में एक हिल स्टेशन है। यह कुल्लू से 42 किमी पूर्व में 1640 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। कसोल अपनी सुंदर घाटी, पहाड़ों और महान जलवायु के कारण पूरे वर्ष बैकपैकर्स, ट्रेकर्स और प्रकृति के प्रति उत्साही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पर मौजूद कैफे और रेस्तरां स्थानीय व्यंजनों के साथ इजरायल के व्यंजन परोसते हैं। कसोल में पार्वती नदी सफेद पानी राफ्टिंग के लिए आदर्श है। कसोल में पूरे साल सुखद मौसम रहता है। कसोल घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से मई तक है।

तोश

पार्वती घाटी के दूर के छोर पर स्थित, तोश को सुंदर घाटी का अंतिम गाँव माना जाता है जो हिप्पी और साहसिक उत्साही लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय है। तोश की सड़क लंबी और घुमावदार है। तोश अन्य शहरों के विपरीत है जो मणिकरण या कसोल जैसे पार्वती नदी के साथ स्थित हैं। हालाँकि कुछ हद तक इसका व्यवसायीकरण हो गया है, फिर भी सड़कें, दुकानें और घर समान हैं। आप दिन में अपने चारों ओर बर्फ से ढके पहाड़ों और ग्लेशियरों को देख सकते हैं और रात में आकाश में फैले मिल्की वे को देख सकते हैं। या आप पास के ट्रेकिंग ट्रेल्स पर घूमने जा सकते हैं।

रसोल

पार्वती घाटी के लोकप्रिय शहर कसोल से लगभग 4 किमी की दूरी पर स्थित, रशोल या रसोल एक गाँव है जो तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहा है। पार्वती नदी की भीड़ से दूर, रसोल पहाड़ों में ऊंचे स्थान पर स्थित है, जो समुद्र तल से लगभग 3,000 मीटर की ऊंचाई पर है।

एडवेंचर्स प्लेसेस पर घूमना लगता है अच्छा तो शादी से पहले एक बार इन जगहों पर जरूर जाएं

भारत एक टूरिस्ट फेंडली देश है। यहां अंतरराष्ट्रीय से लेकर घरेलू पर्यटकों के देखने व घूमने के लिए काफी कुछ है। फिर भले ही आप प्रकृति प्रेमी हों या कुछ वक्त शांत माहौल में खुद के साथ बिताना चाहते हैं। आपको बीचेस पर घूमना पसंद हो या फिर कुछ रोमांचक करना, भारत में आपको हर तरह की एक्टिविटी करने का मौका मिलेगा। आज इस लेख में हम आपको भारत की कुछ एडवेंचर्स जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप भरपूर मौज-मस्ती करके एक नया एक्सपीरियंस ले सकते हैं। तो चलिए जानते हैं भारत की कुछ एडवेंचर्स प्लेसेस के बारे में-

ऋषिकेश

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। आप गंगा नदी में राफ्टिंग, रॉक एंड क्लिफ चढ़ाई जैसी गतिविधियां कर सकते हैं, पास के जंगल में एक सर्वाइवल कैंप में भाग ले सकते हैं या बंजी जंपिंग भी कर सकते हैं।

लद्दाख

लद्दाख को कई मठों की भूमि के रूप में जाना जाता है। यह शहर भारत में सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित है। यहां के आसपास की भूमि की स्थलाकृति, ट्रेकिंग और राफ्टिंग के लिए एक आदर्श स्थान है। लद्दाख की प्रसिद्ध चदर ट्रेक, जो एक जमी हुई नदी पर एक ट्रेक है, यहाँ होता है। इसके अलावा, आप खूबसूरत ज़ांस्कर घाटी में राफ्टिंग कर सकते हैं।

गुलमर्ग

गुलमर्ग जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित है। यहां पर आने के बाद आपको स्विट्ज़रलैंड के एक विशिष्ट गांव की याद जरूर आएगी। पूरा शहर एक उच्च ऊँचाई पर स्थित है और भारी बर्फबारी का सामना करता है। यहां प्राप्त बर्फबारी होने के कारण, हेलि-स्कीइंग यहां का एक लोकप्रिय रोमांचक खेल है। हेलि-स्कीइंग में स्की पर हेलीकॉप्टर से कूदना और कठोर ठंडी हवाओं का सामना करना शामिल है।

मनाली

मनाली उत्तरी राज्य हिमाचल प्रदेश में स्थित एक टाउनशिप है और एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है। मनाली में आपको कई एडवेंचर्स एक्टिविटी जैसे पार्वती घाटी में ट्रैकिंग आदि करने का मौका मिलेगा। हालांकि, यहां सबसे प्रसिद्ध रोमांचक गतिविधियों में से एक बाइकिंग करना है। मार्ग आपको मनाली में स्थित विभिन्न गाँवों और इसके आसपास के इलाकों में ले जाएंगे। इस दौरान आपको कुछ सुंदर परिदृश्यों से गुज़रना होगा और वास्तव में आप इस जगह का अनुभव कर सकते हैं।

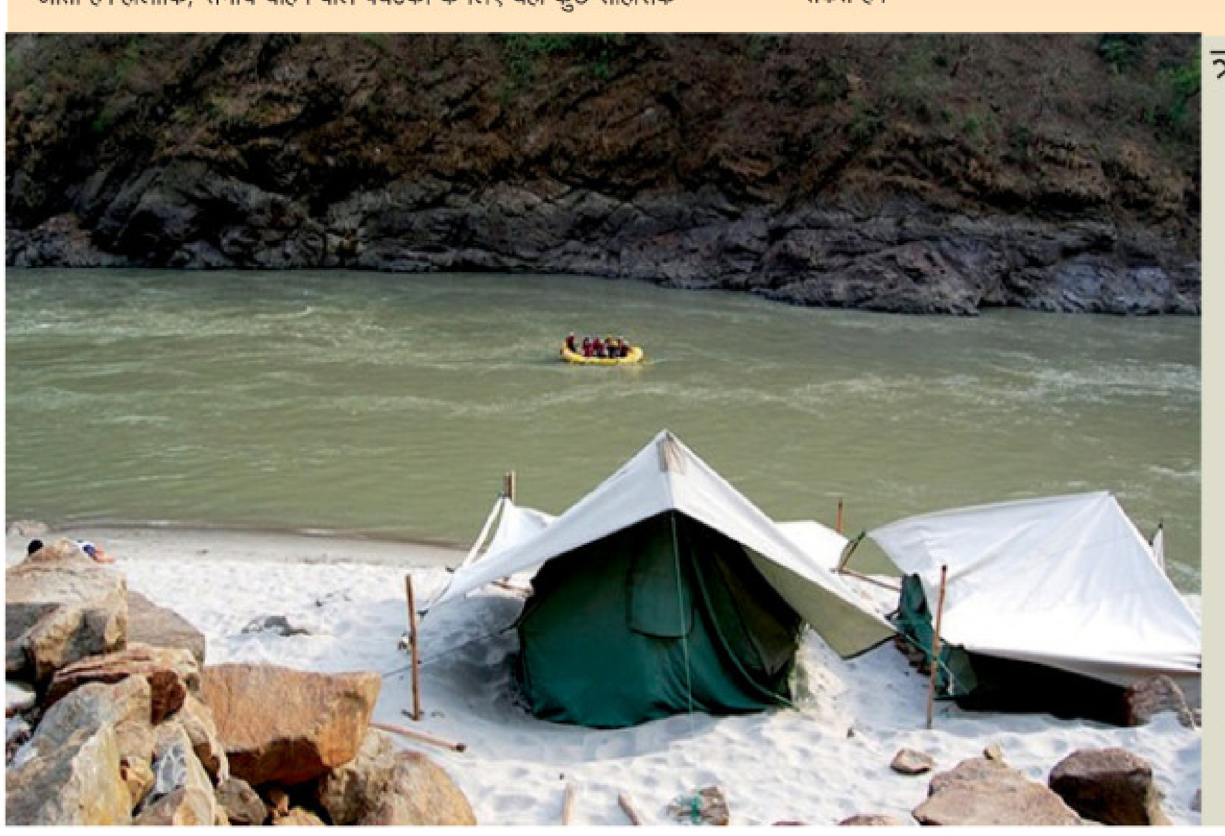

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

पुदुचेरी में यह जगह करवाएंगी आपको एक अलग अनुभव

तमिलनाडु राज्य का पुदुचेरी शहर कई मायनों में देश के अन्य शहरों से काफी अलग है। दरअसल, तमिलनाडु के पुदुचेरी में करीबन 300 साल तक फ्रांसीसी अधिकार रहा, जिसका व्यापक प्रभाव इस शहर पर पड़ा। आज भी पुदुचेरी में आपको फ्रांसीसी वास्तुशिल्प और संस्कृति की छटा दिखेगी। इतना ही नहीं, यहां का प्राकृतिक सौंदर्य तो अनुपम है ही, साथ ही इसका अपना एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। घुमक्कड़ी के शौकीन लोगों को एक बार इस शहर का भी दौरा करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुदुचेरी में घूमने लायक कुछ अच्छी जगहों के बारे में बता रहे हैं-

गिंगी किला

पुदुचेरी में घूमने के लिए गिंगी किला सबसे अच्छे स्थानों में से एक है। किले को 1921 में एक राष्ट्रीय स्मारक के रूप में घोषित किया गया है। एक अद्वितीय वास्तुशिल्प उपलब्धि होने के अलावा यह राज्य के कुछ महत्वपूर्ण किलों में से एक है। इतिहास और वास्तुकला प्रेमियों को पुदुचेरी में छुट्टियों में इस जगह पर एक बार जरूर जाना चाहिए।

श्री गोकिलम्बल थिरुक्मेश्वर मंदिर

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, मंदिर में एक विशाल 15 मीटर लंबा मंदिर रथ है जो आम तौर पर ब्रह्मोत्सवम के दौरान एक जुलूस पर निकाला जाता है, जो मूल रूप से पुदुचेरी का वार्षिक उत्सव है। यह 2 दिनों में पुदुचेरी में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

जवाहर टॉय म्यूजियम

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, जवाहर टॉय म्यूजियम एक डॉल हाउस है, जिसमें विभिन्न भारतीय राज्यों से लाए गए 140 से अधिक डॉल हैं। जवाहर टॉय म्यूजियम मुख्य शहर में, पुराने प्रकाश स्तंभ पर स्थित है, जो गांधी मैदान के पास है। इस संग्रहालय में कुछ दुर्लभ सजावटी गुड़िया और खिलौने हैं। यह केवल बच्चों और स्कूल के छात्रों को ही नहीं, बल्कि हर आंगतुक को एक आनंदमय अनुभव प्रदान करते हैं।

चुन्नमबार बोट हाउस

पुदुचेरी के प्राचीन बैकवाटर पर नाव की सवारी करके आप यकीनन खुद को प्रकृति के करीब पाएंगे। चुन्नमबार बोट हाउस प्रकृति प्रेमियों के लिए यकीनन एक बेहतरीन जगह है, जहां पर आप न केवल नाव की सवारी कर सकते हैं, बल्कि आश्चर्यजनक प्राकृतिक स्थानों का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

सीता कल्चरल सेंटर

पुदुचेरी में सीता कल्चरल सेंटर एक बहुत प्रसिद्ध फ्रेंको-भारतीय सांस्कृतिक केंद्र है और पुदुचेरी में घूमने के लिए कई स्थानों में से एक है। कैंडप्पा मुदलियार स्ट्रीट पर स्थित, यह पुदुचेरी के सबसे बेहतरीन पर्यटक आकर्षणों में से एक है। यहां पर इंडियन कुकिंग, कोलम लर्निंग, आयुर्वेदिक मेडिसिन, योगा, पिलेट्स, और तमिल भाषा से, विभिन्न दिलचस्प मल्टीपल और सिंगल सेशन क्लास हैं।

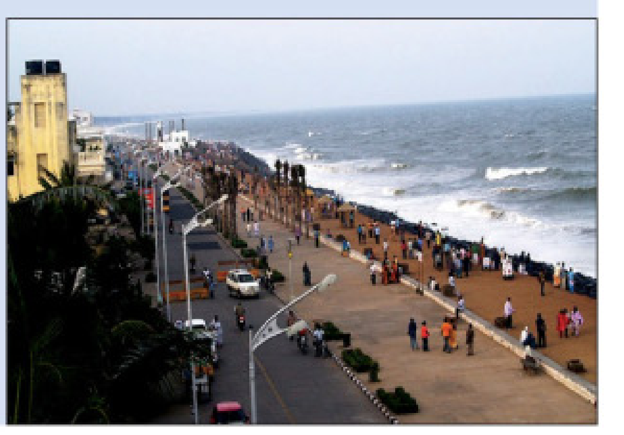

फैशन में हैं बिछुए

पायल के साथ बिछुओं की छमाछमा भी दुल्हन की पहचान रही है। पहले बिछुओ को सुहाग का प्रतीक कहा जाता था, इसलिए सिर्फ दुल्हनें या शादीशुदा युवतियों के द्वारा ही ये पहने जाते थे लेकिन अब ये विवाहित फैशनेबल युवतियों कि पहली पसंद बन गए हैं। फर्क सिर्फ इतना आया है कि पहले जहां ये युवतियों के लिए सौभाग्य का प्रतीक थे वहीं अब फैशन के प्रताक बन गये है।

आज युवतियों में स्टोन जड़े बिछुओं का क्रेज सिर चढ़ कर बोल रहा है पायल के साथ ये अच्छा संयोजन बनाते हैं। पायल के साथ एक चेन से जुड़ी हुई पैरों की ये अंगूठियां युवतियां वेस्टर्न ड्रेसेस के साथ भी खुब अपना रही हैं। कई तरह की वैराइटियों में पायल और बिछुओं का यह कांबिनेशन बाजार में मोजूद है। इन में प्लेन चेन से ले कर नगों तक की चेन के कई डिजाइन मिलते हैं, जिन पर बिछुओं के डिजाइन का एक स्टोन या नग भी लगा होता हैं।

सोने के मोती जड़े

बिछुए चांदी के साथसाथ सोडियम कोंटिग और आक्सीडाइज्ड रुप में सोने के भी बनने लगे हैं। ये कइ तरह के डिजाइनों में मिलते हैं। जैसे चटाई स्टाइल, फूलपतियों की सजावट वाले, मीनाकारी, कटवर्क, गोल व ओवल शेप में आजकल लेटेस्ट फैशन के स्टोन सेटिंग, रंगीन प्रेशियस स्टोन वाले बिछुए भी बाजार में मिल रहे हैं। वैसे मोती जड़े बिछुए भी काफी चलन में हैं। ये हर तरह की ड्रेस के साथ मैच कर जाते हैं।

पैरों में पहने जाने वाले ये अगूठीनुमा बिछुए परंपरागत डिजाइनों में भी मिलते हैं। इन में दुल्हन की डोली को बड़े ही कलात्मक अंदाज से बिछुओं पर उकेरा जाता हैं। ये पहनने में थोड़े लंबे होते हैं लेकिन आरामदायक भी होते हैं। इस तरह के थोड़े ज्यादा हैवी काम के बिछुओं की रेंज 250 रुपए से ले कर 600 रुपए तक है।

आर्टिफिशल भी कम नहीं

यह तो हुई बात चांदी के बिछुओं की लेकिन बाजार में आर्टिफिशल बिछुए भी मिलते हैं। इन की किमत 35 रुपए से शुरु हो कर 150 तक होती है। ये बिछुए ज्वेलर्स की दुकानो पर मिलते हैं। अगर आप भी अपने पैडिक्योर किए हुए पैरों की खुबसूरती में चार चांद लगाना चाहती हैं, तो ले आइए पैरों की ये अंगूठियां।

सावधान रहें रसोई घर में

यदि रसोईघर सुव्यवस्थित होगा, हर चीज करीने से सही स्थान पर रखी होगी तो आप खुद कई परेशानियों से बच सकती हैं व आने-जाने वाली सहेलियों व मेहमानों पर भी आपके सुव्यवस्थित व सुंदर रसोईघर का अच्छा प्रभाव पड़ सकता है।

रसोई घर में खाना बनाने से समेटने तक का कार्य गृहिणी स्वयं करती है। यहां तक कि खाना तैयार करने व परोसने का कार्य भी वह करती है।

परोसा गया खाना कैसा है? स्वच्छ है या नहीं? कम से कम समय में खाना तैयार हो आदि रसोईघर में संबंधित बातें गृहिणियों के ध्यान में होनी आवश्यक हैं। रोजाना जितना समय गृहिणी का रसोई घर में बीतता है उतना कहीं भी नहीं? रसोईघर को सुंदर, सुव्यवस्थित व सजी हुई रखना भी कुशल गृहिणी की पहचान है।

यदि रसोईघर सुव्यवस्थित होगा, हर चीज करीने से सही स्थान पर रखी होगी तो आप खुद कई परेशानियों से बच सकती हैं व आने-जाने वाली सहेलियों व मेहमानों पर भी आपके सुव्यवस्थित व सुंदर रसोईघर का अच्छा प्रभाव पड़ सकता है।

सावधानियां

- रसोईघर में हमेशा सूती कपड़े ही पहनें। टेरालीन, नायलोन, रेशमी कपड़े ताप के सुचालक होते हैं व आग जल्दी पकड़ते हैं। साड़ी बांध कर काम कर रही हैं तो साड़ी का पल्लू नीचे न लटके, यह भी ध्यान रखें। पहने हुए सूती वस्त्र ज्यादा ढीले-ढाले न हों।
- गैस चूल्हा जलाने से पूर्व माचिस या लाइटर व अन्य सामग्री अपने पास एकत्र अवश्य कर लें।
- दालें, चावल आदि को चुनने-बीनने का काम भोजन पकाते समय न करके भोजन पकाने से पूर्व ही करें।
- रसोईघर में हमेशा पैरों में फिसलने वाली चप्पलें या ऊंची एड़ी के सैंडिल न पहनें।
- कम सामग्री पकाने हेतु हमेशा छोटे बर्तनों का ही इस्तेमाल करें। इससे गैस की भी बचत होती है।
- खाद्ययुक्त सामग्री को हमेशा ढक कर ही रखें ताकि उनमें कीट-पतंग या कोई जहरीली वस्तु न गिर सके।
- रसोई के मसाले व अन्य सामान हमेशा प्रमाणित कम्पनियों या एगमार्क के ही इस्तेमाल करें।
- माचिस, मोमबत्ती या लैम्प को हमेशा एक ही स्थान पर रखें ताकि अंधेरे में भी उसे ढूंढा जा सके।
- माचिस व लाइटर को हमेशा गैस चूल्हे के पास रखें ताकि बाद में ढूंढना न पड़े।
- रसोई घर की सभी आवश्यक वस्तुओं को व्यवस्थित रखें। इससे रसोईघर की सुंदरता बढ़ेगी व सामान ढूंढने में भी परेशानी नहीं होगी।
- रसोई घर में कहीं भी सब्जी या चाय आदि वस्तु गिरने पर उस जगह पर गीले कपड़े का पोंछा अवश्य फेर दें ताकि वहां कोई दाग-धब्बा न रह सके व वहां मक्खियां भी न आ सकें।
- रसोई घर की खिड़कियों पर कभी पर्दे न लगाएं क्योंकि बाहर से तेज हवा आने पर पर्दे के पास रखी वस्तुएं गिरा सकती हैं या गैस से दुर्घटना भी हो सकती है।
- रसोई घर में खड़े-खड़े ज्यादा काम करने से आप थक भी सकती हैं अतः बैठ कर कार्य करने के लिए कोई ऊंचा स्टूल या कुर्सी अवश्य रखें।
- सिंक (जूठे बर्तन धोने की जगह) में ज्यादा देर जूठे बर्तन न रहने दें। इससे गंदगी फैलती है।
- सिंक से पानी बाहर निकलने की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।

कॉर्न एंड पीज पुलाव

सामग्री : 2 कप चावल, 1 कप हरे मटर, 1 कप मक्के के दाने, 1 प्याज के स्लाइसिस, 2 कप कोकोनट मिल्क, 2 टेवलस्पून तेल, थोड़ी-थोड़ी लौंग, इलायची व दालचीनी, 1 तेजपत्ता, नमक स्वादानुसार।

मसाले का पेस्ट : 1 प्याज, लहसुन की 6-7 कलियां, अदरक का एक टुकड़ा, 2 टेबलस्पून कद्दूकस किया हुआ नारियल। सभी को मिलाकर ग्राइंड करके पेस्ट बना लें।

विधि : एक पैन में तेल गरम करके साबुत गर्म मसाले और प्याज डाल कर भूनें। अब इसमें मसाले का पेस्ट मिलाकर भूनें। फिर बाकी बची हुई सामग्री और थोड़ा-सा पानी मिलाकर चावल के पकने तक पकाएं। व गर्मागर्म सर्व करें।

योग से निखारें सौंदर्य

चेहरा मनुष्य का आईना होता है, चेहरे को देख कर ही हम बता सकते हैं कि कौन सा व्यक्ति दुखी है, सुखी है, परेशान है, उदास है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि चेहरा ही हमारी और आपकी उम्र की पोल खोल देता है, चाहे हम कितने ही बाल क्यों ना काले करें।

- हमारी हर शारीरिक, मानसिक परेशानी या तकलीफ का सीधा असर चेहरे पर पड़ता है।
- शरीर में कहीं भी दर्द हो, तो उसका, प्रभाव चेहरे पर तुरंत पड़ता है।
- मानसिक परेशानी में चेहरा कुम्हला जाता है और चेहरे की कांति खो सी जाती है।
- खून की कमी के कारण भी चेहरा मुरझाया लगता है।
- सही खानपान ना होने के कारण भी चेहरे पर काफी असर पड़ता है।
- मानसिक परेशानी के कारण चेहरे पर फोड़े-फुंसियां भी निकल आती हैं।
- अकसर पानी कम पीने के कारण भी चेहरे की चमक चली जाती है।
- माहवारी आने से पहले भी चेहरा मुरझा जाता है।
- तेज धूप में बाहर निकलने से चेहरा रूखा और बेजान सा हो जाता है।
- गलत सौंदर्य प्रसाधनों का इस्तेमाल करने से भी चेहरा खराब हो जाता है।
- खाने-पीने की आदतों में सुधार लाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 2037

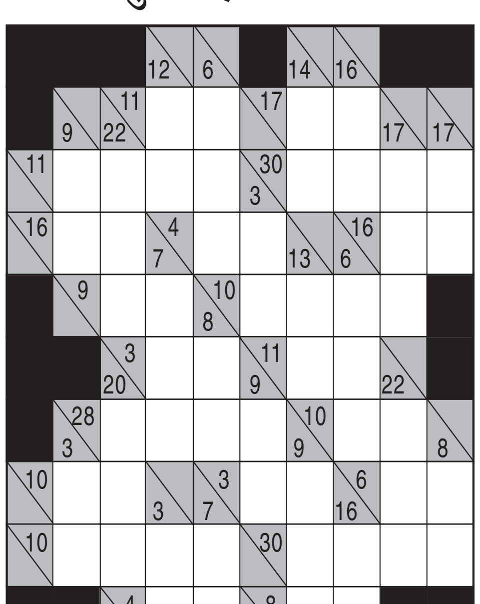

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

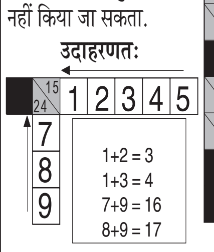

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2036 का हल

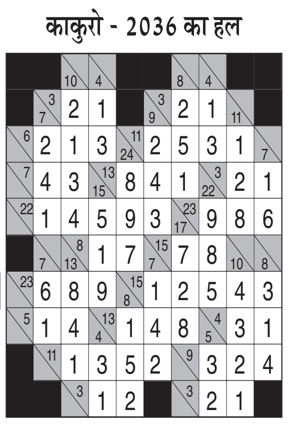

लॉफिंग ज़ोन

एक बार चमन अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ फिल्म देखने गया। वहाँ भी उसकी पत्नी हर समय उससे बातचीत में ही लगी रही। तंग आकर उसने इंटरवेल में पत्नी के लिए पान खरीदा और उसे दे दिया।

पत्नी बोली- एक पान तुम भी ले लो?

चमन बोला- मैं तो बिना पान खाए भी खामोश रह सकता हूँ।

□ □ □

चिंटू (चमन से)- क्या तुम बता सकते हो कि एक आदमी नेता बनने के बाद क्या खास काम करता है?

चमन- चुनाव के पहले वह अपना हाथ हिलाता है और बाद में जनता के विश्वास को।

□ □ □

कवि सम्मेलन के दौरान एक व्यक्ति अपने पास की कुर्सी पर बैठे कवि से बोला- कविवर, आपके पास पाँच सौ के छुट्टे है क्या?

कविवर (जिनके जेब में फूटी कौड़ी भी नहीं थी) इत्मीनान से बोले- छुट्टे तो नहीं हैं! किंतु.... यह पूछकर आपने जो मेरा मान बढ़ाया है, उसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2037

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५. अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९. चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमुताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते है' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2036

ब्लै	क	मे	ल		सौ	दा	ग	र	
	र्ज		की	म	त		द		माँ
आं		सू	र		न	फ	र	त	
दो	श	हा		खे		की		नु	
ल		ग	ज	ल		श	जा	जा	नी
न			मी		सं		ल		य
	गॅ	वा	र		जो	र		अं	त
को		रि		आ	ग		जो	श	
ह	व	स		द		खु	शी		लै
श			ज	मी	न		ला	ड	ला

सूडोकु -2037

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2036 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली - 2037

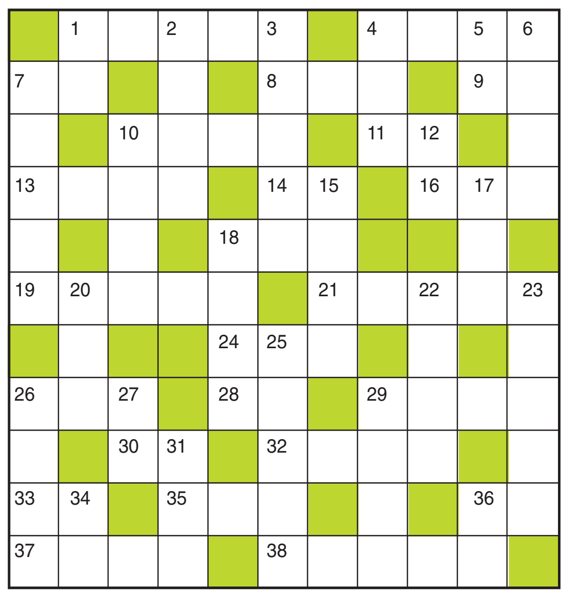

बाएँ से दाएँ

1.अनाथालय-5
4.जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7.कमरा,रूम-2
8.फिजूल-3
9.अंग्रेजी शराब-2
10.अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11.लक्ष्मी,कमला-2
13.ध्वनिहीनता,शांति-4
14.देवता,देव-2
16.प्रणाम,नमस्कार-3
18.रुधिरहीन,कमजोर-3
19.प्रस्थान करना-3,2
21.पालने वाला,ईश्वर-5
24.प्रेम,चाहना-3
26.वन,अरण्य,जंगल-3
28.विदेशी मदिरा-2
29.छिड़कना-4
30.धूल,मिट्टी-2
32.अंगीकार करना-4
33.छापा,सतत वर्षा-2
35.विरुद्ध-3
36.सुबह,प्रातःकाल-2
37.जोकर,विदूषक-4
38.संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1.इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2.उदारता,बड़प्पन-4
3.पत्नी का नाना-2,3
4.दसवीं राशि -3
5.बहादुर,निडर-2
6.एक मुस्लिम महीना-4
7.कहानी लेखक-5
10.नाव चलाना-2,2
12.सम्मान-2
15.मारकाट,खून खराबा-4
17.पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18.कुकर्म,दुष्कर्म-4
20.गाड़ी,यान-3
22.इंकार करना-4
23.रचना करनेवाला, रचयिता -5
25.जीवनसाथी-5
26.कारोबार,व्यवसाय-4
27.मादा का विलोम-2
29.निर्झरणशील-4
31.ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34.मजा,आनंद-2
36.भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली -2036 का हल

अ	स	ह	नी	य			क	लि	का	
प	र		ला		सा	ग	र		बु	आ
ह			प	ह	रा		ण			खे
र	स	खा	न			म		क	प	ट
ण		लि		न	भ	च	र		रा	
	आ	स		सी		ल		ग	स्त	
	रा		प	ह	न	ना		रु		ड
शा	म	त		त			ता	र	ता	र
य			तै		जा	हि	र			ल
द	म		र	सी	ला		पी		ज	ग
	न	गी	ना			म	न	भ	र	ना

कोलकाता में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन, केंद्र सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी

कोलकाता। वक्फ संशोधन विधेयक 2025 के विरोध में देशभर में उबाल की आशंका के बीच सबसे पहले पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता की सड़कों पर मुस्लिम समुदाय उतर आया। जुमे की नमाज के बाद पार्क सर्कस इलाके में हजारों की संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार, यह प्रदर्शन जमायत-ए-इस्लाम के आह्वान पर आयोजित किया गया था। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने मुस्लिम समुदाय के अधिकारों को सीमित करने और वक्फ संपत्तियों पर नियंत्रण हासिल करने के इरादे से यह संशोधन पेश किया है। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए विधेयक को तुरंत वापस लेने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह संशोधन मुसलमानों की धार्मिक संपत्तियों और संस्थाओं को कमजोर करने की साजिश है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने इस कानून को वापस नहीं लिया तो देशभर में बड़ा आंदोलन छेड़ा जाएगा। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। हालांकि प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां सतर्क बनी हुई हैं।

जामनगर में दुर्घटनाग्रस्त जगुआर के बलिदानी फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ पंचतत्व में विलीन

रेवाड़ी। गुजरात में एयरफोर्स का जगुआर फाइटर हादसे में बलिदानी फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव का उनके पैतृक गांव भालखी माजरा में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनके पिता सुशील यादव ने बेटे की चिता को मुखाग्नि दी। बलिदानी फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव का पार्थिव शरीर रेवाड़ी पहुंचा। सबसे पहले शव को सेक्टर-18 स्थित उनके घर पर ले जाया गया, जहां परिजनों और स्थानीय लोगों ने अंतिम दर्शन किए। इस दौरान माता सुशीला यादव और बहन खुशी रोती रहीं। रोते हुए ही मां सुशीला ने कहा कि मुझे अपने बेटे पर गर्व है। मैं देश की हर मां से कहना चाहती हूं कि वे अपने बेटों को देशसेवा के लिए सेना में भेजें। मुझे उसको जन्म देने पर गर्व है। उन्होंने कहा कि हमारा पूरा परिवार सेना में था, ये जानते हुए भी मैंने उसे सेना में भेजा। मुझे उसकी शहादत पर गर्व है। इस मौके पर एयरफोर्स जवानों ने मां को सिद्धार्थ की फोटो देकर टोपी सौंपी। इसके बाद गांव में अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। अंतिम विदाई के दौरान एयरफोर्स की टुकड़ी ने हथियार उल्टे किये और फायर कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। दरअसल, बुधवार को गुजरात के जामनगर एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरने के बाद में जगुआर फाइटर क्रैश हो गया था। इस हादसे में पायलट सिद्धार्थ यादव की मौत हो गई। सिद्धार्थ ने वर्ष 2016 में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी की परीक्षा पास करने के बाद तीन साल के कठिन प्रशिक्षण के बाद वायुसेना में फाइटर पायलट बने।

वक्फ बिल से गरीब को फायदा, भ्रष्टाचारी मुसलमानों को तकलीफ : हाजी अरफात शेख

मुंबई। संसद के दोनों सदनों से 'वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025% पारित हो गया। 'ऑल इंडिया सूफी बोर्ड पीर आदिल' के अध्यक्ष हाजी अरफात शेख ने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए विधेयक के पारित होने की तारीफ की और इसे जरूरी बताया। हाजी अरफात शेख ने बिल के समर्थन में सरकार की तारीफ करते हुए कहा, 'बहुत सालों से विधेयक की चर्चा हो रही थी। लेकिन, हमने जो इसके बारे में जाना, सरकार ने वक्फ में पारदर्शिता लाने का काम किया है, जिसका फायदा आम जनता को होगा। इस विधेयक से तकलीफ उन भ्रष्टाचारी मुसलमान नेताओं को होगी, जिन्होंने लाखों करोड़ों रुपए की जमीन हड़पी है। मैं आम मुसलमानों से कहना चाहूंगा कि वक्फ की प्रॉपर्टी को लोग कब्जा करते हैं। किसी पर किसी का कोई दबाव या पकड़ नहीं था। वक्फ की प्रॉपर्टी पर स्कूल, अस्पताल बनना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, 'हमने बहुत कोशिश की कि महाराष्ट्र या देशभर में कहीं एक जगह पर वक्फ की संपत्ति पर एक अस्पताल बन जाए, लेकिन वो नहीं हो पाया। वक्फ के करोड़ों रुपए की जमीनों को जिन्होंने हड़पा है, वो नाकामयाब रहे। अब इस पर एक प्रकार का दबाव आएगा और ऊपर से किसी की पकड़ होगी। इसमें कोई भी डरने वाली बात नहीं है।'

दिल्ली के समक्ष आत्मसमर्पण कर चुके हैं उमर अब्दुल्ला - महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की मुखिया महबूबा मुफ्ती ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने दिल्ली(केंद्र सरकार) के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।महबूबा मुफ्ती ने संवाददाताओं से कहा कि वास्तविक मुद्दों पर रुख अपनाने की बजाय उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रही है कि उनके और उपराज्यपाल में से कौन अधिकारियों को स्थानांतरित करने का अधिकार रखता है। उन्होंने उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार पर नई दिल्ली के सामने आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि लोगों ने सोचा था कि जब नई सरकार आएगी, तो वह उनके अधिकारों की रक्षा करेगी। दुर्भाग्य से, छह महीने हो गए हैं, लेकिन इसने जेलों में युवाओं की दुर्दशा, हमारे कर्मचारियों की बर्खास्तगी या दैनिक मजदूरों, बेरोजगारी आदि के मुद्दों पर बात नहीं की है। सरकार ने हर चीज में कायरता दिखाई है।

मुंबई में उत्तर भारतीयों पर मनसे के हमले बर्दाश्त नहीं, कार्रवाई होगी : मुख्यमंत्री फडणवीस

एजेंसी

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में कहा कि मुंबई में उत्तरभारतीयों पर हमले किसी भी तरह बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। महाराष्ट्र की भाषा मराठी है, लेकिन इसके लिए अगर कोई कानून अपने हाथ में लेगा , तो कानून भी अपना काम करेगा। आज ही इसी मुद्दे पर उत्तरभारतीयों का प्रतिनिधिमंडल वकील गुणरत्न सदावर्ते के नेतृत्व में मुंबई के संयुक्त पुलिस आयुक्त देवेन भारती से मिला। इसके बाद गुणरत्न सदावर्ते ने कहा कि उन्हें जो भाषा आती हैं, वह भाषा मुंबई में बोलेंगे, पुलिस ने इस मामले में विरोध करने वालों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। दरअसल महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने चैत्र नवरात्रि शुरु होते समय दादर में स्थित शिवाजी पार्क मेंआम सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि

महाराष्ट्र में मराठी न बोलना अनिवार्य है। मराठी न बोलने वालों को मनसे कार्यकर्ता अपने हिसाब से कार्रवाई करें। इसके बाद से मनसे कार्यकर्ताओं ने निर्दोष उत्तरभारतीयों को पीटना शुरु कर दिया था। इसी वजह से आज उत्तरभारतीयों का प्रतिनिधिमंडल वकील गुणरत्न सदावर्ते के नेतृत्व में मुंबई के संयुक्त पुलिस आयुक्त देवेन भारती से मिला था। इस मुलाकात के बाद गुणरत्न सदावर्ते ने पत्रकारों को बताया कि मुंबई में जिसे जो भाषा में चाहिए बोल सकता है। वे खुद मराठी हैं, लेकिन हिंदी में भी बोलेंगे। उन्होंने आज देवेन भारती से बात की और देवेन भारती ने उन्हें आश्वासन दिया है कि इस तरह का विवाद फैला रहे लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पत्रकारों को बताया कि महाराष्ट्र की भाषा मराठी है, सभी को मराठी बोलने का प्रयास करना चाहिए। लेकिन इसके लिए कानून मौजूद है। अगर कोई गैरकानूनी काम करेगा, उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कानून गलत काम करने वालों को सबक सिखाएगा। हालांकि इस संदर्भ में अभी तक मनसे की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

प्रधानमंत्री ने नांदेड़ सड़क हादसे पर जताया दुख, मुआवजा किया घोषित

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में मजदूरों को ले जा रहे ट्रैक्टर के कुएं में गिरने से हुई मौतों पर दुख जताया है। उन्होंने प्रत्येक मृतक के आश्रितों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री महाराष्ट्र के नांदेड़ में हुए हादसे में लोगों की मौत से दुखी हैं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति उन्होंने संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। प्रत्येक मृतक के आश्रितों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में स्थित

अलेगांव शिवरा में सुबह मजदूरों को ले जा रहा ट्रैक्टर अचानक कुएं में गिर गया, जिससे आठ महिला मजदूरों की मौत हो गई। घटना में तीन मजदूर घायल हो गए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

आंद्रेई स्टेनिन प्रेस फोटो प्रतियोगिता प्रदर्शनी के 11वें संस्करण का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। रोसिया सेगोदन्या मीडिया समूह और स्पुतनिक हब के आंद्रेई स्टेनिन इंटरनेशनल प्रेस फोटो प्रतियोगिता प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। नई दिल्ली के एआईएफएसीएस गैलरी में आयोजित प्रदर्शनी के 11वें संस्करण में दुनिया भर के युवा फोटो पत्रकारों की तस्वीरें प्रदर्शित की गई हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसार भारती के अध्यक्ष नवनीत कुमार सहगल मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्य संपादक ऋषभ गुलाटी, आंद्रेई स्टेनिन अंतरराष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता के कार्यकारी निदेशक एलेक्जेंडर श्टोल भी मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह में प्रतियोगिता के विजेता प्रतिम पाल, अर्पण, दीपायन बसु, कौशिक दत्ता और राजिंदर पांडे मौजूद रहे। आंद्रेई स्टेनिन इंटरनेशनल प्रेस फोटो प्रतियोगिता युवा फोटो पत्रकारों के काम का अंतरराष्ट्रीय मंच है जहां पर उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करती है।वर्ष 2024 में 36 देशों से लगभग 2000 प्रविष्टियां आईं। वर्ष 2014 में अपनी शुरुआत के बाद से यह प्रतियोगिता मॉस्को, केप टाउन, बुडापेस्ट, मैड्रिड, नई दिल्ली, शारजाह,

बेलग्रेड, न्यूयॉर्क, अंकारा, ब्यूनस आयर्स और अन्य शहरों सहित दुनियाभर में प्रदर्शित हो रही है। नई दिल्ली में आयोजित प्रदर्शनी में तस्वीरों का एक आकर्षक संग्रह प्रदर्शित किया गया, जिसमें दुनिया भर की शक्तिशाली और रोचक कहानियों को उजागर किया गया, जिसमें संस्कृति, संघर्ष और विजय के क्षण कैद किए गए। प्रतियोगिता की शुरुआत 22 दिसंबर, 2014 को रोसिया सेगोदन्या अंतरराष्ट्रीय सूचना एजेंसी द्वारा यूनेस्को के लिए रूसी संघ के आयोग के तत्वावधान में की गई थी। प्रतियोगिता का नाम आंद्रेई स्टेनिन के नाम पर रखा गया है, जो रोसिया सेगोदन्या के विशेष फोटो पत्रकार थे, जिनकी ड्यूटी के दौरान मृत्यु हो गई थी। वर्ष 2014 में इसकी शुरुआत से ही भारतीय फ़ोटोग्राफ़र इस प्रतियोगिता के विजेताओं में शामिल रहे हैं। विदेशों से प्रविष्टियों की संख्या के मामले में भारत का रिकॉर्ड है।

हिन्दू समाज पर हो रहे आक्रमणों के प्रति सतर्कता आवश्यक : मिलिंद परान्डे

एजेंसी

लखनऊ। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठन मंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि हिंदू समाज के वंचित वर्गों के उत्थान, सामाजिक समरसता, संस्कारों के दृढ़ीकरण और हिंदू समाज पर हो रहे आक्रमणों के प्रति सतर्कता आवश्यक है। वह लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी स्थिति अनंदा रिजॉर्ट में विश्व हिंदू परिषद के लखनऊ विभाग के रामोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राम दरबार का पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मिलिंद परांडे ने कहा भगवान राम हमारे आदर्श हैं, उनके जीवन को आत्मसात करना ही सच्ची आराधना है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीरामचंद्रजी के कर्तव्यनिष्ठ जीवन से हमें समरसता, शौर्य और सरलता का आदर्श लेना चाहिए, जिससे हमारा पारिवारिक और सामाजिक जीवन सफल हो सके। उन्होंने कहा कि वीर वीरांगनाओं ने बलिदान देकर धर्म और राष्ट्र की रक्षा की है। राम और सीता का जीवन कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है, इसलिए समाज में धर्म और राष्ट्र की रक्षा, कुटुंब व्यवस्था तथा सामाजिक अग्रवाल,संत भास्करानंद महाराज, संत रमेश आनंद पुरी जी महाराज, लखनऊ दक्षिण के जिला अध्यक्ष मनोज मौजूद रहे। मंच का संचालन

समरसता को बढ़ाने की जिम्मेदारी युवाओं को लेनी चाहिए। बजरंग दल लव जिहाद, धर्मांतरण और गोकशी जैसी घटनाओं के खिलाफ सेवा, सुरक्षा और संस्कार की भावना से समाज में कार्य कर रहा है। मंच पर प्रांत अध्यक्ष कन्हैयालाल लखनऊ विभाग के मंत्री योगेश ने किया। कार्यक्रम में विहिप के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र, प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप, प्रांत मंत्री देवेंद्र मिश्र, प्रांत प्रचार प्रमुख नृपेन्द्र विक्रम सिंह एवं प्रांत, विभाग एवं जिले के कई प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नक्सलियों के प्रेशर आईईडी विस्फोट से एक ग्रामीण की मौत, एक गंभीर

एजेंसी

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले ओरछा थाना क्षेत्र अंतर्गत जड्डा-मरकूर के जंगल में नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से आज एक ग्रामीण की मौत हो गई, वहीं एक अन्य ग्रामीण गंभीर रूप से घायल है। दोनों ग्रामीण जंगल से झाड़ू की झाड़ियां लेने के लिए गए थे। पुलिस के अनुसार कानागांव निवासी राजेश उसेंडी और रामलाल कोर्राम जड्डा-मरकूर के जंगल में झाड़ू बनाने के लिए झाड़ियां लेने के लिए गए थे। यहां नक्सलियों ने पगडंडी रास्ते में पहले से ही प्रेशर आईईडी दबाकर रखा था। राजेश का पैर प्रेशर आईईडी पर पड़ गया, जिससे जोरदार धमाका हुआ। आईईडी के विस्फोट की चपेट में आने से राजेश के दोनों पैर के चिथड़े उड़ गए जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं साथी ग्रामीण रामलाल कोर्राम गंभीर रूप से घायल हो गया। नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने आईईडी विस्फोट की पुष्टि

करते हुए बताया कि जवान इस इलाके से अब तक 15 आईईडी बरामद कर चुके हैं, इलाके की सर्चिंग जारी है।

संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत आईआईटी बीएचयू के शाखा टोली में शामिल हुए

एजेंसी

वाराणसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत पांच दिवसीय काशी प्रवास के दूसरे दिन अपरान्ह में आईआईटी बीएचयू में आयोजित शाखा में शामिल हुए। अपने बीच संघ प्रमुख को पाकर विद्यार्थियों और शिक्षकों की खुशी देखते ही बन रही थी। आईआईटी के शाखा टोली में शामिल हुए संघ प्रमुख ने शांत चित्त एक किनारे खड़े होकर खेलकूद की गतिविधियों को देखा। इस दौरान वहां सुरक्षा का व्यापक प्रबंध किया गया था। सुरक्षा के अभेद किलेबंदी के बीच संघप्रमुख ने शाखा टोली से संवाद भी किया। टोली में शामिल विद्यार्थियों ने उनसे सवाल भी पूछे। संघ प्रमुख ने आरएसएस के गठन और कार्यशैली को बताया। उन्होंने कहा कि सनातन समाज (हिन्दू समाज) को मजबूत बनाना है। संघ

प्रमुख ने संघ की मूल विचारधारा से भी छात्रों को परिचित कराया। उन्होंने कहा कि भारतीय सनातनी संस्कृति और उसके सभ्यता के मूल्यों को बनाए रखना आपका भी दायित्व है। उन्होंने छात्रों से सवाल किया कि आरएसएस के बारे में बताए। छात्रों ने बताया कि संघ सनातन की रक्षा करने के साथ हिन्दुत्व की विचारधारा को बढ़ावा देता है।

इस दौरान संघ के क्षेत्र प्रचारक अनिल, क्षेत्र कार्यवाह डॉ वीरेंद्र,काशी प्रांत प्रचारक रमेश, सह प्रांत प्रचारक सुनील ,काशी दक्षिण भाग के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इसके पहले संघ प्रमुख ने तुलसीपुर महमूरगंज स्थित निवेदिता शिक्षा सदन में प्रातः काल शाखा में भाग लेने के बाद काशी प्रांत के वरिष्ठ प्रचारकों और पदाधिकारियों के साथ दो बार में बैठक किया। बैठक में संघ के गतिविधियों की जानकारी भी ली। संघ प्रमुख काशी प्रवास के तीसरे दिन शनिवार को श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। इसके बाद वे काशी के प्रबुद्धजन संग भी अलग-अलग बैठक कर संवाद करेंगे। छह अप्रैल को संघ प्रमुख मलदहिया लाजपत नगर जाएंगे और शाखा में शामिल होंगे। इसके बाद शहर के प्रबुद्ध जनों से मिलेंगे। शाम को प्रांत टोली के साथ बैठक करेंगे। सात अप्रैल को लखनऊ के लिए प्रस्थान करने से पहले काशी प्रांत के अनुभवी कार्यकर्ताओं की टोली के साथ बैठक कर उनका मार्गदर्शन करेंगे।

सेना के लिए विकसित एमआरएसएएम ने हवाई लक्ष्यों को रोककर सीधे हिट किया

एजेंसी

नई दिल्ली। ओडिशा के तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से सेना के लिए मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम) के चार सफल उड़ान परीक्षण किए गए हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 03 और 04 अप्रैल को चारों परीक्षण उच्च गति वाले हवाई लक्ष्यों के विरुद्ध किए। मिसाइलों ने हवाई लक्ष्यों को रोक कर उन्हें सीधे हिट करते हुए नष्ट कर दिया। डीआरडीओ के मुताबिक भारतीय सेना के पूर्वी और दक्षिणी कमांड से लंबी दूरी, छोटी दूरी और उच्च एवं निम्न ऊंचाई पर चार लक्ष्यों को रोकने के लिए चार परीक्षण किए गए, जिससे परिचालन क्षमता साबित हुई। इन परीक्षणों ने दोनों सेना कमांड की परिचालन क्षमता को साबित करके दो रेजिमेंटों में हथियार

प्रणालियों के संचालन का मार्ग प्रशस्त किया है। एमआरएसएएम सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है, जिसे डीआरडीओ और इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) ने भारतीय सेना के लिए विकसित किया है। इस हथियार प्रणाली में मल्टी-फंक्शन रडार, कमांड पोस्ट, मोबाइल लॉन्चर सिस्टम और अन्य वाहन शामिल हैं।

डीआरडीओ और भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में किए गए परीक्षण के दौरान हथियार प्रणाली के प्रदर्शन की पुष्टि के लिए आईटीआर, चांदीपुर में राडार और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम तैनात किये गए थे, जिनसे उड़ान डेटा कैप्चर किया गया। सेना ने अपनी वायु रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए पूर्वी थिएटर में अपनी पहली मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम) रेजिमेंट की स्थापना की है। यह रेजिमेंट लड़ाकू जेट, यूएवी, सब सोनिक और सुपरसोनिक मिसाइल आदि जैसे दुश्मन के हवाई खतरों से भारत की रक्षा करेगी। इस रेजिमेंट को डीआरडीओ ने स्वदेशी रूप से विकसित मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली हथियार प्रणाली से लैस किया है।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में 20 लाख के इनामी चार नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 20 लाख के इनामी चार नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। पीएलजीए बटालियन नंबर 01 और पश्चिम बस्तर डिवीजन में कंपनी नंबर दो में सक्रिय 02 हार्डकोर सहित 04 नक्सलियों ने आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बिना हथियार आत्मसमर्पण किया। इस दौरान सुकमा एसपी किरण चव्हाण, सीआरपीएफ 131वाहिनी कमांडेंट दीपक कुमार साहू, द्वितीय कमान अधिकारी डीआईजी ऑफिस सुकमा सुरेश सिंह पायल, एएसपी अभिषेक वर्मा, एएसपी नक्सल अभियान सुकमा मनीष रात्रे और सीआरपीएफ 02 वाहिनी निरीक्षक करुणाकर बेहेरा उपस्थित थे। एसपी किरण चव्हाण ने

बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की ''छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति'' एवं सुकमा पुलिस द्वारा चलाये जा रहे ''नियद नेल्ला नार'' योजना से प्रभावित होकर तथा अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव व नक्सली हिंसा से तंग आकर नक्सली संगठन में सक्रिय एक महिला सहित चार नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया है। आत्म समर्पित नक्सलियों में आठ लाख का इनामी, 28 वर्षीय संतोष उर्फ सन्ना बारसे (पूर्व पीएलजीए बटालियन नम्बर 01, कम्पनी नं0 01, सेक्शन ''सी'' पार्टी सदस्य,) निवासी पूवर्ती ओईपारा थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा,आठ लाख का इनामी, 28 वर्षीय अरूण उर्फ माड़वी हुर्रा (पश्चिम बस्तर डिवीजन कम्पनी नम्बर 02 प्लाटून नम्बर 01 का पार्टी सदस्य) निवासी कयैरदुलेड़ थाना चिंतागुफा जिला सुकमा, दो लाख का इनामी, 26 वर्षीय सोड़ी मुक्का(तुमालपाड़ आरपीसी मिलिशिया कमाण्डर) , निवासी एंटापाड़ा थाना चिंतागुफा जिला सुकमा एवं इनामी महिला नक्सली माड़वी रोशनी (पामेड़ एरिया कृषि कमेटी पार्टी सदस्या) निवासी कैयरदुलेड़ थाना चिंतागुफा जिला सुकमा शामिल हैं।

भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर हों भर्तियां: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवाओं को रोजगार देकर उनके सपनों को साकार करना डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी भर्तियों को निष्पक्ष और पारदर्शी रूप से नियत समय में पूरा कराने के लिए हम कृतसंकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सवा साल के अल्प कार्यकाल में ही 5 रोजगार मेलों का आयोजन कर अब तक 67 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां दे चुकी है। भविष्य में हर तीन माह में ऐसे मेलों का आयोजन कर युवाओं को नियुक्ति का तोहफा दिया जाएगा। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर लंबित एवं प्रक्रियाधीन भर्तियों की स्थिति के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों में 1 लाख 88 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भर्ती विज्ञापन जारी करने, परीक्षा आयोजित करने, परिणाम घोषित करने तथा दस्तावेजों की जांच करने संबंधी सभी प्रक्रियाओं को निर्बाध गति से पूरा करने के लिए अतिरिक्त संसाधन और कार्मिक लगाकर शीघ्र से शीघ्र नियुक्तियां प्रदान की जाए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने लंबे समय से न्यायालय में लंबित लगभग 9 हजार 800 पदों पर भर्ती प्रक्रिया को प्रभावी पैरवी करवाकर आगे बढ़ाया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि न्यायालय में लंबित अन्य भर्ती प्रकरणों का भी विधिवत परीक्षण करवाकर उनका शीघ्र निस्तारण करवाया जाए।

हाईराइज बिल्डिंगों में भी लगी आग को बुझाना होगा आसान,अब रोबोट बुझाएगा आग

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा की हाईराइज बिल्डिंगों में भी आग बुझाना आसान हो जाएगा। जिन जगहों पर अग्निशमन कर्मी नहीं पहुंच पा रहे, वहां रोबोट आग बुझाएगा। अग्निशमन कर्मियों को अपनी जान जोखिम में नहीं डालनी पड़ेगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण जल्द ही अग्निशमन विभाग को आग बुझाने के आधुनिक उपकरणों से लैस करने जा रहा है। प्राधिकरण बोर्ड से विगत 29 मार्च को मंजूरी मिल चुकी है। टेंडर प्रक्रिया पूरी कर अग्निशमन उपकरण खरीदने के लिए अग्निशमन विभाग और प्राधिकरण की तकनीकी समिति का गठन जल्द होने जा रहा है। उत्तर प्रदेश अग्निशमन तथा आपात सेवा मुख्यालय लखनऊ की तरफ से 16 जनवरी 2025 को पत्र जारी किया गया, जिसमें अग्निशमन विभाग को फायर उपकरणों से लैस करने की बात कही गई है। इसके आधार पर अग्निशमन विभाग की तरफ से फायर उपकरणों की सूची बनाकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को उपलब्ध करायी गयी। दरअसल, ग्रेटर नोएडा में हाईराइज बिल्डिंगें बहुत हैं। घनी आबादी वाले क्षेत्र भी बहुत अधिक हैं। गांवों में संकरे रास्ते हैं। इन जगहों पर आगजनी की आशंका बनी रहती है। इसे देखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने सहमति दे दी और विगत 29 मार्च को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड के समक्ष रखा। बोर्ड ने भी इस प्रस्ताव को मंजूर कर लिया और अग्निशमन विभाग को फायर उपकरण उपलब्ध कराने की अनुमति दे दी। अब टेंडर प्रक्रिया के जरिए अग्निशमन उपकरण खरीदने के लिए तकनीकी समिति जल्द ही गठित होने जा रही है।अग्निशमन विभाग के एक रोबोट फायर सहित 14 कैटेगरी के लगभग 100 उपकरण का प्रस्ताव दिया है। इन उपकरणों को खरीदने पर 29.48 करोड़ रुपये खर्च होने का आकलन है। अग्निशमन ने रोबोट फायर खरीदने की सिफारिश की है। रोबोट फायर उन जगहों पर भी आगजनी से निपटने में सक्षम होगा, जहां पर अग्निशमन कर्मी नहीं पहुंच सकते। वहीं फोम टेंडर से केमिकल्स और अन्य तरल पदार्थों में लगी आग से निपटने में कारगर होगा। हाईराइज फायर फाइटिंग व्हीकल 120 मीटर तक की ऊंचाई होने पर आगजनी से निपटने के लिए 150 बार प्रेशर के साथ पानी की आपूर्ति करने में सक्षम है। इसी तरह वाटर टेंडर के जरिए 80 मीटर तक बहुमंजिला इमारतों में लगी आग से निपटने में मदद मिलेगी। ग्रेटर नोएडा में हाईराइज बिल्डिंगों को देखते हुए ये उपकरण बहुत ही उपयोगी हैं। वाटर मिस्ट के जरिए बिजली के ट्रांसफॉर्मर, किचन, गैस सिलेंडर, कार में लगी आग से निपटने में उपयोगी है।

कॅरियर गाइडेंस देश व दुनिया में आज हेल्थ सेक्टर का जितना विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आगे चलकर काबिल फिजियोथैरेपी की मांग और बढ़ेगी। फिजियोथैरेपी विज्ञान की ऐसी विधा है जिसके अंतर्गत शारीरिक व्यायाम के जरिए व्यक्ति के रोगों व व्याधियों का उपचार किया जाता है।

फिजियोथैरेपी वक्त की मांग

फिजियोथैरेपिस्ट का काम रोगियों में किसी बीमारी, चोट, अक्षमता या बढ़ती उम्र की वजह से उपजी शारीरिक व्याधियों का उपचार करना है। आज लोग बीमारी के उपचार के लिए समग्र नजरिया अपनाने लगे हैं। इसकी वजह से दुनिया भर में फिजियोथैरेपिस्ट्स की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है।

काम का दायरा

फिजियोथैरेपिस्ट्स अस्पतालों, विकलांगों की लिए बने पुनर्वास केन्द्रों, स्वास्थ्य केन्द्रों, शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए बने स्कूलों, स्वास्थ्य संगठनों के

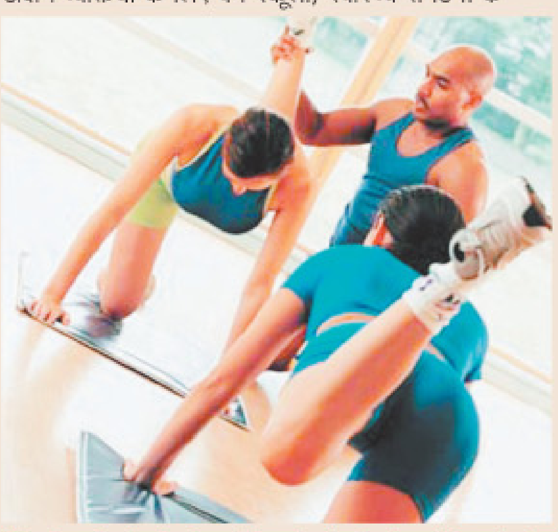

अलावा डिफेंस मेडिकल प्रतिष्ठानों और स्पोर्ट्स क्लबों में भी अपनी सेवाएं देते है। इंजुरी व फैक्चर्स, जोड़ों के दर्द, खिंचाव, मोच, स्ट्रोक्स के उपचार में काबिल फिजियोथैरेपिस्ट की सेवाएं कारगर साबित होती हैं।

बढ़ती मांग

आज जिस तरह के अत्याधुनिक अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र व क्लीनिक्स खुल रहे हैं और हेल्थ सेक्टर का विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि फिजियोथैरेपिस्ट की मांग आगे चलकर और बढ़ेगा। कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी खुद को फिट रखने व फिटनेस संबंधी सुझाव लेने के लिए फुलटाइम पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की सेवाएं लेते हैं। विदेशों में और खासकर अमेरिका कनाडा व आस्ट्रेलिया जैसे देशों में पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की जबदस्त मांग है।

योग्यता

फिजियोथैरेपी में कोई डिग्री अथवा डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स करने के लिए अभ्यर्थी को फिजिक्स, केमिस्ट्री या बायोलॉजी के साथ 12वीं या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। अस्पताल व क्लीनिक्स अमूमन ऐसे लोगों को रोजगार देते हैं, जिनके पास फिजियोथैरेपी में बैचलर डिग्री (बीपीटी) हो। बीपीटी करने के बाद छात्र यदि चाहें तो अपनी विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं।
फिजियोथैरेपी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि छह महीने से लेकर दो साल तक हो सकती है। डिग्री स्तर अवधि

तीन से चार साल तक होती है। प्रतिष्ठित संस्थान कॉमन टेस्ट सीईटी के जरिए बीपीटी में छात्रों की दाखिला देते है।

व्यक्तिगत योग्यता

फिजियोथैरेपिस्ट्स बनने के चाह रखने वाले अभ्यर्थियों में लंबे समय तक खड़े रहकर काम करने की क्षमता होनी चाहिए। काबिल फिजियोथैरेपिस्ट वहीं है जो मरीज की जरूरत को अच्छी तरह समझ सके, उसके प्रति संवेदनशील रवैया अपनाए। सफल फिजियोथैरेपिस्ट बनने के लिए व्यक्ति में इन खूबियों के अलावा मानवीय संरचना का सम्पूर्ण ज्ञान होना भी अति आवश्यक है।

पारिश्रमिक

इस क्षेत्र से जुड़े कोई फ्रेश ग्रेजुएट किसी हॉस्पिटल या क्लीनिक में ट्रेनी फिजियोथैरपिस्ट के तौर पर 8,000 से 12,000 रूपए वेतन पाने की उम्मीद कर सकता है। हालांकि प्रतिष्ठित अस्पतालों में आपको और भी अच्छा वेतन मिल सकता है। अनुभव हासिल करने के बाद आपके वेतन में खासा इजाफा हो सकता है। अनुभवी फिजियोथैरपिस्ट चाहे तो निजी क्लीनिक खोल कमाई कर सकते हैं।

डायटीशियन

कॅरियर का बेहतर विकल्प

आहार जीवन की प्राथमिक आवश्यकता है। हम जो आहार लेते है उसका शरीर में पाचन किया जाता है। प्रकृति ने विभिन्न खाद्य-पदार्थों को भोजन का रूप दिया है जिसे कच्चा या पका कर हम उपयोग करते हैं ऐसे पदार्थ हमारे पाचक अंगों द्वारा पचा लिए जाते हैं, जिनसे ऊतकों का निर्माण एवं पोषण होता है। चलने, फिरने दौडने या अन्य शारीरिक कार्य करते रहने से शरीर के भीतर के ऊतक टूटते-फूटते एवं घिसते रहते है। भोजन द्वारा हमारे शरीर की संरचना तथा मरम्मत के लिए विभिन्न पोषक तत्व मिलते रहते हैं, जिनसे हमें शक्ति मिलती हैऔर हमारे शीरीरिक के विभिन्न अंग अपना कार्य सुचारू रूप से करते रहते हैं ।सन्तुलित आहार और सही आहार हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है लिहाजा हमारी शारीरिक जरूरतों के अनुसार कितने पोषक तत्वों की जरूरत होती हैं और कौन से खाद्य-पदार्थ से सेहत को नुकसान पंहुच सकते है, इसका जवाब डायटीशियन ही बता सकता है। जीवनशैली में आ रहे बदलावों और उसके दुष्णपरिणाम के चलते डायटीशियन एक बेहतर केरियर ऑप्शन के रूप में उभरा है। यह कोर्स अपनाकर आप अपना ही नहीं दूसरो की सेहत का भी ख्याल रख सकते है। एक डायटीशियन के रूप में आप नवजात शिशु से लेकर बुजुर्ग, बीमार, अभिनेताओं और खिलाडियों तक की डाइट का चार्ट बना सकते हैं। डायटीशियन लोगों को सलाह देता है, कि उसे स्वस्थ रहने के लिए किस तरह का भोजन करना चाहिए। डायटीशियन का कार्य जितना आसान दिखाई देता है वास्तव में वह उतना आसान नहीं हैं, क्योंकि रोगियों के लिए व्यक्तिगत आहार योजना बनाते हुए विभिन्न क्लीनिकल घटकों को ध्यान में रखना होता है। साथ ही रोगियों की जीवनशैली, खान-पान की आदतों पर भी विचार करना होता है ।पोरेट स्तर पर डायटीशियन की मांग बढ रही है और पांच सितारा होटलों में भी डायटीशियनों की सेवाएं ली जा रही है।

कराटे- दुश्मन को बिना किसी हथियार से हराने की तकनीक

कराटे निहत्थे लड़ने की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है। जिस व्यक्ति को कराटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक कराटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं करांटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। कराटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है।

करांटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। कराटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं। इन सभी भागों को कड़ी मेहनत और प्रैक्टिस से कठोर बनाया जाता है। एक कराटे एक्सपर्ट कई इंच मोटी लकड़ी को अपने हाथ या पैर से तोड़ सकता है। सही टाइमिंग, कुशलता तथा जज्बा तो इसके लिए जरूरी है ही साथ ही जरूरी होती है शारीरिक कठोरता।

करांटे के खेल में वार को शरीर के संपर्क में आने से एक इंच पहले ही रोक लिया जाता है। कराटे में मैच सिर्फ 3 मिनट के होते हैं। एक खेल के तौर पर इसमें कुशलता का स्तर परखने के लिए दोनों में नकली लड़ाई और औपचारिक परीक्षण दोनों का आयोजन किया जाता है। यदि प्रतियोगी अच्छे से वार न कर पाए तो जज अपना फैसला मूवमेंट्स और डिफेंस तकनीक के आधार पर सुना सकते हैं ।जजों द्वारा खिलाडियों के प्रदर्शन को वैसे ही रेटिंग दी

जाती है, जैसे जिम्नास्टिक में होता है। कराटे एशिया में विकसित हुआ जिसे कई शताब्दियां लग गई और 17वीं शताब्दी के दशक में जाकर यह कला के रूप में व्यवस्थित होने लगा। 1920 के दशक में यह जापान में बहुत प्रसिद्ध हुआ। आज पूरे विश्व में कई स्कूल करांटे की ट्रेनिंग देते हैं। 1970 में कराटे वर्ल्ड चैम्पियनशिप टाइटल की स्थापना की गई थी।

प्राचीन चीन से शुरू और जापान में प्रसिद्ध हुआ युद्ध कौशल (मार्शल आर्ट) कराटे आज पूरे विश्व में अत्यधिक लोकप्रिय है। कराटे खेल भी, कला भी कराटे निहत्थे लड़ने की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है।

जिस व्यक्ति को कराटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक कराटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं कराटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। कराटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है। कराटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। कराटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं।

स्वरोजगार

कागज़ उद्योग

देश में सामाजिक-आर्थिक विकास की दृष्टि से कागज़ उद्योग देश का सबसे पुराना और अति महत्वपूर्ण उद्योग है। इस उद्योग का अनुमानित आकार 25000 करोड़ रुपये (5.95 बिलियन डॉलर) है। विश्व के कागज और कागज बोर्ड उत्पाद में इसका हिस्सा लगभग 1.6 प्रतिशत है। इस उद्योग से 1.20 लाख लागों को प्रत्यक्ष रूप से और 3.40 लाख लोगों को परेक्ष रूप से रोजगार मिला है। अधिकतर पेपर मिल पिछले लम्बे अर्से से कार्य कर रहे हैं और इस प्रकार वर्तमान समय में इनमें पुरानी से लेकर अति आधुनिक तकनीक वाली दोनों प्रकार की प्रौद्योगिकियाँ इस्तेमाल हो रही हैं।
पिछले पाँच वर्षों से कागज़ की खपत लगभग 6 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रही है। कागज़ उद्योग को कागज के उत्पादन की किस्म के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है; जैसे क्रीमवोव, मैपलिथो, कोपलर, कोटेड पेपर, इंडिस्ट्रयल पेपर और स्पेस्लिटी पेपर। इंडिस्ट्रयल पेपर अधिक मात्रा में इस्तेमाल होता है, जो कि कुल खपत का लगभग 60 प्रतिशत है। अभी तक कागज उद्योग की वृद्धि सकल घरेलू उत्पाद में हुई वृद्धि के बराबर रही है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान इसमें औसतन 6-7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्व स्तर पर भारत में कागज का बाजार तेजी से बढ़ रहा है ओर यह उत्सावर्धक स्थिति को दर्शाता है। आर्थिक संवृद्धि के साथ कागज की खपत में भी अत्याधिक उछाल आने की संभावनाएँ हैं और यह 2015-16 तक 13.95 मिलियन टन तक पहुँच सकता है। भावी अनुमान यह हे कि कागज की खपत में सकल घरेलू उत्पाद के गुणांकों में वृद्धि होगी और इस प्रकार प्रति व्यक्ति 1 किलाग्राम खपत की वृद्धि से उसकी मांग में 1 मिलियन टन की वृद्धि होगी। उद्योग के अनुमानानुसार वर्ष 2012-13 तक कागज़ उत्पादन 8.4 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ा है, जबकि कागज की खपत 9 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ी है। कम खर्च व लागत में कागज उद्योग स्वरोजगार का बेहतर जरिया बन सकता है।

पैरा-मैडीकल कोर्सेज में संवारें कॅरिअर

यदि आपकी बारहवीं परीक्षा की श्रेणी या अंक बहुत अच्छे नहीं हैं तो निराश होने की आवश्यकता नहीं है। इसकी वजह यह है कि पैरा-मैडीकल कोर्सेज में प्रवेश के लिए सी.पी.एम.टी. जैसी कठिन प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होती। डॉक्टर जब मरीज को देख लेता है उसके बाद (कुछ मामलों में डाक्टर से पहले भी) सारा काम पैरा-मैडीकल के लोग ही संभालते हैं।

मरीज के खून, पेशाब, बलगम, वीर्य, टिश्यू आदि की जांच करनी हो, उसका एक्स-रे, ई.सी.जी., ई.ई.जी., एम.आर.आई., अल्ट्रा साऊंड, सी.टी. स्कैन, टी.एम.टी.,पी.एफ.टी., मैमोग्राफी आदि इंजैक्शन व दवा देनी हो तथा इसके अलावा भी अनेक ऐसे काम हैं जिसे पैरा-मैडीकल स्टाफ ही करता है। आप्रेशन करते समय एक डाक्टर को असिस्ट करने के लिए पैरा-मैडीकल स्टाफ होता है। मैडीकल फील्ड का लगभग सारा टैक्निकल स्टाफ पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही आता है।

इसके तहत प्रमुख कोर्स व संबंधित कार्य इस प्रकार हैं- मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी , एक्स-रे टैक्नोलॉजी एंड रेडियोलॉजी/रेडियोग्राफी, ऑप्टोमीट्री या ऑप्थाल्मिक टैक्नोलॉजी, प्रॉस्थैटिक एवं ऑथोटिक इंजीनियरिंग, फिजियोथैरिपी एंड ऑकुपेशनल थैरेपी, डैंटिस्ट असिस्टैंट, स्पीच थैरेपी एंड ऑडियोलॉजी, क्लीनिकल चाइल्ड डिवैल्पमैंट, रिहैबिलिटेशन, मैडीकल ट्रांसक्रिप्शन, कम्युनिटी हैल्थ वर्कर्स कोर्स (मेल/फीमेल/मल्टीपर्पज़) ऑप्रेशनल थैरेपिस्ट असिस्टैंट/ ऑप्रेशन थिएटर असिस्टैंट व टैक्नीशियन कोर्स, कॉर्डियोलॉजी टैक्नीशियन कोर्स, सी.टी. स्कैन टैक्नीशियन कोर्स।

इनके साथ ही फॉर्मेसी, नर्सिंग एवं मिडवाइफरी तथा साइकोलॉजी की गणना भी पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही की जाती है। उपरोक्त सभी कोर्सों में सर्टीफिकेट, डिप्लोमा, बी.एससी., एम.एससी., बैचलर या मास्टर डिग्री विभित्र मान्यता प्राप्त संस्थानों में प्रदान की जाती है।

संस्थान

- पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल एजुकेशन एंड रिसर्च, सैक्टर-11,चंडीगढ़-1600012
- पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल साइंसेज, रोहतक-124001, हरियाणा।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110007

हीरो हॉकी इंडिया लीग ने भारत में 4.1 करोड़ से अधिक दर्शकों को किया आकर्षित

एजेंसी

नई दिल्ली। हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 की बहुप्रतीक्षित वापसी ने भारतीय हॉकी में एक नया अध्याय जोड़ते हुए देशभर में खेल के प्रति जुनून को फिर से जीवंत कर दिया है। सात साल के अंतराल के बाद पुरुषों की लीग की वापसी और पहली बार महिला लीग की शुरुआत ने इस संस्करण को ऐतिहासिक बना दिया। लीग की रिकॉर्ड तोड़ दर्शक संख्या और डिजिटल प्रभाव इस बात का प्रमाण हैं कि हॉकी आज भी लाखों भारतीयों के दिलों की धड़कन बनी हुई है हीरो एचआईएल 2024-25 ने उम्मीदों से कहीं बढ़कर प्रदर्शन किया है। इस बार कुल 4.08 करोड़ दर्शकों तक पहुंच दर्ज की गई, जो एचआईएल 2017 के 2.75 करोड़ दर्शकों की तुलना में 48 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि है। पुरुषों का फाइनल मुकाबला अकेले 30.7 लाख दर्शकों ने देखा, जबकि महिलाओं का सबसे लोकप्रिय मैच 29.2 लाख दर्शकों तक पहुंचा। भारत के अलावा 18 हॉकी खेलने वाले देशों में 50 लाख से अधिक दर्शकों ने टीवी और ओटीटी के माध्यम से लीग का आनंद लिया। इस बार लीग ने परंपरागत दर्शक वर्ग के अंतर को भी तोड़ा है। सामान्यतः पुरुष और महिला खेलों के दर्शकों में छह गुना तक का अंतर देखने को मिलता है, लेकिन हीरो एचआईएल ने इस सोच को बदल दिया।

खिलाड़ियों को जड़ी-बूटी आधारित सप्लीमेंट्स के अंधाधुंध उपयोग से बचने की चेतावनी, पूरी नींद जरूरी

पटियाला। नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनएसएनआईएस) में हाल ही में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हरमोनाइजिंग मूवमेंट~ योग और खेल विज्ञान का समन्वय में विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि खिलाड़ियों में नींद की कमी और हर्बल सप्लीमेंट्स का लापरवाह उपयोग उनकी सेहत और प्रदर्शन पर नकारात्मक असर डाल सकता है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में मेडिसिन के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सतबीर सिंह खालसा ने कहा कि योग नींद को बेहतर बनाता है, जिससे मोटापा, मधुमेह, स्ट्रोक और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा, नींद मानसिक और शारीरिक पुनर्प्राप्ति के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसलिए खेल शिक्षा में नींद के महत्व को शामिल करना चाहिए। पूर्व भारतीय महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल ने भी इस बात से सहमति जताई। उन्होंने कहा, योग आपके मन को नियंत्रित करने में मदद करता है। खेल के दबाव वाले पलों में यह आत्मसंयम बनाए रखने में सहायक होता है। आधुनिक खेलों में मानसिक नियंत्रण, शारीरिक कौशल जितना ही महत्वपूर्ण हो गया है। हर्बल सप्लीमेंट्स के उपयोग में बरतें सतर्कता सम्मेलन में हर्बल सप्लीमेंट्स के दुरुपयोग पर भी जोरदार चर्चा हुई। खेल प्राधिकरण (साई) के एथलेटिक्स हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर डॉ. वज़ीर सिंह फोगाट ने कहा कि खिलाड़ी ताकत, सहनशक्ति, इम्युनिटी और रिकवरी बढ़ाने के लिए हर्बल सप्लीमेंट्स का सहारा लेते हैं।

हॉपमैन कप मिश्रित टीम टेनिस टूर्नामेंट 16 से 20 जुलाई तक, इटली करेगा मेजबानी

बारी (इटली)। प्रतिष्ठित हॉपमैन कप का आयोजन इस वर्ष 16 से 20 जुलाई तक इटली के बारी शहर में किया जाएगा। यह टूर्नामेंट विंबलडन के एक हफ्ते बाद आयोजित होगा। इस मिश्रित टीम टूर्नामेंट में इटली, फ्रांस, स्पेन, ग्रीस, कनाडा और गत विजेता क्रोएशिया की टीमें हिस्सा लेंगी। हॉपमैन कप में हर टीम में एक पुरुष और एक महिला खिलाड़ी शामिल होता है। प्रत्येक टाई में एक पुरुष एकल, एक महिला एकल और एक मिश्रित युगल मैच खेला जाता है। यह टूर्नामेंट एटीपी या डब्ल्यूटीए रैंकिंग अंक प्रदान नहीं करता। मेजबान इटली की ओर से जैस्मिन पाओलिनी और फ्लावियो कोबोली खेलेंगे। अन्य देशों की टीमों की घोषणा अभी नहीं हुई है। पाओलिनी पिछले साल फ्रेंच ओपन और विंबलडन की महिला एकल उपविजेता रही थीं और उन्होंने पेरिस ओलंपिक में सारा एरानी के साथ महिला युगल का स्वर्ण पदक भी जीता था। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज हैरी हॉपमैन के नाम पर शुरू हुआ यह टूर्नामेंट 1989 से 2020 तक लगातार खेला गया। 2023 में इसे फ्रांस में दोबारा शुरू किया गया था, जहां क्रोएशिया के डोना वेकिक और बोर्ना चोरिच की जोड़ी ने खिताब जीता था। करीब तीन दशक तक यह टूर्नामेंट पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) में नए साल की शुरुआत में आयोजित होता रहा।

हितेश मुक्केबाजी विश्व कप के फाइनल में

फोज डू इगुआकु (ब्राजील)। भारतीय मुक्केबाज हितेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस 2024 ओलंपियन फ्रांस के माकन ट्रोरे को 5-0 से हराया और गुरुवार को यहां विश्व मुक्केबाजी कप ब्राजील 2025 में पुरुषों के 70 किग्रा वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। शानदार सामरिक अनुशासन का प्रदर्शन करते हुए मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन इस साल के विश्व मुक्केबाजी कप सीरीज के पहले संस्करण के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज बन गए। हितेश अब स्वर्ण पदक के लिए इंग्लैंड के ओडेल कामारा से भिड़ेंगे।

केविन डी ब्रुइन का मैनचेस्टर सिटी से विदाई का ऐलान, सीजन के अंत में क्लब छोड़ेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। मैनचेस्टर सिटी के दिग्गज मिडफील्डर केविन डी ब्रुइन ने एक भावुक पोस्ट के जरिए ऐलान किया कि वह इस सीजन के अंत में क्लब को अलविदा कह देंगे।

डी ब्रुइन ने सोशल मीडिया पर लिखा, आपने यह पोस्ट देखी, तो शायद समझ गए होंगे कि मैं क्या कहना चाहता हूं। सीधे मुद्दे पर आता हूं - यह मेरे मैनचेस्टर सिटी करियर के आखिरी कुछ महीने हैं। यह लिखना आसान नहीं है, लेकिन हम फुटबॉलर्स जानते हैं कि यह दिन एक न एक दिन जरूर आता है। वह दिन आज है - और आप सबको यह खबर सबसे पहले मुझसे मिलनी चाहिए थी। 2015 में जर्मन क्लब वोल्फ्सबर्ग से मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुए डी ब्रुइन ने क्लब के साथ 16 ट्रॉफी अपने नाम की हैं। इनमें 2022-23 सीजन में ऐतिहासिक ट्रेबल जीत भी शामिल है। अपने पहले ही सीजन में उन्होंने 16 गोल और 15 असिस्ट किए और क्लब के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए। कुल 413 मैचों में डी ब्रुइन ने 106

गोल और 174 असिस्ट किए। वह प्रीमियर लीग के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डरों में गिने जाते हैं।

डी ब्रुइन ने लिखा, फुटबॉल ने मुझे आप सभी से और इस शहर से जोड़ा। जब मैं अपना सपना पूरा करने आया था, तब नहीं जानता था कि यह दौर मेरी जिंदगी बदल देगा। इस शहर, इस क्लब और इन लोगों ने मुझे सबकुछ दिया। और मैंने भी बदले में सब कुछ झोंक दिया - और हम सब कुछ जीत गए। उन्होंने आगे कहा, मेरी पत्नी मिशेल और हमारे बच्चे सूरी, रोम, मेसन और मैं - सभी इस शहर और इसके लोगों के हमेशा ऋणी रहेंगे। 'मैनचेस्टर' हमारे बच्चों के पासपोर्ट पर ही नहीं, बल्कि दिलों में भी रहेगा। यह हमेशा हमारा घर रहेगा। 33 वर्षीय डी ब्रुइन मैनचेस्टर सिटी के उस दौर के अहम सदस्य रहे हैं, जब क्लब ने अंग्रेजी फुटबॉल पर अपना दबदबा बनाया। वह दो बार (2019-20 और 2020-21) प्लेयर्स प्लेयर ऑफ द ईयर भी चुने गए। प्रीमियर लीग में वह अब तक कुल 118 असिस्ट कर चुके हैं, जो ऑल-टाइम लिस्ट में दूसरे स्थान पर है। उनका कॉन्ट्रैक्ट जून के अंत में समाप्त हो रहा है, लेकिन यह साफ नहीं है कि वह 14 जून से 13 जुलाई तक होने वाले क्लब वर्ल्ड कप में टीम के साथ बने रहेंगे या नहीं। डी ब्रुइन के विदाई की घोषणा के साथ एक युग का अंत हो गया है, लेकिन उनकी उपलब्धियां उन्हें हमेशा फुटबॉल इतिहा स में अमर बनाए रखेंगी।

अनुभवी पिस्टल शूटर राही सरनोबत ने बताई जीवन के सबसे कठिन दौर से उबरने की कहानी

एजेंसी

देहरादून। अनुभवी पिस्टल शूटर और दो बार की ओलंपियन राही सरनोबत ने राष्ट्रीय खेलों 2025 में जबरदस्त वापसी करते हुए महिलाओं की 25 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया। 34 वर्षीय राही के लिए यह जीत केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि उनके जीवन के सबसे कठिन दौर से उबरने की कहानी है। हाउस ऑफ ग्लोरी पॉडकास्ट (गगन नारंग स्पोर्ट्स फाउंडेशन की पहल) के एक हालिया एपिसोड में राही ने अपने संघर्षों के बारे में खुलकर बात की कि कैसे उन्होंने न्यूरोपैथिक पेन सिंड्रोम जैसी जटिल और रहस्यमयी बीमारी से लड़ाई लड़ी और अब एक बार फिर ओलंपिक पदक के सपने को जीने के लिए मैदान में उतरी हैं। राही के बीमार होने की शुरुआत 2022 में हुई, जब वे वर्ल्ड चैंपियनशिप के नेशनल कैंप के लिए तैयारी कर रही थीं। अचानक उन्हें शरीर में जलन और तंत्रिकाओं में दर्द जैसी समस्याएं महसूस होने लगीं। कई टेस्टों के बावजूद कोई ठोस निदान नहीं मिला। उन्होंने बताया ÷मैं बिस्तर पर लेट भी नहीं सकती थी, महीनों तक बैठकर सोती थी।÷ बाद में न्यूरोलॉजिकल जांचों के बाद उन्हें न्यूरोपैथिक पेन सिंड्रोम का पता चला। उन्होंने कहा, इस बीमारी का न तो कोई निश्चित पैटर्न है, न ही कोई तय इलाज। यह हर व्यक्ति की मेडिकल हिस्ट्री पर निर्भर करता है। यही बात इसे और भी डरावना बना देती है। राही ने बताया कि वे महीनों तक दिन में 17-20 घंटे सोती थीं, और बस छत को घूरती रहती थीं। उन्होंने कहा, ÷मैं सामान्य जीवन नहीं जी पा रही थी, मैं बस वापस जिंदगी में लौटना चाहती थी, खेल तो बाद की बात थी।÷ यह पहली बार नहीं था जब राही को खेल में वापसी करनी पड़ी हो। 2014 में उनकी शूटिंग हाथ की कोहनी में हेयरलाइन फ्रैक्चर हो गया था, जिससे उबरने में उन्हें सात महीने लगे। फिर उन्होंने वापसी करते हुए 2018 एशियाई खेलों में स्वर्ण जीता और 2021 टोक्यो ओलंपिक में भाग लिया।

शूटिंग विश्व कपः चेन सिंह ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में जीता कांस्य

एजेंसी

नई दिल्ली। वरिष्ठ शूटर और एशियन गेम्स पदक विजेता चेन सिंह ने अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में भारत के लिए पहला पदक दिलाया। चेन सिंह ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। हंगरी के इस्टवान पेनि ने 461.0 अंकों के साथ स्वर्ण पदक, जबकि चीन के तियान जियामिंग ने 458.8 अंकों के साथ रजत पदक जीता। चेन सिंह ने 45 शॉट्स के फाइनल में 443.7 अंकों के साथ अंतिम से पहले शॉट के बाद मुकाबले से बाहर हो गए, लेकिन तब तक वे भारत के लिए पदक पक्का कर चुके थे। यह उनका तीन साल बाद किसी आईएसएसएफ प्रतियोगिता में पदक है।

क्वालिफिकेशन राउंड

भारत की ओर से ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, नीरज कुमार और चेन सिंह–तीनों ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। इसमें मौजूदा विश्व चैंपियन अलेक्जेंडर शिमर्ल (ऑस्ट्रिया) जैसे दिग्गज भी शामिल थे।ऐश्वर्य ने 589 अंकों के साथ दूसरे

स्थान पर क्वालीफाई किया, जबकि समान स्कोर के बावजूद सटीकता के आधार पर चेन को तीसरा स्थान मिला। नीरज ने 587 अंकों के साथ पांचवां स्थान हासिल किया।

फाइनल मुकाबला

फाइनल की शुरुआत में नीरज कुमार ने घुटने के बल स्थिति में बेहतरीन प्रदर्शन किया और दूसरे स्थान पर रहे, लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन कमजोर हुआ। वहीं ऐश्वर्य और चेन ने प्रदर्शन में सुधार किया। प्रोन पोजीशन के बाद वे तीसरे और चौथे स्थान पर आ गए और अंतिम स्टैंडिंग पोजीशन में मजबूती बनाए रखी। हालांकि, ऐश्वर्य को 41वें शॉट में 7.8 स्कोर के कारण पदक से हाथ धोना पड़ा। शिमर्ल 42वें शॉट के बाद पांचवें स्थान पर रहकर बाहर हुए और इसी के साथ चेन सिंह ने भारत के लिए पदक पक्का कर दिया।

अन्य परिणाम

महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालिफिकेशन की पहले दिन की प्रिसिशन राउंड में मनु भाकर ने 300 में से 291 स्कोर कर चौथे स्थान पर रहीं। सिमरनप्रीत कौर बराड़ ने 290 स्कोर कर छठा स्थान हासिल किया। ईशा सिंह ने 285 स्कोर कर बारहवें स्थान पर रहीं।वहीं, स्कीट प्रतियोगिता के दूसरे दिन पेरिस ओलंपियन राइजा ढिल्लों ने तीन राउंड में 71 का स्कोर कर सातवें स्थान पर रहते हुए भारत की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वह शीर्ष स्थान से केवल दो अंक पीछे हैं।

मुंबई इंडियंस ने रन चेज के दौरान तिलक वर्मा को कराया रिटायर्ड आउट

एजेंसी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार को।लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ रन चेज के दौरान मुंबई इंडियंस ने एक चौंकाने वाला कदम उठाया। टीम ने तिलक वर्मा को रिटायर्ड आउट करने का फैसला किया, जो उस समय 23 गेंदों पर 25 रन बनाकर खेल रहे थे।

यह घटना मैच के 19वें ओवर की पांचवीं गेंद पर हुई, जब शार्दुल ठाकुर गेंदबाजी कर रहे थे और मुंबई को जीत के लिए 7 गेंदों में 24 रन की जरूरत थी। तिलक की जगह मिशेल सैंटनर को क्रीज पर भेजा गया। हालांकि, मुंबई यह मुकाबला नहीं जीत सकी और आवेश खान ने आखिरी ओवर में 22 रन बचा लिए।

मैच के बाद कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा, ये साफ था कि हमें बड़े शॉट्स की जरूरत थी और तिलक उस दिन लय में नहीं थे। क्रिकेट में ऐसा दिन आता है जब आप पूरी कोशिश करते हैं लेकिन चीजें आपके पक्ष में नहीं जातीं। हमारा फैसला खुद बयां कर रहा है कि हमने ऐसा क्यों कियाआईपीएल

में यह चौथी बार है जब कोई बल्लेबाज़ रिटायर्ड आउट हुआ हो। इससे पहले 2022 में राजस्थान रॉयल्स के रविचंद्रन अश्विन ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुंबई में यह कदम उठाया था।

2023 में पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ धर्मशाला में अथर्व ताइड़े को रिटायर्ड आउट किया था, वहीं गुजरात टाइटंस ने अहमदाबाद में मुंबई इंडियंस के खिलाफ साई सुदर्शन को वापस बुलाया था। मुंबई इंडियंस का यह फैसला चर्चा में है, और क्रिकेट जगत में इसकी रणनीति को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

युवा कबड्डी सीरीज बनी मेरे भविष्य की बुनियादः लोकेश घोसलिय

एजेंसी

हरिद्वार (उत्तराखंड)। किसी भी मुकाम को हासिल करने का सबसे बड़ा मूलमंत्र मेहनत और लगन के सिवाय कुछ नहीं हो सकता। ऐसी ही कुछ कहानी है जयपुर के रहने वाले लोकेश घोसलिया की। अपने बड़े भाई को स्थानीय कबड्डी प्रतियोगिताओं में खेलते देख कबड्डी में भविष्य निर्माण की चाह रखने वाले लोकेश ने इस खेल की शुरुआत 2016 में की थी। हालांकि उनका यह सफर ज्यादा दिन नहीं चल पाया और कुछ महीनों के बाद पारिवारिक कारणों के चलते उन्हें इससे दूरी बनानी पड़ी, पर कहते हैं न सपना अगर आसमान का हो तो धरती पर चैन कहां आएगा..। 6-7 महीनों तक कबड्डी से दूर के रहने बाद उन्हें एक बार फिर मौका तब मिला, जब स्कूल के बाद गर्मियों की छुट्टियां हुईं और वहीं से लोकेश ने लिखनी शुरू की अपने भविष्य की इबारत। हरिद्वार में चल रहे युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप में युवा मुंबा का प्रतिनिधित्व कर रहे लोकेश ने साझा किए अपनी जिंदगी के कुछ अहम अध्याय। उन्होंने कहा, मैं अपने बड़े भाई को मजे के लिए कबड्डी खेलते देखता था, धीरे-धीरे मेरी रुचि उसमें गहराने लगी, जिसके बाद मैं नियमित रूप से स्टेडियम जाकर कबड्डी सीखने लगा। हालांकि शुरुआत में परिवार से कोई खास समर्थन नहीं मिला लेकिन जब मैंने जिला और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना और अच्छा प्रदर्शन करना शुरू किया तो परिवार को भी लगा कि यही इसके लिए सही है। 19 वर्षीय लोकेश ने सबसे पहले 2022 की समर एडिशन में अरावली एरोज़ के साथ युवा कबड्डी सीरीज में डेब्यू किया। अपने पहले सीज़न में उन्होंने 30 मैचों में 81 पॉइंट्स अर्जित किए। वह अरावली एरोज़ टीम के लिए समर एडिशन 2022, मानसून एडिशन 2022, विंटर एडिशन 2022 और मानसून एडिशन 2023 में अहम खिलाड़ी रहे। इसके अलावा उन्होंने समर एडिशन 2023 में पेरियार पैंथर्स के लिए भी खेला। वर्तमान में चल रही युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप 2025 में लोकेश युवा मुंबा का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। जहां उन्होंने 18 मैचों में 68 पॉइंट्स हासिल किए। उन्होंने युवा कबड्डी सीरीज के छह संस्करणों में कुल 144 मैचों से 485 पॉइंट्स अर्जित किए हैं, जो एक बड़ी उपलब्धि है। इतना ही नहीं युवा कबड्डी सीरीज में लगातार दो साल शानदार परफॉर्मेंस के चलते प्रो कबड्डी लीग में भी चयनित हुए। युवा कबड्डी सीरीज पर बात करते हुए लोकेश ने कहा, ÷युवा कबड्डी सीरीज ने मेरे करियर को संवारने और मुझे प्रो कबड्डी लीग तक पहुंचाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। मेरे लिए युवा कबड्डी सीरीज के शुरुआती संस्करणों में भाग लेना और पीकेएल तक पहुंचना एक शानदार अनुभव था। युवा कबड्डी सीरीज के प्रारूप की तारीफ करते हुए उन्होंने आगे कहा, मेरी सफलता और खेल में सुधार का सारा श्रेय इसी लीग को जाता है। इसी ने मुझे सिखाया कि मैदान में उतरकर खेल के दौरान अपनी कमजोरियों को समझना और उनको सुधारना कितना जरूरी है।

यूपी चैंलेजर ट्रॉफी में खेलेंगे प्रयागराज के चार क्रिकेटर

एजेंसी

प्रयागराज। कानपुर में 12 से 13 अप्रैल को होने वाली रमा मिश्रा यूपी वेटरन चैंलेजर ट्रॉफी के लिए प्रयागराज के चार खिलाड़ियों का उत्तर प्रदेश पश्चिम (यूपी ईस्ट) टीम में चयन किया गया है। इलाहाबाद वेटरन क्रिकेट

शिवाकांत शुक्ला सुशील ओझा विनीत सिंह उदय प्रताप सिंह

एसोसिएशन के अध्यक्ष ताहिर हसन ने बताया कि शिवाकांत शुक्ला, सुशील ओझा, विनीत सिंह और उदय प्रताप सिंह को टीम में जगह मिली है। सभी को 11 अप्रैल को अपने मूल आधार कार्ड के साथ कानपुर के होटल ग्रैंड प्लाजा में शाम छह बजे रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है।

जयपुर पिंक कब्स बनी युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप के पहले संस्करण की विजेता

एजेंसी

हरिद्वार (उत्तराखंड)। हरिद्वार के वंदना कटारिया इंडोर स्टेडियम में चल रहे युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप के फाइनल मुकाबले में जयपुर पिंक कब्स ने युवा योद्धास को 35-29 से हराकर युवा ऑल स्टार्स का खिताब अपने नाम कर लिया। आज खेले गए इस फाइनल मुकाबले में युवा योद्धास की तरफ से शिवम सिंह ने टीम को पहला अंक अर्जित कराया। हालांकि शुरुआती दौर में दोनों टीमों 8-8 अंक से बराबरी पर थी, लेकिन फिर योद्धास ने पिंक कब्स को ऑल आउट कर 12-9 की बढ़त ले ली, जिसके चलते पहले हाफ में उत्तर प्रदेश की यह टीम 16-15 से आगे थी। दूसरे हाफ में भी दोनों टीमों ने जमकर मुकाबला किया और स्कोर 20-20 की बराबरी पर पहुंच गया। तभी अनिल की रेड ने जयपुर पिंक कब्स को युवा योद्धास पर ऑल आउट

करने का मौका दिया, जिससे उन्हें चार अंकों की बढ़त मिल गई। इसके बाद दोनों टीमों ने सफल रेड और टैकल से अंक बटोरे, लेकिन जयपुर पिंक कब्स ने अपनी बढ़त बनाए रखी और युवा योद्धास की वापसी की सभी कोशिशों को नाकाम कर दिया। जयपुर पिंक कब्स ने 25 रेड पॉइंट्स और 8 टैकल पॉइंट्स अर्जित किए, जबकि योद्धास ने 22 रेड पॉइंट्स और 5 टैकल पॉइंट्स हासिल किए। दोनों टीमों ने एक दूसरे को 2-2 बार ऑल आउट किया। खेल की सबसे अविस्मरणीय बात ये रही कि पूरे मुकाबले के दौरान कोई भी टीम एक भी सुपर रेड या सुपर टैकल नहीं कर सकी। जयपुर पिंक कब्स के अनिल 18 पॉइंट्स के साथ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे, वहीं युवा योद्धास के लिए शिवम सिंह ने 10 रेड पॉइंट्स अर्जित किए।

टूर्नामेंट में 231 प्वाइंट अर्जित करने के लिए युवा योद्धास के शिवम चौधरी को बेस्ट रेडर ऑफ द टूर्नामेंट के पुरस्कार से नवाजा गया। 83 टैकल पॉइंट्स के चलते चंडीगढ़ चार्जर्स के संदीप सैनी को टूर्नामेंट का स्टार डिफेंडर घोषित किया गया।इसके अलावा विजेता टीम जयपुर पिंक कब्स के दीपांशु खत्री को युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप 2025 का स्टार प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।

इशान के आठ गोल से दिल्ली ऑडिट को मिली बड़ी जीत

एजेंसी

नयी दिल्ली। इशान के आठ गोलों मदद से दिल्ली ऑडिट ने दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) को 13-1 से रौंदकर डीएसए संस्थानिक लीग में पहली जीत का स्वाद चखा। राजधानी स्थित ईस्ट विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मैदान पर खेले गए एकतरफा मुकाबले में इशान ने दोहरी हैट्रिक सहित आठ गोल जमा कर किसी मैच में सर्वाधिक गोल दागने का सम्मान पाया। उनके अलावा ओबेद ने भी तिकड़ी बनाई और बाकी के दो गोल नितीश और विक्रम ने किए। पराजित टीम के लिए एकमात्र गोल गौरव ने दागा।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग ने जारी किया शेड्यूल, फाइनल 30 अप्रैल को

एजेंसी

गुरुग्राम,। गुरुग्राम में 18 अप्रैल से शुरू हो रही ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआईपीकेएल) का पूरा कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है, जिसकी शुरुआत पुरुष मुकाबलों के साथ की जाएगी। पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल 28 अप्रैल तो महिला वर्ग के सेमीफाइनल 29 अप्रैल को खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का समापन 30 अप्रैल को पुरुषों और महिलाओं दोनों के फाइनल के साथ होगा। जीआईपीकेएल में दिन का पहला मुकाबला तमिल लॉयन्स और पंजाबी टाइगर्स, दूसरा मुकाबला हरियाणवी शार्क्स और तेलुगु पैंथर्स और तीसरा मुकाबला मराठी वल्चर और भोजपुरी लेपर्ड्स के बीच खेला जाना तय है। महिला मुकाबलों की शुरुआत 19 अप्रैल से होगी, जहां दिन की पहली भिड़ंत मराठी फाल्कन्स और तेलुगु चीतास के बीच देखने को मिलेगी। अन्य मुकाबले पंजाबी टाइग्रेस बनाम भोजपुरी लेपर्डेस और हरयाणवी ईगल्स बनाम तमिल लायनेस के बीच खेले जाएंगे।

टूर्नामेंट के शेड्यूल की घोषणा करते हुए होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन (हिप्सा) की अध्यक्ष कांति डी. सुरेश ने कहा कि, पुरुष और महिला दोनों ही टीमों के समायोजन वाले इस टूर्नामेंट के शेड्यूल तैयार करना एक अलग ही भावना है।

यह मंच लैंगिक समानता सुनिश्चित करता है। एक खेल प्रतिनिधि और महिला होने के नाते यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह एक शानदार शुरुआत है और मुझे पूरी उम्मीद है कि हमारी यह यात्रा बहुत दूर तक जाने वाली है। यह लीग कबड्डी के क्षेत्र में सर्वोच्चता का प्रतीक होगी। इसका प्रारूप इस तरह से तैयार किया गया है, जिसमें पुरुषों और महिलाओं की अलग-अलग टीमें विजेता बनेंगी, लेकिन केवल एक ही टीम को यह भव्य चैंपियनशिप ट्रॉफी उठाने का गौरव प्राप्त होगा। जीआईपीकेएल के पहले सीजन में कुल 6 पुरुष और 6 महिला टीमें भाग लेंगी, जिसका सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा।

इन टीमों के नाम क्षेत्रीय पहचान को दर्शाने के लिहाज से किया गया है। लीग स्टेज 27 अप्रैल तक चलेगी, जिसके बाद नॉकआउट राउंड शुरू होगा। पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल 28 अप्रैल तो महिला वर्ग के सेमीफाइनल 29 अप्रैल को खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का समापन 30 अप्रैल को पुरुषों और महिलाओं दोनों के फाइनल के साथ होगा।

आईपीएल 2025: लखनऊ ने मुंबई को 12 रन से हराया

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 12 रन से हरा दिया है। इसके साथ लखनऊ ने आईपीएल 2025 में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मिचेल मार्श और एडेन मार्करम के अर्धशतकों के दम पर 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाए। जवाब में सूर्यकुमार यादव के अर्धशतक लगाया लेकिन उनकी कोशिश बेकार गई और मुंबई निर्धारित ओवर में पांच विकेट पर 191 रन ही बना सकी। मुंबई के लिए सूर्यकुमार ने 43 गेंदों पर नौ चौकों और एक छक्के की मदद से 67 रन बनाए। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 17 रन के अंदर विल जैक्स और रियान रिक्लेटन के विकेट गवां दिए। इसके बाद सूर्यकुमार और नमन धीर ने पारी को संभाला और शानदार बल्लेबाजी करते हुए तीसरे विकेट के लिए 69 रन जोड़े। नमन हालांकि, अर्धशतक लगाने से चूक गए और 24 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 46 रन बनाकर आउट हुए। मुंबई ने इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर तिलक वर्मा को उतारा जिन्होंने सूर्यकुमार का अच्छा साथ निभाया। सूर्यकुमार ने 31 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और फिर आक्रामक अंदाज में खेलना जारी रखा। सूर्यकुमार को आवेश खान ने आउट किया। सूर्यकुमार के पवेलियन लौटने के बाद क्रीज पर कप्तान हार्दिक पांड्या उतरे। अंतिम ओवर से ठीक पहले तिलक वर्मा 25 रन बनाकर रिटायर आउट हो गए और उनकी जगह क्रीज पर मिचेल सैंटनर उतरे। मुंबई को आखिरी ओवर में जीत के लिए 22 रन चाहिए थे। हार्दिक ने आवेश की पहली गेंद पर छक्का लगाया, लेकिन आवेश लक्ष्य का बचाव करने में सफल रहे। हार्दिक 16 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 28 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि सैंटनर भी दो रन बनाकर नाबाद लौटे। लखनऊ की ओर से शार्दुल ठाकुर, आकाश दीप, आवेश खान और दिग्वेश सिंह राठी को एक-एक विकेट मिले। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने मिचेल मार्श और एडेन मार्करम के अर्धशतकों की मदद से मुंबई इंडियंस को 204 रनों का लक्ष्य दिया। मुंबई ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, लेकिन मार्श और मार्करम ने अर्धशतक जड़े जिससे लखनऊ की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाने में सफल रही। मुंबई के लिए कप्तान हार्दिक पांड्या ने शानदार गेंदबाजी की और चार ओवर में 36 रन देकर पांच विकेट झटके। हालांकि, वह लखनऊ को 200 रन का स्कोर छूने से नहीं रोक सके। पहले बल्लेबाजी करते हुए मार्श ने पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी की, लेकिन विग्नेश पुथुर ने उन्हें आउट कर मुंबई को बड़ी सफलता दिलाई। मार्श 31 गेंदों पर नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से 60 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद लखनऊ ने दो और विकेट जल्द गंवा दिए। कप्तान ऋषभ पंत एक बार फिर फ्लॉप साबित हुए और दो रन बनाकर आउट हुए। वहीं, निकोलस पूरन ने 12 रन बनाए। मार्करम हालांकि डटे रहे और उन्होंने अर्धशतक पूरा किया। मार्करम भी 38 गेंदों पर दो चौकों और चार छक्कों की मदद से 53 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं, आयुष बडोनी ने 19 गेंदों पर 30 रनों की पारी खेली। अंतिम ओवरों में डेविड मिलर ने अपना दम दिखाया और लखनऊ का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। इस बीच हार्दिक के पास अंतिम ओवर में हैट्रिक लेने का मौका था, लेकिन वह चूक गए। हार्दिक ने पहले 20वें ओवर की चौथी गेंद पर मिलर को आउट किया जो 14 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए।

'स्त्री 2' से 800 करोड़ छापने के बाद 'तुम्बाड' के डायरेक्टर की फिल्म में

श्रद्धा कपूर

'स्त्री 2' के जरिए साल 2024 में 800 करोड़ से ज्यादा की कमाई करने वाली श्रद्धा कपूरकी अगली फिल्म पर हर किसी की नजर है. 'स्त्री 2' साल 2024 की बड़ी फिल्मों में से एक थी. श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की इस हॉरर कॉमेडी फिल्म ने अजय देवगनऔर अक्षय कुमार की नाक में भी दम कर दिया था. उस दौरान दोनों सुपरस्टार्स की फिल्में भी रिलीज हुई थीं, जिन्हें 'स्त्री 2' ने कच्चा चबा लिया था. खैर, अब श्रद्धा की अगली फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है. बड़े-बड़े रिकॉर्ड तोड़ने के बाद अब एक्ट्रेस ने अपना अगला प्रोजेक्ट लॉक कर लिया है.श्रद्धा कपूर पिछले कुछ वक्त से कई बैनर से मिल रही थीं और डायरेक्टर्स की कई स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं, जिसमें टी सीरीज़, धर्मा और एक्सेल जैसे कई और बड़े नाम शामिल हैं. पिंकविला की रिपोर्ट की मानें तो श्रद्धा कपूर को अपनी अगली फिल्म मिल गई है. एक्ट्रेस एक अनोखी हाई कॉन्सेप्ट थ्रिलर के लिए 'तुम्बाड' के डायरेक्टर राही अनिल बर्वे के साथ मिलकर काम करने वाली हैं. अभी फिल्म को लेकर बातचीत जारी है.

श्रद्धा कपूर की अगली फिल्म हुई लॉक

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एकता कपूर के साथ श्रद्धा कई फिल्मों के लिए बातचीत कर रही हैं और उनमें से एक राही अनिल बर्वे के डायरेक्शन में बन रही थ्रिलर फिल्म भी शामिल है. स्क्रिप्ट तय हो चुकी है और श्रद्धा राही की कहानी से काफी इंप्रेस भी हैं. वो इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी एक्साइटेड हैं, उनका मानना है कि बिना टाइटल वाली ये थ्रिलर फिल्म 'स्त्री 2' के बाद एक अच्छा फॉलोअप हो सकती है.

आदित्य के साथ फिर नजर आएंगी श्रद्धा!

मिली जानकारी के अनुसार राही को प्री-प्रोडक्शन के लिए लगभग तीन से चार महीने का समय लगेगा और 2025 की के सेकंड हाउ में इस फिल्म को फ्लोर पर उतार दिया जाएगा. 'तुम्बाड' डायरेक्टर की इस फिल्म के अलावा श्रद्धा एकता के साथ एक लव स्टोरी पर भी चर्चा कर रही हैं. इस फिल्म में श्रद्धा के साथ आदित्य रॉय कपूर नजर आ सकते हैं. फिल्म को मोहित सूरी डायरेक्टर करेंगे. वहीं अगर ये सही साबित होता है तो श्रद्धा और आदित्य ब्रेकअप के बाद पहली बार साथ में काम करेंगे.

'अंडे उबालना भी नहीं आता...' सैफ और करीना में कौन है बेहतर कुक? करीना ने खुद खोला अपना किचन सीक्रेट

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान और उनके पति और एक्टर सैफ अली खान बी-टाउन के काफी पॉपुलर कपल्स में से एक हैं. करीना और सैफ के फैंस कपल को बहुत प्यार करते हैं और उनकी लाइफ से जुड़ी हर अपडेट के लिए काफी एक्साइटेड रहते हैं. हाल ही में करीना ने बताया कि उन्हें और सैफ को साथ में कुकिंग करना बहुत ज्यादा पसंद है. करीना ने बताया कि उनमें और सैफ में, सैफ ज्यादा अच्छे कुक हैं.करीना कपूर और सैफ अली खान बहुत ही खास बॉन्ड शेयर करते हैं. दोनों को साथ देखना उनके फैंस को काफी पसंद है. एक्ट्रेस ने हाल ही में एक बुक लॉन्च के दौरान अपनी और सैफ की ईटिंग हैबिट्स और पसंद-ना पसंद को लेकर बात की. उन्होंने ये भी बताया कि सैफ ज्यादा अच्छे कुक हैं और उन्हें खाना बनाना काफी पसंद है.

'मैं तो अंडा भी नहीं उबाल सकती'

करीना ने अपनी न्यूट्रिष्निस्ट रुजुता दिवेकर की बुक द कॉमनसेंस डाइट के बुक लॉन्च में बात की. उन्होंने कहा कि दिन भर की कड़ी मेहनत के बाद घर का बना खाना खाने से ज्यादा अच्छा और कुछ नहीं होता. करीना ने बताया कि सैफ और उन्होंने खुद खाना बनाना शुरू कर दिया है. करीना ने कहा- 'हमें ये काफी पसंद है, इसलिए हमने इसे अपनी जीवनशैली बना लिया है. सैफ एक बेहतर कुक है, ये बात तो पक्की है. मैं तो अंडा भी नहीं उबाल सकती.'

'मैं तो हर दिन खिचड़ी खा सकती हैं'

करीना ने कहा कि वो अपने खाने को लेकर बहुत ज्यादा चूज़ी नहीं हैं और उन्हें कई दिनों तक एक ही चीज, जैसे कि उनका पसंदीदा खाना खिचड़ी, खाने को दे दी जाए तो वो आराम से खा सकती हैं. ये उनका कम्फर्ट फूड है, और वो लगातार पांच दिन यही खाना खा सकती हैं. करीना ने बताया कि उन्हें खिचड़ी में थोड़ा सा घी बहुत पसंद है और वो आराम से इसे खा सकती हैं. करीना ने बताया कि उनका कुक कई बार थक जाता है क्योंकि उन्हें 10-15 दिनों तक एक ही खाना बनाना पड़ता है. उन्होंने ये भी बताया कि कपूर खानदान के लोगों को पाया सूप पीना बहुत पसंद है.

14 साल की शादी को नहीं मानते असफल- बरखा बिष्ट से तलाक पर इंद्रनील सेनगुप्ता का बयान

टीवी इंडस्ट्री के जाने-माने सेलिब्रिटी कपल इंद्रनील सेनगुप्ता और बरखा बिष्ट के तलाक ने उनके फैंस को चौंका दिया था. 14 साल की शादी के बाद साल 2022 में दोनों अलग हो गए थे. हाल ही में दोनों ने अपनी टूटी शादी और उससे जुड़े अनुभवों पर खुलकर बात की है. इंद्रनील ने एक पॉडकास्ट में अपनी शादी को 'असफल' मानने से इनकार किया. दरअसल कुछ दिन पहले बरखा की तरफ से कहा गया था कि अगर इंद्रनील उनसे माफी मांगता, तो वो उन्हें माफ कर देतीं. लेकिन इस पूरे मामले में इंद्रजीत की सोच बिलकुल अलग है.

संघमित्रा हितैषी के पॉडकास्ट पर इंद्रनील सेनगुप्ता ने बताया कि बरखा बिष्ट से उनके तलाक ने उनकी जिंदगी को किस तरह प्रभावित किया. उन्होंने अलग होने के बाद अपनी जिंदगी के बारे में बात करते हुए कहा, कुछ लोग बरखा के साथ मेरी शादी को असफल मान सकते हैं. हालांकि, मेरा मानना है कि हमारी शादी 13 साल तक सफल रही. हमारे बीच कई अच्छे पल आए, साथ ही कुछ बहुत अच्छे पल भी आए और कुछ चैलेंजिंग समय भी देखा गया.

शादी को असफल नहीं मानते इंद्रनील

इंद्रनील ने कहा कि वो अपनी शादी को असफल नहीं कहना चाहते. उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने और बरखा ने अपनी-अपनी जर्नी पूरी की और कैसे उनके व्यक्तित्व में बदलाव आया, एक्टर ने कहा, कभी-कभी व्यक्तित्व बदल जाते हैं. हम पहले दिन से ही अलग-अलग लोग थे. जैसे-जैसे साल बीतते गए, हम अपने आप में और भी ज्यादा ढलते गए, मैं असफलता शब्द से सहमत नहीं हूं. कुछ भी असफल नहीं होता.

बरखा ने कहा- 'आज भी प्यार है'

सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक इंटरव्यू में बरखा ने बताया कि उनके पूर्व पति इंद्रनील उनकी बेटी के जिंदगी का हिस्सा नहीं है, लेकिन उन्होंने इसे भारी मन से स्वीकार कर लिया है. एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि लोग मान सकते हैं कि वह जानबूझकर इंद्रनील को उनकी बेटी से दूर रखने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन ऐसा नहीं है.

बरखा ने ये भी कहा कि वह आज भी इंद्रनील से प्यार करती हैं, लेकिन उन्हें वफादारी नहीं मिली. उन्होंने बताया कि इंद्रनील ने शादीशुदा रहते हुए उन्हें धोखा दिया, जिससे उनका 14 साल का रिश्ता टूट गया। बरखा ने कहा, प्यार और दोस्ती के साथ-साथ वफादारी भी जरूरी है.

2-2 फिल्मों पर झन्नाटेदार अपडेट, यहां तक पहुंचा

अक्षय कुमार

की 'भूत बंगला' और 'हेरा फेरी 3' का काम

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार केसरी चैप्टर 2 को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं. ये फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. फिल्म के ट्रेलर को काफी पसंद किया जा रहा है. इसी बीच अक्षय की दो फिल्मों को लेकर बड़ा अपडेट आ गया है. ये फिल्में है 'हेरा फेरी 3' और 'भूत बंगला'. 'हेरा फेरी 3' और 'भूत बंगला' दोनों ही फिल्मों से अक्षय अपने फैंस को फिर से हंसी का डोज देने वाले हैं. इनका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इसी बीच इन दोनों फिल्मों पर लेटेस्ट अपडेट आए हैं.

जल्द क्लाइमैक्स की शूटिंग करेंगे अक्षय-तब्बू

अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' हॉरर कॉमेडी फिल्म है. इसमें उनके साथ अहम किरदार में मशहूर एक्ट्रेस तब्बू नजर आने वाली हैं. बताया जा रहा है कि भूत बंगला की शूटिंग अपने अंतिम फेज में है. इस पर तेजी से काम किया जा रहा है. मिड डे की रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म के क्लाइमैक्स को अक्षय और तब्बू जल्द ही हैदराबाद में रामोजी फिल्म सिटी में एक बड़े महल के सेट पर शूट करेंगे. मई 2025 के बीच तक फिल्म की पूरी शूटिंग खत्म होने की उम्मीद है. इसका डायरेक्शन प्रियदर्शन कर रहे हैं. फिल्म का हिस्सा जिशु सेनगुप्ता, परेश रावल, वामिका गब्बी और मिथिला पालकर भी हैं. भूत बंगला 2 अप्रैल 2026 को रिलीज होगी.

हेरा फेरी 3 की शूटिंग हुई शुरू

हेरा फेरी 3 का डायरेक्शन भी प्रियदर्शन ही कर रहे हैं. इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है. हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक हेरा फेरी 3 का पहला सीन 3 अप्रैल को शूट किया गया था. प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने ने बताया, 卐अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल के साथ पहला सीन शूट किया गया.卐 साल 2000 में आई 'हेरा फेरी' और साल 2006 में आई 'फिर हेरा फेरी' सुपरहिट साबित हुई थी.

दोनों फिल्मों को फैंस का जबरदस्त प्यार मिला था. फैंस को अक्षय, परेश और सुनील की तिकड़ी को दोबारा बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार था. अब इसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है.